▸▸ वर्ष 72 ▸▸ अंक 249 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, शनिवार 07 जून, 2025
▸▸ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत् 2082
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

कर्ज से खराब चीज कुछ भी नहीं, जो इस जाल में फंसता है, फंसता ही जाता है।
- डी. सुब्बाराव

कर्जदारों को बड़ी राहत, आरबीआई ने रेपो रेट में की 0.50 फीसदी की कटौती

अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने एमएसएफ और एसडीएफ में भी आधा-आधा प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बार फिर बड़ी राहत दी है। उसने लगातार तीसरी बार रेपो रेट में कटौती की है और इसे 50 बेसिस पॉइंट यानी 0.50 प्रतिशत घटा दिया है। इस ताजा कटौती के बाद अब रेपो रेट 6 फीसदी से नीचे 5.50 प्रतिशत पर आ गया है। बता दें कि इससे पिछली दो एमपीसी बैठकों में भी ब्याज दरें 25-25 बेसिस पॉइंट घटाई गई थीं। यह बैंक लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए गुड न्यूज है, क्योंकि उनकी ईएमआई (कर्ज की किस्त) अब और भी कम हो जाएगी। रेपो रेट में ■ शेष पृष्ठ 7 पर

ब्याज दरों में फायदे का गणित

ताजा कटौती के बाद 20 साल के लिए लिए गए 20 लाख के लोन पर करीब 1.48 लाख रुपए का फायदा मिलेगा। इसी तरह 30 लाख के लोन पर 2.22 लाख का फायदा होगा। मान लीजिए आपने 50 लाख का होम लोन 30 सालों के लिए लिया है और इसके बदले आप 9 प्रतिशत का ब्याज दे रहे हैं तो आपकी मंथली ईएमआई 40,231 रुपए होगी। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद यह ईएमआई घटकर 38,446 रुपए हो जाएगी। यानी मंथली ईएमआई में 2000 रुपए की कटौती होगी।

लोन	अवधि	ब्याज दर	ईएमआई	कुल ब्याज	कुल रकम(लाख)
रु. 20 लाख	20 साल	8.00%	रु.16,729	रु.20,14	रु.40,14
रु. 20 लाख	20 साल	7.50%	रु.16,112	रु.18,66	रु.38,66
फायदा	-	0.50%	रु.617	1.48 लाख	1.48 लाख
लोन	**अवधि**	**ब्याज दर**	**ईएमआई**	**कुल ब्याज**	**कुल रकम(लाख)**
रु. 30 लाख	20 साल	8.00%	रु.25,093	रु.30,22	रु.60,09
रु. 30 लाख	20 साल	7.50%	रु.24,168	रु.28 लाख	रु.58 लाख
फायदा	-	0.50%	रु.925	2.22 लाख	2.22 लाख

नेट: ये कैलकुलेशन अनुमान के आधार पर है। (नोट: सभी लाख रुपए)

मौद्रिक नीति की खास बातें

- मौद्रिक नीति रुख को 'अकोमडेटिव' से बदलकर 'न्यूट्रल' किया।
- बैंकिंग प्रणाली में 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी डालने के लिए सीआरआर में एक प्रतिशत की बड़ी कटौती।
- खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 0.3 घटाकर 3.7 प्रतिशत किया।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी का अनुमान 6.5 प्रतिशत रखा।
- चालू वित्त वर्ष में चालू खाते का घाटा लक्ष्य के भीतर रहने की उम्मीद।
- विदेशी मुद्रा भंडार 692.7 से घटकर 691.5 अरब डॉलर पर आ गया।
- अगली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 4 से 6 अगस्त तक होगी।

चिनाब पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे आर्च ब्रिज पर तिरंगा लहराते प्रधानमंत्री

कनाडा ने पीएम को जी-7 समिट का न्योता भेजा

कनाडा ने मोदी को जी-7 देशों की समिट में शामिल होने के लिए न्योता भेजा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को फोन कर समिट के लिए बुलाया है। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। मोदी ने आमंत्रण के लिए कार्नी का आभार जताया और कनाडा के चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई भी दी। साथ ही कहा कि उन्हें समिट में कार्नी से मुलाकात का बेसब्री से इंतजार है। बता दें कि यह समिट कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में 15 से 17 जून तक होगी। भारत को यह न्योता समिट शुरू होने के ठीक 8 दिन पहले मिला है।

प्रधानमंत्री ने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर, जेएनएन। पीएम मोदी ने शुक्रवार को पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने यहां के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज का तिरंगा दिखाकर उद्घाटन किया। इसके बाद अंजी ब्रिज और कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। चिनाब आर्च ब्रिज रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी के बीच बना है। इसे 2003 में मंजूरी मिली थी। शुरुआती प्लान के मुताबिक इसे 2009 तक तैयार हो जाना था, लेकिन देर हो गई है। यह सवा किलोमीटर से ज्यादा लंबा है और नदी से ऊंचाई 359 मीटर है। यह पेरिस के एफिल टावर (330 मीटर) से 29 मीटर ऊंचा है। लागत 1486 करोड़ रुपए है। वहीं, अंजी खड्ड पर बना भारत का पहला केबल स्टे रेल ब्रिज नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

संक्षिप्त खबरें

क्रिकेटर पीयूष चावला ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, जेएनएन। 36 वर्षीय भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। करीब दो दशक लंबे करियर के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी दी। चावला ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दो दशक से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करने, 2007 टी20 और 2011 वनडे वर्ल्ड कप की विजेता टीम का हिस्सा बनने को अपने जीवन का सबसे आशीर्वाद बताया। ये यादें हमेशा उनके दिल में बसी रहेंगी।

फिर फेल हुआ जापान का मून मिशन

टोक्यो, जेएनएन। जापान की निजी स्पेस कंपनी आईस्पेस का चंद्रयान मिशन शुक्रवार को चांद की सतह पर उतरने से चंद सेकंड पहले क्रैश हो गया। लैंडिंग से करीब दो मिनट पहले लैंडर का संपर्क टूट गया और मिशन को फेल घोषित कर दिया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि लैंडर की ऊंचाई मापने वाली लेजर प्रणाली ठीक से काम नहीं कर पाई और लैंडर बहुत तेजी से नीचे आ गया, जिससे वह चांद पर जोर से टकरा गया। यह मिशन भेजने की जापान की दूसरी कोशिश थी। इससे पहले साल 2022-23 में उसका पहला लूनर मिशन भी क्रैश हो गया था। रेजिलिएंस नाम का यह लैंडर 2.3 मीटर लंबा था। जापान सरकार ने घोषणा की है कि वह पीछे नहीं हटेगी।

बेंगलुरु भगदड़ : जेल भेजे गए आरसीबी के चार कर्मचारी

केएससीए अफसरों की गिरफ्तारी पर लगी रोक

बेंगलुरु, जेएनएन। बेंगलुरु भगदड़ मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अफसरों को 16 जून तक गिरफ्तारी से राहत दे दी। केएससीए ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कराने की मांग की थी।

कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को केएससीए, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया था।

उधर, बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के 4 अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

वहीं, विपक्ष की तरफ से लगातार इस्तीफे की मांग पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने केस दर्ज किया। विपक्ष न्यायिक जांच की मांग कर रहा था। हमने उसके भी आदेश दिए। अफसरों को सस्पेंड किया। सरकार और क्या कर सकती है।

बता दें कि बेंगलुरु में 4 जून को मची भगदड़ में 13 साल लड़की सहित 11 लोगों की मौत हो गई थी। 33 घायल हो गए थे। यह घटना बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की विक्ट्री परेड के दौरान हुई थी, जहां 3 से 4 लाख क्रिकेट फैंस खिलाड़ियों को देखने आए थे।

विराट कोहली के खिलाफ पुलिस में शिकायत

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के खिलाफ बेंगलुरु की कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है। यह शिकायत एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस विभाग की ओर से एक पत्र जारी किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह मामला पहले से ही दर्ज है। इस मामले की जांच चल रही है। इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि विराट कोहली के खिलाफ की गई शिकायत को पुलिस गंभीरता से ले रही है और जांच भी कर रही है। फिलहाल, इस शिकायत में उठाए गए मुद्दों की प्रकृति और आरोपों का विवरण सामने नहीं आया है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, इस पर और विवरण सामने आने की संभावना है। पुलिस का कहना है कि न्यायिक प्रक्रिया के तहत जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी।

टकराव बढ़ा, ट्रंप ने कहा-बेचारा एलन स्वार्थी है, जवाब में मस्क बोले- डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद से हटाया जाए

वॉशिंगटन, जेएनएन। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच टकराव और बढ़ गया है। गुरुवार को ट्रंप ने मस्क को बेचारा कहा और कहा कि वह उनसे कभी बात नहीं करेंगे। ट्रंप ने हाल ही में खरीदी टेस्ला की कार को बेचने का भी ऐलान किया है। इसके साथ ही ट्रंप ने मस्क की कंपनियों के सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म करने की भी बात कही।

इसके बाद मस्क ने ट्रंप पर जवाबी हमला बोला। उन्होंने कहा कि ट्रंप को पद से हटाने के लिए महाभियोग चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप अमेरिका जैसे महान देश के राष्ट्रपति

बनने लायक नहीं हैं। दरअसल, ट्रंप अगर धमकी पर अमल करते हैं तो मस्क की कंपनियों टेस्ला और स्पेस एक्स को बड़ा झटका लग सकता है।

हालांकि, मस्क ने भी ट्रंप पर न दबाव बनाने की चाल चल दी है। एक तरफ तो उन्होंने नई राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान किया तो दूसरी तरफ कहा कि स्पेस एक्स अब अपने ड्रेगन स्पेसक्राफ्ट को डीकमीशन (बंद) करना शुरू करेगा।

ड्रैगन स्पेस एक्स का प्रमुख क्रू और कार्गो यान है, जिसे नासा के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मिशन भेजने के लिए उपयोग किया जाता है। यह अमेरिका की ओर से आईएसएस तक इंसानों को ले जाने वाली एकमात्र निजी प्रणाली है।

टेस्ला के शेयरों में 14.26 प्रतिशत की गिरावट

अमेरिकी शेयर बाजार नेसडेक पर टेस्ला का शेयर 14.26 प्रतिशत (47.35 डॉलर) की भारी गिरावट के साथ 284.70 डॉलर पर बंद हुआ। इस भयानक गिरावट की वजह से इलेक्ट्रिक कार मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी के मार्केट कैप को 152 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ, जिसके बाद कंपनी का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर के जादूई आंकड़े से फिसल गया। कंपनी के मार्केट कैप में यह अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मास्टरमाइंड अरेस्ट

जालंधर, जेएनएन। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मास्टरमाइंड जीशान अख्तर उर्फ जस्सी पुरेवाल को कनाडा की सरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गिरफ्तारी किस केस में हुई है। 12 अक्टूबर 2024 की रात को बाबा सिद्दीकी की मुंबई में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली थी। गैंग ने दावा किया था कि बाबा सिद्दीकी बॉलीवुड स्टार सलमान खान के करीबियों में था। इसी वजह से उसे मारा। पुलिस जांच में सामने आया था कि सिद्दीकी की हत्या का मास्टरमाइंड जालंधर का रहने वाला जीशान अख्तर है। जब शूटर्स ने सिद्दीकी को गोलियां मारी, तो वह मौके पर मौजूद था। हत्या के बाद वह विदेश भाग गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने दी इजाजत, अब एक ही पाली में 3 अगस्त को होगी नीट-पीजी की परीक्षा

नई दिल्ली, जेएनएन। नीट पीजी एग्जाम अब 3 अगस्त 2025 को आयोजित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) की याचिका को मंजूरी देते हुए नीट-पीजी 2025 परीक्षा को 15 जून से स्थगित कर 3 अगस्त 2025 को आयोजित करने की अनुमति दे दी है। यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि कोर्ट ने पहले आदेश दिया था कि परीक्षा को दो पालियों के बजाय एक ही पाली में आयोजित किया जाए।

सुनवाई के दौरान एनबीई ने बताया कि एक पाली में परीक्षा आयोजित करने के लिए उन्हें अतिरिक्त 450 परीक्षा केंद्रों की आवश्यकता होगी, क्योंकि पहले 450 केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा हो

रही थी। एनबीई के वकील ने कहा कि नए केंद्रों की पहचान, उनकी सुरक्षा, तकनीकी जरूरतों और कर्मचारियों की व्यवस्था में समय लगेगा। उनके तकनीकी साझेदार टीसीएस को इन तैयारियों के लिए समय चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने एनबीई से सवाल किया कि इतने लंबे समय (3 अगस्त तक) की जरूरत क्यों है, क्योंकि टीसीएस पहले से ही केंद्रों की जानकारी रखता है। कोर्ट ने कहा, आप प्रक्रिया में देरी कर रहे हैं। यह छात्रों के लिए अतिरिक्त दबाव बनाता है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि टीसीएस को केवल केंद्रों की उपलब्धता जांचनी है, न कि नए केंद्रों की तलाश करनी है।

एनबीई ने कहा कि वे परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करना चाहते। इस पर कोर्ट ने सहमति जताते हुए कहा कि वे भी यही चाहते हैं। अंत में एनबीई द्वारा दी गई दलीलों और दस्तावेजों को देखते हुए कोर्ट ने 3 अगस्त, 2025 को परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दे दी, लेकिन साफ कर दिया कि अब और समय नहीं दिया जाएगा।

चेतावनी | चमगादड़ों में मौजूद है यह वायरस, ऊंटों में तेजी से फैलकर म्यूटेशन की आशंका

चीन में मिला एक और खतरनाक वायरस एचकेयू-5, कोव-2

न्यूयॉर्क, बीजिंग, जेएनएन। कोरोना के बाद चीन में एक नया वायरस मिला है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि एचकेयू-5, कोव-2 नाम का यह वायरस इंसानों को संक्रमित कर सकता है। हालांकि, यह कोरोना जैसा खतरनाक नहीं होगा।

फिलहाल यह वायरस चमगादड़ों में पाया गया है, लेकिन एक छोटे से बदलाव (म्यूटेशन) के बाद यह इंसानों में फैल जाएगा। यह वायरस एमईआरएस (मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) से मिलता-जुलता है। एमईआरएस वायरस को भी सबसे पहले चीन के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों में चमगादड़ों में पाया गया था। इसे वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के शोधकर्ताओं ने पहचाना था। यह वही लैब है, जहां से कोविड-19 के लीक होने की आशंका जताई जाती है।

चीन के वैज्ञानिकों का दावा, इंसानों में फैलने का अभी कोई सबूत नहीं

उधर चीन ने कहा कि एचकेयू-5, कोव-2 अभी केवल चमगादड़ों में फैल रहा है और इंसानों में इसके फैलने का कोई सबूत नहीं है। हालांकि, चीनी विशेषज्ञों को डर है कि चीन में बेकाबू वन्यजीव व्यापार के कारण इसके फैलने का खतरा बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों ने स्यूडोवायरस (नकली वायरस) बनाकर प्रयोग किए, जिसमें एचकेयू-5 के स्पाइक प्रोटीन का उपयोग किया गया। ये प्रयोग दिखाते हैं कि यह वायरस चमगादड़ों की कोशिकाओं को आसानी से संक्रमित करता है और इंसानी कोशिकाओं में भी प्रवेश कर सकता है, अगर इसमें खास म्यूटेशन हो जाए तो। चमगादड़ और इंसानों के बीच केवल एक म्यूटेशन होने की देरी है। अगर यह वायरस चमगादड़ों से किसी और जानवर जैसे मिंक या सीवेट (जंगली बिलाव) तक पहुंचता है, तो इसमें म्यूटेशन होगा, जिसके बाद ये वायरस

इंसानों को संक्रमित करने में सक्षम हो जाएगा। विशेषज्ञों ने चीन के बाजारों से भी इस वायरस के इंसानों में फैलने का खतरा जताया है, क्योंकि इन बाजारों में जानवरों को खुले और गंदी परिस्थितियों में रखा जाता।

यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एशिया के सिंगापुर, हांगकांग, चीन, थाईलैंड और भारत में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि एचकेयू-5, कोव-2 का लाइनेज-2 टाइप इंसानों को संक्रमित करने में सक्षम है। यह चमगादड़ों से ऊंटों में फैल सकता है। फिर, ऊंटों के जरिए इंसानों में फैलता है। ऊंट इसके रिजरवायर (जहां निष्क्रिय वायरस रहते है) माने जाते हैं।

जानकारों ने दावा किया है कि इसकी मृत्यु दर लगभग 34 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। वॉशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एचकेयू-5 वायरस का अध्ययन किया और नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में अपने निष्कर्ष प्रकाशित किए। उन्होंने पाया कि एचकेयू-5, कोव-2 का एक टाइप, लाइनेज 2, पहले से ही इंसानी कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। वायरस के स्पाइक प्रोटीन में एक छोटा सा बदलाव उसे ह्यूमन एसीई-2 कोशिकाओं से जुड़ने में सक्षम बना सकता है, जो लोगों के गले, मुंह और नाक में पाए जाते हैं।

बैंक फ्राड केस के आरोपी विजय माल्या का दावा

मैं भगोड़ा नहीं, जेटली को बताकर आया था लंदन

नई दिल्ली, जेएनएन। शराब कारोबारी विजय माल्या एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने एक यूट्यूबर को एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें माल्या ने कई बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, जब मैं भारत छोड़ रहा था तब मैंने वित्त मंत्री (तत्कालीन) अरुण जेटली को बताया कि मैं लंदन जा रहा हूं। मुझे जेनेवा में एक मीटिंग में शामिल होना है। मैं वापस आऊंगा। कृपया बैंकों से कहें कि वे मेरे साथ बैठकर सेटलमेंट कर लें। माल्या ने कहा कि उन्होंने यह दावा कभी नहीं किया कि उन्होंने अरुण जेटली के साथ बैठकर मुलाकात की है। ये सब बातें उन्होंने संसद में चलते-फिरते हुई मुलाकात में कही थीं। इससे पहले साल 2018 में भी माल्या भारत छोड़ने से पहले अरुण जेटली से मिलने का दावा कर चुके हैं। हालांकि, उस वक्त अरुण जेटली ने उनके दावे को खारिज कर दिया था और कहा था कि माल्या ने उन्हें कुछ नहीं बताया।

निष्पक्ष सुनवाई हो तो भारत लौटने को तैयार

माल्या ने कहा, मैं कानूनी लड़ाई लड़ रहा हूं। निष्पक्ष सुनवाई मिले, तो भारत लौटने के लिए तैयार हूं। निष्पक्ष सुनवाई के बाद भी अगर जेल हो जाती है, तो इसे अपनी किस्मत मानूंगा। उन्होंने कहा-मैं चाहता हूं कि मुझे 1.75 लाख करोड़ का मार्केट कैप बनाने वाले मेहनती बिजनेसमैन के रूप में याद किया जाए, न कि चोर के रूप में। भारत में बिजनेस फेल होना फ्रॉड मान लिया जाता है।

खेत तालाब का निर्माण पूरा करने में अमरपाटन जनपद फिसड्डी

समीक्षा बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने जताई नाराजगी

जागरण, सतना। शुक्रवार को जिला पंचायत सीईओ संजना जैन आईएएस ने जनपद के अंतर्गत चल रहे कार्यों की सेक्टरवार एवं पंचायत वार समीक्षा कर दिशा निर्देश दिये है। बताया जाता है कि खेत तालाब निर्माण का जो लक्ष्य दिया गया था उसे पूरा करने में जनपद पंचायत अमरपाटन फिसड्डी साबित हो रहा है। जिसको लेकर जिला पंचायत सीईओ ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। ज्ञात हो की खेत तालाब का लक्ष्य 2085 के विरुद्ध 2032 कार्य प्रारंभ किए जा चुके है जिनमे से 183 कार्य भौतिक रूप से पूर्ण हो चुके है तथा अभी तक सर्वाधिक खेत तालाब पूर्ण करने वाली जनपद पंचायत नागौद में 66 कार्य व न्यूनतम अमरपाटन 01 है। **डगवेल निर्माण में उचेहरा व अमरपाटन की प्रगति न्यून :** डग बेल के कार्यों की जनपदवार समीक्षा की गई तो लक्ष्य 1000 उसके विरुद्ध 1122 कार्य प्रारंभ किए गए प्रारंभ कार्यों में से 340 कार्य अभी तक पूर्ण हो चुके है जिनमे मझगावां जनपद पंचायत में 76 कार्य सर्वाधिक रूप से पूर्ण हुए तथा न्यूनतम पूर्ण कार्य उचेहरा ,अमरपाटन 3,3,जनपद पंचायत में हुए है।और अमृत सरोवर के 24लक्ष्य में से 13 कार्य प्रगतिरत है |साथ ही सुश्री संजना जैन जी सीईओ जिला पंचायत ने यह भी दो टूक में निर्देश दिए कि तत्काल कार्यों को मिशन मूड में कार्य को गुणवत्तायुक्त सतत मॉनिटरिंग के साथ कार्यों को पूर्ण करावे, जल संवर्द्धन के कार्य करने की समय सीमा बहुत कम बची हुई है जो कि वर्षा पूर्व ही सभी कार्य पूर्ण किए जाना है।साथ ही यह निर्देश दिए गए कि पूर्व से प्रगतिरत ऐसे एन आर एम वर्क चिंहित करे जिनमें 75 प्रतिशत कार्यहो का व्यय हो चुका है।

तकनीकी अमले को दो दिन के अंदर ई-एमबी दुरस्त करने दी चेतावनी

ऐसे कार्यों का सहायक यंत्री उपयंत्री परीक्षण करे यदि कार्य किए जाने योग्य हो तो तत्काल कार्ययोजना बनाकर कार्यों को 15 दिवस में पूर्ण कराना सुनिश्चित करे।साथ ही ऐसे कार्य जिनमे 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा जिनमें भुगतान हो चुका है उन कार्यों के कार्य पूर्ण कराते हुए सीसी जारी करे और बिलों को तत्काल फीड करावे ईएमबी में चढ़ाए। सीईओ जिला पंचायत ने सभी तकनीकी अमले को दी चेतावनी 2 दिवस में समस्त बिल फीड करे व ई एमबी को कंप्लीट करें। उक्त गूगल मीट में सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन प्रभारी ईई आर ई एसएएजनपद सीईओ एजिला पंचायत का मनरेगा आमला एवं उपयंत्री शामिल रहे।

प्रांतीय जागरुकता संस्थान ने पर्यावरण कार्यक्रम का किया आयोजन

सतना। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य मे गंगा दशहरा के पावन अवसर में प्रांतीय जागरुकता संस्थान के तत्वाधान में जल तथा वन संरक्षण विषय पर आधारित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भरहुत नगर सतना में संपन्न हुआ शासन की मंसानुसार स्वच्छताए जल तथा वन पर्यावरण संरक्षण संवर्धन विषय पर प्रदेश भर में विविध जागरूकता घटक व कार्यवाही घटक की गतिविधियां संचालित की जावेगी उक्त अभियान में शासन की मनसा अनुरूप जल वन व जीवन बचाने की दिशा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सीडब्ल्यूसी की पूर्व सदस्य रेखा सिंह ,परिवर्तन विचार मंच के संस्थापक अरुण भारतीय, वरिष्ठ समाजसेवी रितु गौतम , जिला पंचायत सदस्य संतोष यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं एवं विषय विशेषज्ञ जिला विधिक अधिकारी सतना मोहम्मद जिलानी एवं अखिल भारतीय समाजवादी संघ के संस्थापक बी एल यादव निराला ,परिवर्तन विचार मंच के संस्थापक अरुण भारतीय व गुरु नारायण गौतम, शिवाकांत पांडे शिवम भारतीय, आलोक सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह,रितु गौतम, अभिषेक शुक्ला ,रेखा सिंह ने मानव जनित कारनो से दिनों दिन गिरते जल स्तर पर्यावरण की बिगड़ते हुए स्वरूप के प्रति चिंता जाहिर की।

कलेक्टर ने बांधी मौहार का किया भ्रमण

उचेहरा । विश्व पर्यावरण दिवस पर सतना कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जनपद की ग्राम पंचायत बांधी मौहर का भ्रमण किया इस दरमियान पंचायत में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण उपरांत गौशाला की व्यवस्था के साथ वहां के अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दियाए गौशाला परिषर में वृक्षारोपण करते उसके पीछे पड़ी वन भूमि की रिक्त जमीन पर पौध रोपण करने के भी निर्देश दिये इसके उपरांत गांव के विकास की रूपरेखा पर भी चर्चा की। इस मौके पर जिला पंचायत सी ई ओ संजना जैन के अलावा एस डी एमएतहसीलदार सहित जनपद सी ई ओ व जनपद के जिम्मेदार अधिकारियो ध्कर्मचारियों के अलावा पंचायत के सरपंच राम प्रसाद नागर एउप सरपंच शिब्बू सिंह एपूर्व सरपंच अमर सिंहएसचिव प्रमोद सिंहएरोजगार सहायक केण्पीपाल के अलावा वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों सहित ग्रामीण जन मौजूद रहे।

केजेएस सीमेंट में वृहद सामूहिक पौधरोपण

इस वर्ष बड़े स्तर पर पौधरोपण की तैयारी

जागरण, सतना। केजेएस सीमेंट मैहर के चेयरमैन पवन अहलूवालिया के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण किया गया और गुलमोहर, अमलतास, करंज,नीम व कदंब आदि के 101 पौधे रोपे गए । कार्यकारी निदेशक कर्नल रिटा नीरज वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए कहा कि केजेएस सीमेन्ट ने अपने प्रारंभ काल से ही पर्यावरण के संतुलन पर जोर दिया है । यही कारण है कि पूरा फैक्ट्री परिसर हरियाली से ओतप्रोत है । कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक केएस सिंघवी ने भी वृक्षारोपण समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में कर्नल नीरज वर्माए केएस सिंघवीए मानव संसाधन व प्रशासन विभाग के उपाध्यक्ष विकास रायजादा, प्रोजेक्ट हेड बीके ठाकुर, पर्यावरण विभाग प्रमुख डीके सिंह, ईएंडआई प्रमुख आर के नम्मी, मैकेनिकल हेड एकेएस चौहान, सेफ्टी हेड प्रमोद पयासी, क्वालिटी कंट्रोल प्रमुख ईश्वर साहू, पावर प्लांट प्रमुख वीरेन्द्र गौतमए लीगल विभाग के नवनीत ओझा, डॉ टीएस बघेलए एचआर प्रबंधक सतीश दुबे, सेक्योरिटी चीफचंद्रमणि द्विवेदी एवं जनसंपर्क अधिकारी निरंजन शर्मा ने एक.एक पौधा रोपा। उसके बाद सभी अधिकारियों.कर्मचारियों ने पौधे लगाए। कंपनी के हॉर्टिकल्चर विभाग के प्रमुख जितेन्द्र बागरी ने बताया कि इस वर्ष प्रबंधन के निर्देश पर फैक्ट्री परिसर के आसपास और माइंस एरिया में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण की तैयारी है।

जातीय जनगणना कराने का निर्णय लेकर पीएम मोदी ने इतिहास लिखने का काम किया : गणेश सिंह

जागरण, सतना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराए जाने का निर्णय लिए जाने पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा 6 जून को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला एवं जाति जनगणना पर केंद्रित संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में ओबीसी के चेयरमैन व सतना सांसद गणेश सिंह ने सहभागिता की। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद डॉ के लक्ष्मण भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मप्र सरकार में राज्य मंत्री कृष्णा गौरए ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहाए मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री करण सिंह वर्मा राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ . कनिष्ठ पदाधिकारियोंए भाजपा ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। ओबीसी चेयरमैन व सांसद गणेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातीय जनगणना कराने का निर्णय लेकर इतिहास लिखने का काम किया है। इससे अन्य पिछड़ा वर्ग व अति पिछड़े वर्ग के लोगों को अपनी सही संख्या पता चलेगी और उसी अनुपात में अधिकार पाने का अवसर मिलेगा।

पर्यावरण दिवस पर हुआ वृहद पौधरोपण

सतना। सान्दीपनि शा उत्कृष्ट रामपुर बाघेलान में 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राचार्य कमलेश सिंह बघेल द्वारा बरगद का पेड़ लगाया गया है।इस अवसर पर अविनाश चन्द्र श्रीवास्तव, प्रदीप तिवारी, शैलेन्द्र सिंह अमित कुमार तिवारी, दद्दाराम प्रजापति एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थे। इस संस्था का सीएम राइज विद्यालय में उन्नयन होने पर कमलेश सिंह बघेल की प्राचार्य पद पर पदस्थापना हुई। इनके द्वारा पर्यावरण पर ध्यान देते हुए जुलाई 2022 में ही नवग्रह वाटिका की स्थापना की गई। जिसमें ग्रहों की स्थिति एवं दिशा के अनुसार पौधों को रोपित किया गया। सूर्यदेव के प्रतीक के रूप में मदार चंद्रदेव का पलाश मंगलदेव का खैरए बुधदेव का अपामार्ग वृहस्पतिदेव का पीपलए शुक्र देव का गूलरए शनिदेव का शमीए राहुदेव का चंदन एवं केतुदेव के प्रतीक के रूप में अश्वगंधा का पौधा उनके दिशा के अनुसार रोपित किया गया है।इसके अलावा यहां पर रुद्राक्ष चंदन अपराजिता एवं मां सरस्वती हेतु विद्या के पौधों का रोपण किया गया है। साथ ही साथ इस वाटिका में मौसम अनुसार सीजनल पौधे लगाकर विद्यालय के पर्यावरण को मनोहारी बनाते हैं। यहां प्राचार्य कक्ष के ईशान कोण पर एक पूर्षी टंकी पर कमल के पौधों का रोपण किया गया है। जो समय समय पर खिल कर विद्यालय परिसर की सुंदरता को बढ़ाते हैं। इस नवग्रह वाटिका के स्थापना में प्राचार्य के साथ समस्त स्टाफका सराहनीय योगदान रहा।

आरसीसीपीएल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता

जागरण, सतना। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर एम पी बिरला ग्रुप हमेशा से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए सजग रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, मैहर यूनिट ने खदान क्षेत्र में 300 करंज के पौधों का रोपण किया। यह पहल यूनिट हेड पी के चौधरी के मार्गदर्शन में पूरी की गई और संयंत्र व खनन क्षेत्रों के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही संयंत्र के आसपास के ग्राम सलैया में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम की सरपंच, उप.सरपंच और किशोरी बालिकाएँ शामिल हुईं। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड मैहर एम पी बिरला ग्रुप के पर्यावरण विभाग ने जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए, प्लास्टिक का उपयोग बंद करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें अपनी आदतों में बदलाव लाकर घर से झोला लेकर निकलना चाहिए ताकि पॉलीथिन का उपयोग कम से कम हो। कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुख पर्यावरण विभाग और हार्टिकल्चर विभाग ने प्रतिभागियों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बीज गेंदों सीड बॉल्स को बनाने की विधि भी प्रदर्शित की जो हरियाली और जैव विविधता को बढ़ावा देने का एक स्थायी तरीका है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को इको.फ्रेंडली प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कपड़े के बैग वितरित किए गए।

अज्ञात शव की नहीं हुई शिनाख्त

सतना । रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाइवे नंबर 39 सतना.रीवा रोड पर स्थित बकना मंदिर के समीप सड़क किनारे एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद हुआ था। जिसमें कई दिनों तक वृद्ध की शिनाख्त न होने पर पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराकर शिनाख्त हेतु शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शवगृह में सुरक्षित रखा मगर किसी के द्वारा खोज खबर न लेने पर नगर परिषद रामपुर बघेलान एवं रामपुर बाघेलान पुलिस द्वारा अज्ञात शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया जिस किसी व्यक्ति को इस मृतक के संबंध में जानकारी हो तो रामपुर बघेलान थाने के 6263004186 पर संपर्क करके जानकारी प्राप्त कर सकते हैं मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष कद 5 फिट मृतक नहीं सफेद रंग का शर्ट और का स्थाई रंग का पेंट पहना हुआ था और उसके दाहिने कान एवं सर पर चोट के निशान थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का 350वां राज्याभिषेक दिवस मनाया गया

जागरण, सतना। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक पूर्ण विधि विधान के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल ट्रस्ट सतना में मयाना गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के छाया चित्र में माल्यार्पण कर उनको नमन किया। कार्यक्रम में राज्याभिषेक उपरांत विचार संगोष्ठी रखी गई। जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार प्रकट किए। मप्र कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष डॉ दुर्योधन सिंह ने अपने व्यक्तव्य मे कहा कि आज से साढ़े तीन सौ वर्ष पूर्व जब छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ थाए तो उसमें स्वराज्य की ललकार और राष्ट्रीयता की जय.जयकार समाहित थी। उन्होंने हमेशा भारत की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखा था। विक्रम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक मात्र 16 वर्ष की आयु में 6 जून 1674 में किया गया था। उन्हें जिस विकट परिस्थितियों में छत्रपति बनाया गया उन्होंने उसका बाखुबी पालन करते हुए भारतीय समाज में एक नई क्रांति लाई। जिप सदस्य ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने ना सिर्फ आक्रमणकारियों का मुकाबला किया बल्कि जनमानस में ये विश्वास भी पैदा किया कि स्वयं का राज संभव है। उन्होंने गुलामी की मानसिकता को खत्म कर लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। प्रियंक त्रिपाठी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का व्यक्तित्व अद्भुत था। उन्होंने स्वराज की भी स्थापना की और सुराज को भी साकार किया। कार्यक्रम में संयोजक विक्रम सिंह बिसेन छत्रपति शिवाजी महाराज शोभा यात्रा समिति, जिला पंचायत के सदस्य व सभापति ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, भारतीय दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य केके त्रिपाठी, मध्य प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिले के अध्यक्ष डॉ दुर्योधन सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीषा सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रियंक त्रिपाठी, विजय सिंह गहरवार, नितिन मिश्रा, सुग्रीव सिंह, अभिमन्यु सिंह, श्यामा प्रसाद लोकेश सिंह एवं अनिल सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर बच्चों ने देखा मुकुंदपुर की टाइगर सफारी

जागरण, सतना । पर्यावरण दिवस के अवसर पर बच्चों को पर्यावरण के विषय में जानकारी से अवगत कराने भारत इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल तपा रामपुर बाघेलान के डायरेक्टर श्रीमती पदमा सुनील सोनी एवं डायरेक्टर अभिषेक सोनी ने विद्यालय के बच्चों को मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर का भ्रमण कराया साथ ही वन्य औषधीय पौधों से भी अवगत कराते हुए उनके महत्व के विषय में बताया मुकुंदपुर भ्रमण के दौरान डायरेक्टर अभिषेक सोनी ने बच्चों को बताया कि हमारे प्रकृति का संतुलन वृक्षों की भीषण कटाई से बिगड़ रहा है अगर हम पौधरोपण करते हुए अधिक से अधिक वृक्षों के लगाने का काम करें तो पर्यावरण पहले की तरह फिर से ताजा हो जाएगा और अनेका नेक बीमारियां जड़ से खत्म हो जाएगी बच्चों के भ्रमण के दौरान विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती अंकुल कुलकर्णी के साथ विद्यालय स्टाफ एवम बच्चे उपस्थित रहे और प्रकृति की सुंदरता से अवगत हुए।

2 लाख 47 हजार 274 लोगों को खिलाई गई एमडीए की दवा

सतना 1 जून 2025 से 6 जून 2025 तक चलने वाले फेकल एमडीए कार्यक्रम में पांचवें दिन की रिपोर्ट प्राप्त होने तक 347800 में से 247274 लोगों को दवाई खिलाई गई है यह आंकड़ा लक्ष्य के अनुरूप 71 प्रतिशत है इस आंकड़े को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम को एक सप्ताह है और आगे चलने का निर्णय लिया गया है इस संबंध में समस्त बीएमओ एवं शहरी क्षेत्र के कार्यक्रम का कार्यक्रम कर्ताओं को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं लक्ष्य प्राप्ति तक यह कार्यक्रम अगले एक सप्ताह तक चलेगा।

रामपुर बघेलान थाने में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

जागरण, सतना। बकरीद के त्यौहार को सौहार्द एवं शांतिपूर्वक ढंग से मनाने रामपुर बघेलान थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी ने शांति समिति की बैठक आयोजित की जिसमें इस्लाम समुदाय के लोगों को बैठक में आमंत्रित कर उनसे त्यौहार मनाने के विषय में संपूर्ण चर्चा की आयोजित बैठक में विधायक प्रतिनिधि विद्याधर तिवारी बेला चौकी प्रभारी इंदबली सिंह रामबन चौकी प्रभारी लवकुश मिश्रा मोहम्मदशाह मोहम्मद असगर खान विनय कुमार दुबे मो बरकत अली असगर खान समीर खान मो अबीर आरिफ खान एस आई कुंज मणि मिश्रा सरपंच सुधाकर शर्मा सुरेंद्र बागरी अनूप मिश्रा प्रवीण तिवारी जितेंद्र पांडेय गिरजानंदन तिवारी संदीप पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिंदूर का पौधा किया भेंट

सतना। हिंदू पर्व समन्वय समिति के संयोजन समिति के सदस्य योगेश ताम्रकार को पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने पर समिति के पर्यावरण आयोजन के कार्यकर्ता डॉ कृपाली एवं डॉ विशाल रैकवार सहित अनिल शर्मा इंजीनियर राकेश रैकवार द्वारा उन्हें प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए सिंदूर का पौधा भेंट किया। इस मौके पर मसपरि योगेश ताम्रकार ने पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को जन.जन का अभियान बनाने का संकल्प दोहराया।

स्थानीय परिवाद समिति का होगा गठन

जागरण, सतना। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन के तहत स्थानीय परिवाद समिति का गठन किया जाना है जिसके लिए अशासकीय सदस्यों का चयन हेतु पात्रता निर्धारित की गई है ।

ये होनी चाहिए पात्रता : सामाजिक कार्य के क्षेत्र में प्रसिद्ध और महिलाओं की समस्याओं के प्रति प्रतिबद्ध महिला को अध्यक्ष नामांकित किया जायेगा । जिले में विकासखण्ड तहसील वार्ड अथवा नगरपालिका में कार्यरत महिलाओं में से एक को सदस्य के रूप में नामांकित किया जायेगा । दो सदस्य जिसमें से कम से कम एक सदस्य महिला होगी जो महिलाओं की समस्या के प्रति प्रतिबद्ध ऐसे गैर सरकारी संगठनों या संगमों में से नामांकित की जाएगी या लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से सुपरिचित कोई व्यक्ति । परन्तु इनमें से किसी एक के पास विधि की पृष्ठ भूमि या विधिक ज्ञान हो। कम से कम एक सदस्य अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों या केन्द्रीय सरकार द्वारा समय.समय पर अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय की महिला होगी । स्थानीय परिवाद समिति के सदस्यों की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिये होगी । इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र कार्यालय जिला बाल संरक्षण ईकाई कन्या धवारी स्कूल के पास जवाहर नगर सतना में कार्यालयीन दिवसों 11 से 4 बजे तक समाचार प्रकाशित होने के 3 दिवस के अन्दर जमा करना सुनिश्चित करें ।

धरती आबा: जागरुकता और लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन 15 से 30 जून तक

जागरण, सतना। जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 जून से 30 जून 2025 तक जिले के चिन्हित जनजातीय ग्रामों में धरती आबा जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जायेगा। अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह ने बताया कि अभियान में शिविरों के माध्यम से आधारकार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, पीएम किसान, जनधन खाता, के वितरण के साथ ही शिविर के माध्यम से सिकल सेल रोग और उसके परीक्षण के बारे में आमजनता को जागरूक किया जाय।

जिला स्तरीय समिति के समक्ष खोले जाएंगे आवेदन

सतना। रजिस्टार महिला एवं बाल विकास के अधीन सतना जिले की 10 बाल विकास परियोजनाओं में स्थित आधार मशीनों के संचालन हेतु प्रत्येक परियोजना में 2 आपरेटर्स के मान से कुल 20 ऑपरेटर्स चयन किये जाने हैं इच्छुक आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास सतना में सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के भीतर कार्यालयीन दिवसों में आवेदन शुल्क 100 रुपये जमा कर आवेदन प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों को जिला स्तरीय समिति के समक्ष खोला जाकर चयन की कार्यवाही की जायेगी।

अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने तैयारी बैठक 9 जून को

सतना। जिले में आगामी वर्षा ऋतु में अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी संबंधी बैठक 9 जून को प्रातः 10.30 बजे संयुक्त कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

CHANGE OF NAME

NO 15150241X HAV ANIL KUMAR PATEL Declare that my SON old name was UTKRASH PATEL his new & Correct name is UTKARSH PATEL as per affidavit UID AG 603351 dated 05/05/2025

CHANGE OF NAME

I NO. 14664429K Rank NK name HAMIDUR RAHMAN (Exiting Name of the Army veteran as per the Service Documents) resident of VILLAGE TURKHA WARD NO. 01 POST BIRSINGHPUR TEHSIL BIRSINGHPUR DISTT SATNA M.P. PINCODE 485226 (Address) have changed my son Name from ABDUL HMD (Existing Name of son as per Por/ Service Documents) to ABDUL HAMD (proposed/ adopted New Name) vide Affidavit dated 06.06.2025 (date of the affidavit in DD/MM/YYYY format) before SATNA (Name and Place of the Court)

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 07 जून 2025 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सूर्य उदय - अस्त
06.47 अस्त : आज
05.13 उदय : कल

शहर का तापमान
35.0 ⁰ अधिकतम
24.0 ⁰ न्यूनतम

तीन गांवों में मिला तांबा का भंडार, सर्वे कार्य शुरू

जागरण खनिज

सुकवारी,बघवारी, छिरौंही खिरखोरी में तांबा की मात्रा के लिए सर्वे प्रारंभ

324 हे. में तांबे की तीन ब्लॉकों का मिला सेंशन

जागरण, सीधी

जिला मुख्यालय के समीपी सुकवारी, बघवारी, छिरौंही, खिरखोरी में तांबा का भंडार मिलने के बाद सर्वे का कार्य भी काफी तेजी के साथ शुरू हो चुका है। भू-वैज्ञानिकों की देख-रेख में यहां भूमि के अंदर ड्रिलिंग कर यह जानकारी एकत्र की जा रही है कि यहां तांबे की कितनी मात्रा मौजूद है। चर्चा के दौरान सर्वे में लगी टीम का कहना था कि 324 हे. क्षेत्र में तांबे की तीन ब्लॉकों का सेंशन सरकार से मिला है। इसके बाद यहां तांबा की मौजूदगी कितनी है इसको लेकर सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि तांबा यहां कि कितनी भूमि में मौजूद है। तांबा की मात्रा जमीन में कितने नीचे तक उपलब्ध है। तांबा की खदान शुरू करने पर यहां से कितना मुनाफा हो सकता है इसकी जानकारी एकत्र की जा रही है। सर्वे टीम द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में ड्रिलिंग कर यह जानकारी जुटाई जा रही है कि भूमि की कितनी गहराई में तांबा की मौजूदगी है और उसकी मात्रा कितनी है। तांबा की कीमत काफी ज्यादा होने और उसकी उपयोगिता कई कार्यों में काफी आवश्यक होने के कारण मांग काफी ज्यादा है। इसी वजह से सरकार द्वारा इस क्षेत्र में तांबा की मौजूदगी के संबंध में पूरा विवरण जुटाया जा रहा है। वहीं जानकारों का कहना है कि किसी भी क्षेत्र में खदान शुरू करने का निर्णय तभी लिया जाता है जब वहां खर्च से ज्यादा आमदनी हो। यदि सर्वे के दौरान तांबा बहुलता में इन क्षेत्रों में मौजूद है तो यहां निश्चित ही आने वाले समय में तांबा की खदानें शुरू हो सकती हैं। खदान शुरू करने के लिए सरकार द्वारा निजी क्षेत्र के साथ भी अनुबंध किया जा सकता है। बहरहाल तांबा की मौजूदगी की खबर फैलते ही उक्त क्षेत्रों के भूमि स्वामियों में काफी खुशी की लहर देखी जा रही है। इसके साथ ही आसपास के लोगों द्वारा खाली पड़ी शासकीय भूमि में भी कब्जा करने का प्रयास शुरू कर दिया गया है। वहीं कुछ लोग तो तांबा भंडार की जानकारी मिलते ही इन क्षेत्रों में जमीन की खरीद-फरोख्त के लिए भी अपनी सक्रियता तेज किए हुए हैं। इन क्षेत्रों में तांबा खदान को लेकर सर्वे रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्यवाही तय होगी। इसी वजह से अभी केवल तांबा खदान के लिए सर्वे कार्य ही अधिकारी मान रहे हैं।

> ग्राम बघवारी, सुकवारी, छिरौंही, खिरखोरी के 324 हे. में तांबे की तीन ब्लॉकों के सेंशन मिले हैं। सर्वे एवं सीमांकन कार्य किया गया है। उक्त क्षेत्रों में सर्वे टीमों द्वारा आकर सर्वे का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार आगे शासन द्वारा निर्णय लिया जाएगा।
>
> **स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर सीधी**

सर्वे से तय होगा तांबा खदान का भविष्य

जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर तहसील गोपद बनास के सुकवारी, बघवारी, छिरौंहीं, खिरखोरी तक तांबा की मौजूदगी का पता चलने के बाद शासन के आदेश पर टीमों द्वारा मौके पर मशीनों के माध्यम से सर्वे का काम किया जा रहा है। तांबा खदान के सर्वे के दौरान तांबे के भंडारण की खोज और मूल्यांकन के साथ ही भू-वैज्ञानिक जांच, नमूनाकरण और भू-वैज्ञानिक मानचित्र शामिल होता है। यह प्रक्रिया तांबा खदानों की क्षमता, वितरण और विशेषताओं पर पता करने में मदद करती है। तांबा खदान सर्वे के दौरान भू-वैज्ञानिक काफी बारीकी के साथ तांबा के संभावित भंडार क्षेत्रों की जांच करते हैं। वहीं विभिन्न भू-वैज्ञानिक संरचनाओं और भू-वैज्ञानिक मानचित्रों का विश्लेषण करते हैं। इसके बाद वे तांबा अयस्क की सान्द्रता का पता लगाने के लिए नमूने लेते हैं और खदानों की क्षमता और गुणवत्ता का मूल्यांकन करते हैं। सर्वे के दौरान यदि यह जानकारी सामने आती है कि यहां के खदानों में तांबा की प्रचुर मात्रा उपलब्ध है। उसकी गुणवत्ता काफी अच्छी है। यहां खदान का संचालन करना घाटे का सौदा नहीं है तो आगामी दिनों में सरकार द्वारा यहां तांबा खदानों का संचालन शुरू कराने के लिए सभी आवश्यक पहल शुरू करेगी। सर्वे पर ही यहां के तांबा खदानों का भविष्य टिका हुआ है।

> बघवारी, सुकवारी, छिरौंही, खिरखोरी क्षेत्र में सर्वे का कार्य हो चुका है। यहां सर्वे में यह पता किया जा रहा है कि कितनी मात्रा में तांबा का भंडार मौजूद है। यहां मौजूद तांबा की गुणवत्ता क्या है यह जानकारी सामने आने के बाद शासन द्वारा आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी।
>
> **शिशिर यादव प्रभारी खनिज अधिकारी सीधी**

वन भूमि के सीमाकंन में घट रही बेशकीमती वन भूमि

जागरण, सीधी। जिले में सीमांकन के कार्य में वन भूमि का क्षेत्रफल लगातार कमतर होता जा रहा है। वन एवं राजस्व तथा निजी भूमि स्वामियों के बीच सीमा विवाद को लेकर आने वाले शिकायतों में वन विभाग के मानचित्रकार एवं प्राइवेट सर्वेयर द्वारा निजी भूमि स्वामियों से सांठगांठ कर वन भूमियों का बंदरबाट किया जा रहा है। दरअसल जिले में संचालित क्रेशर अधिकांश वन सीमा से लगें हुए हैं, जिसकी एनओसी में अड़चन न आए इसके लिए मानचित्रकार एवं प्राइवेट सर्वेयर द्वारा क्रेशर संचालकों से मोटी रकम लेकर वन सीमा को दूर दिखा कर अच्छी खासी रकम ऐंठी जा रही है। इस पूरे खेल में राजस्व विभाग का मैदानी अमला भी शामिल है। लेकिन इसका मास्टर माइंड मानचित्रकार एवं प्राइवेट सर्वेयर को कहा जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले में होने वाली सौदेबाजी की राशि शहर में संचालित एक कंप्यूटर दुकान में आती हैं। जहां से लेनदेन किया जाता है। बतादें कि वन मंडल कार्यालय सीधी में पदस्थ मानचित्रकार का प्रमोशन वन परिक्षेत्र अधिकारी के पद पर गत वर्ष हुआ था, जिसके बाद उनका तबादला सीधी वन मंडल कार्यालय से सिंगरौली वन मंडल के लिए किया गया था लेकिन वन भूमि पर गिद्घी दृष्टि लगाए बैठें ज्ञानेंद्र पाण्डेय का सीधी से मोहभंग नहीं हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि अगर यह सीधी कार्यालय से मुक्त हो जाए तो वन भूमि की लूट थम सकती हैं।

मोदी समर्पण एवं निष्ठा के साथ कर रहे कार्यः डॉ. राजेश

जागरण, सीधी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष विकसित भारत, सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं अमृतकाल के स्वर्णिम अध्याय के लिए जाना जाएगा। देश आज विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में सशक्त और समृद्धशाली ताकत के रूप में खड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में देश जहां एक ओर विरासत को संभालते हुए आगे बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर विश्व मान बिंदु पर शिखर पर उभर रहा है। उक्त आशय के विचार बतौर मुख्य अतिथि लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित एवं भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय की विशिष्ट उपस्थिति में मोदी सरकार के 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि तक आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को जनता जनार्दन तक पहुंचना है। सांसद डॉ. मिश्रा ने प्रमुख कार्यक्रमों का बखान करते हुए कहा कि अब तक देश में 4 करोड़ गरीब लोगों को पक्के मकान, 10 करोड़ से अधिक बहनों को उज्ज्वल के अंतर्गत रसोई गैस कनेक्शन, 50 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड योजना के अंतर्गत निःशुल्क इलाज, किसी गरीब की थाली खाली ना रहे गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत 80 करोड़ से अधिक लोगों को निशुल्क खाद्यान्नए 5 करोड़ से अधिक लोगों को बिजली कनेक्शन, 5 करोड़ से अधिक घरों में शौचालय, 12 करोड़ से अधिक लोगों के घरों में टोटी वाले नल जल योजना, 10 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, 12 लाख तक इनकम टैक्स सीमा में छूट, 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर हुए जैसी आदि सैकड़ो योजनाओं का विस्तार से बखान किया।

कानून एवं व्यवस्था के लिए लगाई गई ड्यूटी

जागरण, सीधी। अपर जिला दण्डाधिकारी ने आदेश जारी कर ईदुज्जुहा का त्यौहार शांतिपूर्वक मनाये जाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी थाना क्षेत्र के लिये लगाई है। जारी आदेशानुसार डॉ. सुदामा प्रसाद कोल प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोपद बनास सीधी की ड्यूटी थाना जमोड़ी में, तीरथ प्रसाद अक्षरिया प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तह. गोपद बनास सीधी की ड्यूटी थाना कोतवाली सीधी में, इन्द्रभान सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील बहरी सीधी की ड्यूटी थाना बहरी सहित अन्य स्थानों में ड्यूटी लगाई गई।

मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

जागरण, सीधी। जिला मलेरिया अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि विगत वर्षो की भॉति इस वर्ष भी जून माह को मलेरिया निरोधक माह 2025 के रूप मे मनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे द्वारा मलेरिया रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया है। मलेरिया रथ जिले के विभिन्न विकासखण्डो मे मलेरिया प्रभावित क्षेत्रो मे भ्रमण करेगा एवं जनमानस को मलेरिया रोग से बचाव आदि के संबध मे जानकारी प्रदान करेगा। मलेरिया रथ मे मलेरिया मरीजों के जांच एवं उपचार की व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर हरिओम सिंह जिला मलेरिया अधिकारी सीधी, पुष्पेन्द्र शुक्ला जिला कार्यक्रम प्रबंधक, डॉ. ज्ञानेन्द्र पाठक जिला मलेरिया सलाहकार, नरेन्द्र पटेल डीसीएम एवं मलेरिया टेक्नीकल सुपरवाईजर एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय में अधिवक्ताओं द्वारा किया गया पौधरोपण

जागरण, सीधी। जिला न्यायालय परिसर सीधी में युवा अधिवक्ताओं द्वारा आज दिनांक 5 जून 2025 को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया इस शुभ अवसर पर राकेश चतुर्वेदी, मो. युनुस सिद्दकी, विद्या मिश्रा सचिव, कृष्ण शरण शुक्ल, अनिल शुक्ल, सतीश यादव, कृष्ण पाल शर्मा, रमेश तिवारी, अरविंद मिश्रा, नीरज मिश्रा, प्रदीप सोनी, अजीत रजक, श्रवण द्विवेदी, राकेश प्रताप सिंह, रामशरण द्विवेदी, प्रकाश मिश्रा, विश्वविद्यालय गुप्ता, राजपति गुप्ता, राकेश गुप्ता सहित अन्य सम्मानित अधिवक्तागण मौजूद रहे।

सीधी सीमेंट बघवार में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

जागरण, सीधी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीधी सीमेंट बघवार इकाई में प्लास्टिक प्रदूषण को हटाना विषय पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण विभाग रीवा के सहायक यंत्री एमपी तिवारी एवं इकाई प्रमुख बीपी सग्गू के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह का उद्देश्य बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग तथा प्लास्टिक कचरे से हो रहे पर्यावरणीय क्षरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और वृक्षारोपण के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण विभाग, रीवा के सहायक यंत्री एमपी तिवारी रेलवे अधिकारी रमेश सिंह, दादिबाल पटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट सीधी-बघवार के पर्यावरण अधिकारी रामाशंकर शुक्ल, सीएसआर प्रमुख पार्थ सारथी मंडल तथा टीम के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। टीम ने दो स्थलों पर सामूहिक वृक्षारोपण किया। पहला कार्यक्रम बघवार रेलवे स्टेशन परिसर में तथा दूसरा कापुरी कोठार-भरतपुर तालाब के निकट ग्रामीणों की सहायता से सम्पन्न हुआ। स्थानीय ग्रामवासियों को लगाए गए पौधों की देख-रेख एवं संरक्षण का दायित्व सौंपते हुए हर पौधा-एक परिवार का संदेश दिया गया।

जिला हॉस्पिटल में मनमर्जी डॉक्टरों से बेहाल जनताः विवेक

जागरण, सीधी। शिवसेना ने जिला अस्पताल की अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ तीखा विरोध दर्ज कराया है। शिवसेना इकाई ने जिला कलेक्टर के नाम जिला सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपते हुए अस्पताल की गंभीर समस्याओं को लेकर चेतावनी दी है। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने बताया कि जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जिम्मेदार डॉक्टर समय पर ड्यूटी पर नहीं रहते, जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई डॉक्टर हफ्तों तक नदारद रहते हैं, जिससे गंभीर मरीज बेमौत मरने को मजबूर हैं। विवेक पाण्डेय ने आरोप लगाया कि अस्पताल में अनुभवहीन नर्सें तानाशाही रवैया अपनाते हुए मरीजों व गर्भवती महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार कर रही हैं। डिलीवरी व ऑपरेशन के नाम पर नर्सें अवैध वसूली कर रही हैं और गरीब मरीजों को ब्लैकमेल कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल के अंदर और बाहर अवैध वसूली का जाल फैला हुआ है, जहां गरीब जनता को शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। खासतौर पर अस्पताल की नई बिल्डिंग में जहां गर्भवती महिलाओं का इलाज होता है, वहां लगातार पीड़ित परिवारों की शिकायतें मिल रही हैं। इतना ही नहीं अस्पताल में गंदगी का आलम यह है कि सफाईकर्मी भी परेशान हैं। जगह-जगह थूकना, पीक करना और कचरा फैलाना आम बात हो गई है, जिससे सफाई कर्मियों को भी काम करने में दिक्कत हो रही है। शिवसेना ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अस्पताल की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस बीच प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल उर्फभोले, जिला सहसचिव विक्रम सिंह चौहान, सीधी विधानसभा कोषाध्यक्ष लाला वर्मा, नगर सहसायोजक राजन मिश्रा, सहित अन्य शिवसैनीक मौजूद रहे।

शशि वेलफेयर सोसाइटी ने किया पौधरोपण

जागरण, सीधी। शशि वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ज्योत्सना पब्लिक सेकेंडरी स्कूल हड़बड़ो के प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया जिसमें समित के सदस्यों के द्वारा नींबू कटहल आम एवं वाला के पौधे लगाए गए। साथ ही दीनदयाल अंत्योदय रसोई सीधी में गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई। समिति की सचिव डॉ श्वेता सिंह द्वारा कहा गया कि समिति के द्वारा वृक्षारोपण का कार्य प्रतिवर्ष अलग.अलग जगह पर वृक्षों की वृद्धि हेतु यह कार्य किया जाता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रंजना सिंह अर्चना सिंह प्रशांत सिंह बघेल आरती सिंह राजभान जायसवाल सोनिया केवट रजनीश प्रसाद तिवारी एवं विकास नामदेव उपस्थित रहे।

8 से चलेगा राज्यव्यापी सड़क निरीक्षण अभियान

20 जून तक होगा सड़कों के मरम्मत का कार्य

जागरण, सीधी

आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए 8 से 10 जून तक राज्यव्यापी सड़क निरीक्षण अभियान चलेगा। इसमें सभी अभियंता सड़कों की स्थिति, जल भराव, गड्ढों और रख-रखाव की जरूरतों का आंकलन करेंगे। रिपोर्ट 11 जून तक ऑनलाईन पोर्टल पर प्रस्तुत की जाएगी और आवश्यक मरम्मत कार्य 20 जून तक पूर्ण कर लिए जाएंगे। यह बातें लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विभाग के पर्यावरण हितैषी नवाचार एवं ग्रीन टेक्नालाजीस पर केंद्रित कार्यशाला पर्यावरण से समन्वय के दौरान कही। श्री सिंह ने कहा कि लोक पथ मोबाइल ऐप पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समय-सीमा वर्तमान में 7 दिवस निर्धारित की गई है जो कि विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तय की गई है। हालांकि सामान्य परिस्थितियों में मरम्मत कार्य अधिकतम तीन दिवस में पूरा किया जाना अपेक्षित है। उन्होने कहा कि सड़कें गड्ढा मुक्त रहे और मानसून के समय कोई बाधा न आए यह विभाग की प्राथमिकता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के मुख्यालय भोपाल में आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक निर्माणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीकों के उपयोग और पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यप्रणाली में प्राथमिकता के रूप में शामिल करेगा। उन्होंने विभाग की पर्यावरणीय सोच और भविष्य की कार्यनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग है। कार्यशाला में सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव एवं तकनीकी सलाहकार आरके मेहरा, प्रमुख अभियंता केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता एसआर बघेल, भवन विकास निगम के प्रमुख अभियंता अनिल श्रीवास्तव, सभी मुख्य अभियंता और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परिक्षेत्र स्तर पर सभी विभागीय इंजीनियर उपस्थित थे। इस प्रकार कार्यशाला में कुल 1141 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण केवल एक नारा नहीं बल्कि विभाग की बुनियादी कार्यनीति है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण

जागरण, सीधी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज द्वारा जनपद पंचायत मझौली की विभिन्न ग्राम पंचायतों का आकस्मिक भ्रमण किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत टिकरी, कंजवार एवं खजुरिहा के भ्रमण के दौरान मनरेगा योजनांतर्गत स्वीकृत विभिन्न कार्यों यथा प्लांटेशन, गौ शाला, सी एन जी एवं खेत तालाब आदि निर्माण कार्यों का निरिक्षण करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान तथा ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर जनपद पंचायत मझौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा, सहायक यंत्री श्रीमती सरिता सिंह, प्रभारी एपीओ अरविन्द तिवारी, क्षेत्रीय उपयंत्री सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

RUKMINI RISING STAR HIGH SCHOOL SIDHI

Admission open for session 2025-26 NUR. TO 10TH

Sr.	Subject	No of vacancy
1.	Math	01
2.	Social science	01
3.	English	01
4.	Computer	01
5.	Sanskrit	01

Address:- Infront of Ramagovind palace Collage Stadium Road North Karaundiya sidhi
Mob. No.- 7024967935, 6264798158, 7898612068

RAISBEAN CITY HIGH SCHOOL PADRA

Medium:- Hindi/English

TEACHERS REQUIRED

ADMISSION OPEN 2025-26

Sr.	Subject	Qualification	vacant seat
1.	Mathematics	M.Sc., B.Ed.	2 POST
2.	English	M.A., B.Ed.	2 POST
3.	Social science	M.A., B.Ed.	1 POST
4.	Science	M.Sc., B.Ed.	2 POST
5.	Physical Education	BPED with sound English	1 POST
6.	Music and Dance teacher	___	1 POST
7.	Computer Teacher	CPCT & PGDCA	1 POST

Walk in interview - 15/06/2025, Time 11am to 1 pm

Add- Nh. 39 Rewa Singrauli By Pass Road padra Sidhi (M.P.)
E-mail:- rchspadra@gmail.com
Contact No.:- 9752847634, 6267295254, 6261514926

Our Special Features
* Trained and Qualified staff.
* Big play Ground.
* Computer Lab.
* Music art and yoga, Dance Class
* Big Library.
* Full Emphasis on Spoken Class
* Teaching through digital smart board Audio vedio and play way method of teaching.
* Well Maintained and safe Transport Facility.

Fully secured and CCTV Sureillance campus

EXIDE

EXIDE TUBULAR बैट्री के साथ इन्वर्टर+ट्राली फ्री*

अधि.- प्रज्ञा बैट्री सीधी - 9424641175 बैढ़न- 7415741556

प्रयाग बैट्री रीवा पुराना बस स्टैण्ड के पास रीवा - 9424641172, 7879263443

प्रकृति का मत करो शोषण, इससे होता हमारा पोषण: बहन जी

जीवन में होगी खुशहाली प्रकृति की करो रखवाली सात्विक जीवन शैली अपनाये छोटी-छोटी बातों का परिवर्तन करें : डीएफओ पन्ना

पन्ना। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारी विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बहन जी ने पर्यावरण दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि हमारी जीवन शैली सदा ही पर्यावरण मित्र शैली रही जो कि पर्यावरण संरक्षण का कार्य स्वतः करती है, परंतु वर्तमान समय में हम प्रकृति से बहुत दूर चले गए हैं और प्रकृति तथा आध्यात्मिक का समन्वय भी बिगड़ गया है जिसके फल स्वरुप प्रकृति के पांच तत्वों का विध्वंसक रूप भी देखने को मिल रहा है प्रकृति यह संदेश दे रही है कि अब यह जागने का समय है प्रकृति के साथ संबंध जोड़कर उसे देव तुल्य मानने की परंपरा को आधुनिक युग में जीवित रखने की अति आवश्यकता है, आगे आपने कहा है कि हम सभी जानते हैं एक बाहर की प्रकृति और एक मनुष्य के अंदर की प्रकृति होती है हमेशा यह देखा गया कि मनुष्य की आंतरिक प्रकृति का प्रभाव बाहर की प्रकृति पर भी पड़ता है इसलिए आवश्यकता है कि हम आंतरिक प्रकृति को सही करे ताकि हम बाहर की प्रकृति को भी ठीक रख सके, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुपम शर्मा जी डीएफओ पन्ना अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने जीवन शैली में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके पर्यावरण को शुद्ध बना सकते हैं जैसे, मार्केट जाते समय कपड़े के बेग का उपयोग यदि बहुत कम दूरी पर जाना है तो पैदल जाएं कचरे को यथा स्थान पर ही डालें। अंत मे सभी ने प्रकृति को शुद्ध सात्विक बनाने की प्रतिज्ञा की बहन जी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सिर्फ पेड़ लगाना ही नहीं है लेकिन पेड़ों की बच्चों की तरह संभाल भी करनी है, प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली अपनाये, पानी बिजली बचाकर स्वच्छ भारत बनाएंगे भारतीय संस्कृति को बचाएंगे आदि अनेक प्रतिज्ञा की कार्यक्रम में श्रीमती निशा जैन एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण किया गया।

चिल्ड्रन पार्क में हुआ पौधरोपण, जुटा जनसहयोग

अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता और पारुल जैन ने दी पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा

पन्ना। देवेंद्रनगर विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद द्वारा चिल्ड्रन पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिवांगी ललित गुप्ता ने किया, जिनके साथ ष्टस्ल्ह के. के. तिवारी, पार्षदगण एम. एस. बुंदेला, सपना यादव, अब्दुल समी, अशोक कुशवाहा, सोनेलाल बर्मा, रामेश्वर गुप्ता, ललित गुप्ता, विवेक खरे, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर प्रगिता हैं, नगर परिषद कर्मचारी और नागरिक उपस्थित रहे। पौधारोपण में मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की तहसील अध्यक्ष श्रीमती पारुल जैन व अन्य महिला सदस्य भी सक्रिय रहीं। सभी ने मिलकर चिल्ड्रन पार्क परिसर में विविध पौधे लगाए और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता कहा कि हर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखरेख भी करे। यह भविष्य की पीढ़ियों को देने वाला सबसे सुंदर उपहार होगा। वहीं समाजसेविका पारुल जैन ने महिलाओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि जिस ममता से हम बच्चों को पालते हैं, उसी भावना से पौधों को भी सींचें। हर आंगन में एक पौधा हो, यही हमारी सच्ची भागीदारी होगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने वृक्षों की देखभाल का संकल्प लिया और हरियाली के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का भरोसा जताया।

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T क्र 10 (E.T)/ निर्माण/ न.पा.नि/2025-26 — सतना दिनांक 04.06.2025

//निविदा आमंत्रण सूचना//

नगर पालिक निगम सतना द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा क्र व जारी दिनांक	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	वार्ड क्र	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की समयावधि
1	10/01 04.06.2025	2025_UAD _428768_1	नाली निर्माण विभिन्न स्थानों में	16	36,93,750/-	50,000/-	5000/-	04 माह
2	10/02 04.06.2025	2025_UAD _428770_1	नाली, पुलिया व नाला कवर विभिन्न स्थानों में	21	24,80,922/-	49,700/-	5000/-	04 माह
3	10/03 04.06.2025	2025_UAD _428772_1	मरम्मत कार्य मछली मार्केट नजीराबाद	38	12,48,820/-	25,000/-	2000/-	03 माह
4	10/04 04.06.2025	2025_UAD _428773_1	रैन वॉटर हार्वेस्टिंग निर्माण स्थानों में	1 to 45	15,50,900/-	31001/-	2000/-	01 माह

शर्ते :- 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 05.06.2025 समय 15:30 से दिनांक 05.07.2025 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन आनलाइन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम सतना म.प्र.

अमिलई नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता का रंगारंग हुआ समापन

जागरण, सीधी। जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमिलई में विगत दिनों अमिलई नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-3 का रंगारंग समारोह के साथ फाइनल मैच का आयोजन ज्ञान सिंह जिला अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी सीधी, राजेन्द्र सिंह भदौरिया, ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री विधायक प्रतिनिधि चुरहट विधानसभा क्षेत्र, वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश पाण्डेय, श्रीमती सीमा पाण्डेय जनपद सदस्य भरतपुर, सुधीर कुमार सिंह मंडलम अध्यक्ष, दिलीप पाण्डेय आदि की उपस्थिति में रामनगर और टेगना के बीच खेला गया। जिसमें सिंह क्लब टेगना ने एक तरफा मुकाबले में रामनगर को हरा कर विजेता बनी। प्रतियोगिता के विजेता टीम को नगद 25 हजार का पुरूस्कार श्रीमती सीमा पाण्डेय जनपद सदस्य भरतपुर एवं उप विजेता टीम को ज्ञान सिंह ने 15 हजार के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री के द्वारा विजेता एवं उप विजेता टीम को ट्राफी व अन्य सम्मान सामाग्री प्रदान की गई। पंकज मिश्रा को उनकी बेहतरीन पारी के लिए मैन ऑफ द मैच और 1100 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। मैन ऑफ द टूर्नामेंट अशीष शर्मा को 2100 सौ, बेस्ट बैट्समैन-सूरज जाधव, बेस्ट बॉलर चित्रांश कुशवाहा, बेस्ट फील्डर सीताशरण मिश्रा आदि को पुरष्कृत किया गया। अमिलई नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कराने में अमिलई यूथ क्लब के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा है। उक्त प्रतियोगिता के फाइनल मैच में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी सौम्य पाण्डेय और राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय के शिरकत करने से खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में काफी उत्साह देखने को मिला। अमिलई यूथ क्लब के सभी मेंबर का धन्यवाद किया गया, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सफल बनाया। वहीं संयोजकों और सहयोगियों का धन्यवाद किया जिन्होंने इस कार्यक्रम को आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद किया गया जिन्होंने अपनी उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने यादगार बनाने में लोगों की उपस्थिति और भागीदारी के लिए धन्यवाद किया गया।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 349/MTN/2025
(Flood Damage-SR)

No./7087/22/D-12/NIT-Maint./2025 — Bhopal, Dated : 06.06.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work -** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dhar	1	4339864.00
2	Jabalpur	1	2938407.00
3	Singrauli	1	4614366.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **01.07.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)
M.P. Madhyam/120501/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

वन विभाग में ब्रह्माकुमारी ने की कार्यशाला

रीवा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय और वन विभाग के सहयोग से वन विभाग में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यशाला आयोजित की गई। साथ में पौधारोपण कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी ने की।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा० रीवा (म.प्र.)

जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in, Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/4850 — रीवा, दिनांक 02.06.2025

ई-निविदा सूचना

वनमण्डल रीवा अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न परिक्षेत्रों में नव निर्मित भवनों एवं भवन मरम्मत कार्य व वानिकी कार्यों में उपयोग होने वाली सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदा एम0पी0 टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

Tender Sale Start Date -	03.06.2025	Time 05:00 PM
Bid Submission Start Date -	03.06.2025	Time 05:30 PM
Bid Submission Closing Date -	16.06.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	17.06.2025	Time 04:00 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जी—13980 / 25

(लोकेश निरापुरे भा.व.से)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited
Exam Registration Opens

म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु संविदा/नियमित नियुक्तियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 11 - 12 एवं 13 जुलाई 2025 — **पंजीयन तिथि: 09 जून 2025 से 22 जून 2025 तक**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 24 जून 2025 से 26 जून 2025

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे। आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
म.प्र. माध्यम/120510/2025 — स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स भोपाल-462011

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का लिया संकल्प

रीवा। शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य एवं प्रभारी अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा रीवा संभाग, प्रोफेसर संजीव दुबे ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी को संरक्षित रखने की दिशा में पौधारोपण एक प्रभावशाली कदम है। सभी ने पर्यावरण संरक्षण की इस सामूहिक पहल में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और यह संदेश दिया कि पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह पूरे वर्षभर की निरंतर जिम्मेदारी है।

सबब बताने के लिए नोटिस
(मामूली नमूना)
अदालत जनाब दीपक शर्मा प्रथम न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, जिला सीधी (म.प्र.)
दीवानी मुकदमा ज्यूडिशियल केस मिसलेनियस अपील
RCSHM नम्बर 69ए सन 2024
रामनिवास सोनी
बनाम
पूनम सोनी

बनाम पूनम सोनी पत्नी रामनिवास सोनी पिता सीताराम सोनी उम्र 30 वर्ष, पेशा गृहकार्य, निवासी ग्राम पटेहरा (बस्ती बानी) थाना– हनुमना जिला मऊगंज (म.प्र.) ने इस अदालत को दरख्वास्त की है कि धारा – 13 (1) हिन्दू विवाह अधिनियम

इसलिए तुम्हें नोटिस दिया जाता है कि तुम खुद या मार्फत किसी वकील के जिसे मुकदमे के हाल अच्छी तरह समझा दिया गया हो तारीख 25 माह 06 सन 2025 को दिन के 11 बजे इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ सबब बतलाओ नहीं तो उसकी तुम्हारी गैर–हाजिरी में सुनवाई होकर फैसला किया जावेगा।

इस अदालत की मोहर से आज तारीख 03 माह 06 सन् 2025 जारी किया गया।

(दीपक शर्मा)
प्रधान न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय,
जिला – सीधी (म.प्र.)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1231 (PM-JANMAN)
(Batch-IV, Year-2024-25)

No./7090/22/D-12/MPRRDA/2025 — Bhopal, Dated : 06.06.2025

Online Tenders for Construction of Rural Roads /CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.
- **PMAJANMAN-Batch-IV**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1	Singrauli	1	1	2.85	16863390/-

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **10.06.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **01.07.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)
M.P. Madhyam/120502/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

केनरा बैंक Canara Bank — ई-नीलामी सूचना

भारत सरकार का उपक्रम — A Govt. of India Undertaking — सिंडिकेट Syndicate

केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल फोन : 8989014648

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **24/06/2025** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहां है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
ऋणी एवं बंधककर्ताः **श्री दिनेश कुमार साहू पुत्र राम करण साहू** सहऋणीः **श्रीमती गीतांजलि सिन्हा पत्नि दिनेश कुमार साहू** दोनों का पताः 21/395 हजारी चौराहा के पास साहू मोहल्ला हुजूर रीवा म.प्र.-486001	संपत्ति का समस्त भू भाग रिहायशी मकान खसरा नंबर 588/1/1/Ya/2, प्लाट का क्षेत्रफल 25*37=925 वर्गफुट मौजा रीवा 553, पटवारी हल्का नं. 31, आर.आई.सी रीवा तहसील हुजूर, जिला- रीवा म.प्र. - 486001 मालिकः श्री दिनेश कुमार साहू पुत्र श्री राम करण साहू चर्तुसीमाएंः उत्तरः 12 फीट आरसीसी रोड, दक्षिणः उमाशंकर शर्मा जी का मकान, पूर्वः बीरेंद्र कुमार मिश्रा का मकान, पश्चिमः के.पी. पटेल का मकान — सांकेतिक कब्जा	12.08.2024 / 25.10.2024 / दि. 02/06/2025 को ₹ 44,02,620.62/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 36,91,000/- / ₹ 3,69,100/- / ₹ 10,000/-
ऋणी– **मेसर्स शौर्य इण्डस्ट्रीज** प्रोपराइटर- श्री विक्रम प्रताप सिंह पुत्र श्री सरयु सिंह (निदेशक- केरला पब्लिक स्कूल) बोदाबाग तहसील - हुजूर, रीवा (म.प्र.)486001 श्री विक्रम प्रताप सिंह पुत्र श्री सरयु सिंह श्रीमती माधुरी सिंह पत्नि श्री विक्रम प्रताप सिंह	1.भूमि स्थित सर्वे नं. 201/7, पटवारी हल्का नं. अम्वा 12, आरआई सर्कल बंकुनिया, तहसील हुजूर, जिला-रीवा (म.प्र.)-486001, क्षेत्रफल-7000 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्रीमती माधुरी सिंह पत्नि श्री विक्रम प्रताप सिंह चर्तुसीमाएं- पूर्व- 23 फिट चौड़ी प्रस्तावित रोड, पश्चिम- सरकारी ग्रामीण रोड, उत्तर- वैन्डर की शेष भूमि, दक्षिण- वैन्डर की शेष भूमि	22/07/2021 / 16/12/2022 / दि. 02/06/2025 को ₹ 1,30,72,006.07/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे — भौतिक कब्जा	₹ 27,12,000/- / ₹ 2,71,200/- / ₹ 10,000/-
	2. रिहायशी मकान स्थित भूमि खसरा नं. 893/3,894/3 मौजा- बोडा, जनरल नं. 458 प.ह. बोडा 24, वार्ड नं. 08, आनंद नगर, बोडा बाग, आर.आई.सर्कल, रीवा (म.प्र.) 486001 चर्तुसीमाएं- पूर्व- 15 फिट चौड़ी रोड, पश्चिम- सरकारी ग्रामीण रोड, उत्तर-वैन्डर की शेष भूमि, दक्षिण-वैन्डर की शेष भूमि		₹ 25,84,000/- / ₹ 2,58,400/- / ₹ 10,000/-
	3. प्लांट एवं मशीनरी स्थित खसरा नं. 207/7, ग्राम- अम्वा, बीना समरिया रोड, तहसील एवं जिला- रीवा (म.प्र.)		₹ 12,23,000/- / ₹ 1,22,300/- / ₹ 10,000/-
ऋणी : **श्रीमती संगीता बिस्वास विवेक बिस्वास** मकान नंबर 589, गढ़ा रोड जबलपुर म.प्र. 482002	संपत्ति का समस्त भू भाग रिहायशी भवन प्लॉट नं. 35, पीकॉक सिटी, पीएच नं. 177/40 और खसरा नं. 180/1 का भाग, क्षेत्रफल 20*40 वर्गफुट, मौजा बिनेकी तहसील पाटन जिला जबलपुर म.प्र. 482002 संपत्ति मालिकः श्रीमती संगीत बिस्वास पत्नी श्री विवेक बिस्वास चर्तुसीमाएंः उत्तरः प्लॉट नं. 36, दक्षिणः प्लॉट नं. 34, पूर्वः प्लॉट नं. 38, पश्चिमः कॉलोनी रोड — सांकेतिक कब्जा	30.09.2024 / 07.12.2024 / दि. 02/06/2025 को ₹ 23,42,009.81/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 16,20,000/- / ₹ 1,62,000/- / ₹ 10,000/-
ऋणी : **श्रीमती निधि सेठिया पत्नी श्री निर्मल सेठिया** सहऋणीः **श्री निर्मल सेठिया पुत्र श्री विनोद सेठिया** सभी का पताः 15 फेस 5, कृष्णा धाम कॉलोनी कटिया घाट रोड, महाराणा प्रताप वार्ड कटनी म.प्र.-483501	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित आवासीय भवन, फ्लैट क्रमांक 206, आरुष अपार्टमेंट, निर्मित क्षेत्रफल 935 वर्गफीट स्थित प्लाट सर्वे क्रमांक 407, पी.एच. क्रमांक 41/44, खिरहनी, खसरा क्रमांक 1487/2, क्षेत्रफल 0.357 हेक्टेयर, रफी अहमद किदवई वार्ड, कटनी म.प्र. संपत्ति मालिक- श्रीमती निधि सेठिया चर्तुसीमाएंः पूर्व - सीढ़ियां, पश्चिमः फ्लैट क्रमांक 208, उत्तरः गैलरी और फ्लैट क्रमांक 207, दक्षिणः खुला आसमान — सांकेतिक कब्जा	28.08.2019 / 18.12.2019 / दि. 02/06/2025 को ₹ 45,33,881/- +देय ब्याज एवं खर्चे	₹ 18,85,000/- / ₹ 1,88,500/- / ₹ 10,000/-

धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 23/06/2025 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 24/06/2025, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)

यहां संपत्ति का विक्रय राशि रु. 50 लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।
सभी शुल्क, स्टांप शुल्क/जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।
विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु केनरा बैंक की वेबसाइट में ई-नीलामी की लिंक (https://www.canarabank.com) या वेबपोर्टल http://BAANKNET.com देखें अथवा सम्पर्क करें- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल (Ph. No 8057766078, 9755569030, 7905027805 7683068902, 9140476074, 8073562754)

स्थान : भोपाल दिनांक : 02-06-2025 — प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

आवश्यकता है

ग्लेसिया मिनरल वाटर में ड्राइवर 01 पद, पानी के जार को गाड़ी में लाने ले जाने के लिये लड़के 3 पद। वेतन योग्यतानुसार।
मो. 8989502047
9340380448
RN. 82623/9/6

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म.प्र.)

भवन हस्तानान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पद्मधर कालोनी रीवा में आवंटित एल. आई.जी. भवन क्र. 193 के मूल आवंटी श्री एन.बी. चक्रवर्ती (निर्मलेंदु बिकास चक्रवर्ती) पिता श्री बिश्वेस्वर शास्त्री चक्रवर्ती उर्फ बी. शास्त्री चक्रवर्ती, सामान्य द्वारा मुख्तियारआम श्री अंशुल चक्रवर्ती पिता निर्मलेंदु बिकास चक्रवर्ती, पता एल. आई.जी. भवन क्र. 193 पद्मधर कालोनी रीवा जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा उक्त आवंटित भवन का हस्तानान्तरण श्रीमती संयोगिता कोठारी पति श्री नितिन कोठारी, निवासी– एम.आई.जी. भवन क्र. 126 पद्मधर कालोनी रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) के नाम करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 03.06.2025 को आवेदन पत्र संयुक्त शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया हैं। अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो अथवा उक्त भवन को मूल आवंटी द्वारा किसी व्यक्ति अथवा संस्था को रहन दान विक्रय आदि किया गया हो तो समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति प्रमाण के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा निर्धारण तिथि व्यतीत हो जाने के बाद कोई आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं होगा एवं भवन का हस्तानान्तरण श्रीमती संयोगिता कोठारी पति श्री नितिन कोठारी, के नाम पर कर दिया जावेगा।

(दीपेश रत्नाकर)
सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एंव अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म0प्र0)
RN- 82621

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा म0प्र0
web site : www.mp.gov.in/pwdmp — emil :- eepwdbrirewa@mp.nic.in
Phone – 07662 – 256720

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 03/2025–26 — रीवा दिनांक 01.06.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र–अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में पजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	1. कार्य की अनुमानित लागत, 2. अमानत राशि 3. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज जमा करने हेतु। 2.कार्यावधि (वर्षाकाल रहित अथवा सहित)
1	2	3	4	5	6
1	2025_PWDRB_ 428046_1	सीधी जिले के बघउं मवई चुरहट मार्ग में नरकुई नाला पर पुल एवं पहुंचमार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	1- 43997000.00 2- 439970.00 3- 15000.00	1– केवल आनलाइन 2–12 माह वर्षाकाल रहित।
2	2025_PWDRB 428059_1	सीधी जिले के रामपुर नैकिन घुघुटा खैरा मार्ग में सोन नदी पर निर्मित पुल के पहुंचमार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	1- 40297000.00 2- 402970.00 3- 15000.00	1– केवल आनलाइन 2–10 माह वर्षाकाल सहित।

उपरोक्त वेबसाइट आनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 23.06.2025 (17:30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नही किया जावेगा।

जी—13953 / 25

कार्यपालन यंत्री
लो0नि0वि0 सेतु निर्माण
संभाग रीवा (म0प्र0)
दूरभाष– 07662–256720

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन
व्यवसाय मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क -
8962086944

विश्व पर्यावरण दिवस पर बगराजन माता मंदिर में पौधरोपण

ब्रह्माकुमारी विद्या बहन ने कहा- प्रकृति के प्रति सच्चा प्रेम संतुलित व्यवहार से संभव

जागरण, खजुराहो । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खजुराहो के बगराजन माता मंदिर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर के महंत रमेश रिछारिया ने अपने कर-कमलों से वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ब्रह्माकुमारी विद्या बहन ने प्रकृति के प्रति जागरूकता और संतुलित व्यवहार की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी को एक पेड़ मां के नाम लगाने का संकल्प दिलाया। बगराजन माता मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर के महंत रमेश रिछारिया ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत की। ब्रह्माकुमारी खजुराहो सेवा केंद्र की प्रभारी विद्या बहन ने कहा कि प्रकृति के पांच तत्व- जल, वायु, अग्नि, आकाश और पृथ्वी ने हमें निस्वार्थ भाव से जीवन दिया है। उन्होंने बताया कि जल को बचाने, पेड़ लगाने, स्वच्छता बनाए रखने और मृदा अपरदन रोकने जैसे प्रयासों से ही प्रकृति और मानव का संतुलन बना रह सकता है। एक नन्ही बालिका ने प्रकृति मां की पुकार को दर्शाते हुए सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में लगाए गए पौधे और प्रकृति देवी की सजावट आकर्षण का केंद्र बने। विद्या बहन ने कहा कि प्रकृति, परमात्मा और आत्मा के संतुलित व्यवहार से ही पर्यावरण की सुरक्षा संभव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जल और बिजली की बचत करें, पेड़ों का रोपण और संरक्षण करें, और धरती को स्वच्छ रखें। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को ईश्वरीय प्रसाद वितरित किया गया और प्रत्येक व्यक्ति ने एक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एमपीईबी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश साहू, नगर परिषद जटकरा की पार्षद दुर्गा पटेल, मयूर उपस्थित रहे।

तलवार से महिला पर हमला करने वाले दो गिरफ्तार

छतरपुर । सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पठापुर रोड पर बुंदेलखंड सिटी के पास रहने वाली महिला पर पिछले दिनों तलवार से हमला किया गया था। इस हमले में महिला को गंभीर चोटें आईं, और उनका इलाज अभी भी जारी है। वहीं पुलिस ने इस मामले के दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। प्राप्त जानकारी मुतबिक 1 जून 2025 को सुबह करीब 9:30 बजे ममता सिंह अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं, तभी उन पर तलवार से हमला किया गया। हमलावरों ने ममता के चेहरे, पीठ और सीने पर वार किए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि इस मामले में सिटी कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों, कमला सिंह और सौरभ सिंह, को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। सीएसपी ने कहा कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है, और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव

खजुराहो । खजुराहो रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर शुक्रवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और युवक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। अज्ञात युवक की उम्र लगभग 30 वर्ष है। उसने मेंहदी रंग की शर्ट और नीले रंग का पैंट पहना हुआ था। युवक के सीने पर आई एल वाय चंदा और हाथ पर राहुल सी आर लिखा टैटू पाया गया। रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। रेलवे पुलिस ने युवक की शिनाख्त के लिए आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ शुरू की है। परिजनों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने दो नंबर 9752434238 और 7389393726 जारी किए हैं, ताकि कोई भी जानकारी मिल सके। पुलिस टैटू और कपड़ों के आधार पर गुमशुदा व्यक्तियों के रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

जिला दण्डाधिकारी ने 3 अपराधियों को 10-10 हजार रुपए का बंध पत्र प्रस्तुत करने का दिया आदेश

एक वर्ष तक सप्ताह में दो दिन थाने में हाजरी देने के भी आदेश

जागरण, छतरपुर । जिला दण्डाधिकारी छतरपुर पार्थ जैसवाल ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रस्ताव अनुसार म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 तथा लोक व्यवस्था अधिनियम के अंतर्गत तीन आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त अपराधियों को 1 वर्ष के लिए अपराध न करने एवं अपने आप को अपराधिक गतिविधियों से दूर रखने एवं सामाजिक नागरिक की तरह शांति एवं सदाचार बनाए रखने के लिए 10-10 हजार रुपए का बंध पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए है। साथ ही 1 वर्ष के लिए थाना प्रभारी के समक्ष संबंधित थाना में सप्ताह के दो दिन मंगलवार एवं शुक्रवार को हाजरी देकर उपस्थित सुनिश्चित कराएंगे। थाना प्रभारी को भी निर्देशित किया गया है कि इसमें चूक होने के दशा में अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही कर जिला दंडाधिकारी न्यायालय को अवगत कराएंगे। यह आदेश जिला दंडाधिकारी द्वारा मक्खन कुशवाहा पिता लक्षमन कुशवाहा उम्र 30 साल, मूरत यादव तनय स्व. खुमान यादव उम्र 50 साल दोनों निवासी करारागंज थाना अलीपुरा और बृजकिशोर यादव पिता नारायणदास यादव उम्र 60 साल निवासी ग्राम जोरन थाना अलीपुरा जिला छतरपुर के विरुद्ध आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल नियंत्रण करने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

महाप्रबंधक ने विभिन्न शाखा प्रबंधकों की ली बैठक

छतरपुर । जिला सहकारी बैंक की महाप्रबंधक एसके कनोज्यिा ने आज सहकारी बैंक की विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधकों की बैठक बुलाई जिसमें ऋण वसूली एवं ऋण वितरण के संबंध में जानकारी मांगी। परंतु कई शाखा प्रबंधकों ने अपूर्ण जानकारी दी जिससे महाप्रबंधक नाराज हुए और उन्होंने कई शाखा प्रबंधकों के खिलाफ कार्यवाही करने के संकेत दिए हैं। गौरिहार शाखा प्रबंधक की वसूली जिले में सबसे तेज और लक्ष्य के करीब होने से उनने प्रसंन्नता जाहिर की जबकि बकस्वाहा, महाराजपुर, बमीठा शाखा को छोड़कर शेष शाखा प्रबंधकों की कार्यशैली पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। गौरतलब हो कि जिले में विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधकों द्वारा मुख्यमंत्री कृषक ऋण माफी योजना में भारी घोटाला किया है जिसको लेकर सहकारी बैंकों की शाखाओं की शाख पर दाग लग रहा है जिस पर जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है और सभी शाखा प्रबंधकों को सख्त निर्देश दिए है ।

बर्षा पूर्व नाले नदियों की सफाई नहीं होने से शहर में बनेगी विकराल स्थिति

सीएमओ बोली शीघ्र ही सफाई अभियान चलाया जाएगा

जागरण, छतरपुर । आगामी 15 जून से मानसून सक्रिय होने वाला है लेकिन छतरपुर नगरपालिका द्वारा अब तक शहर के नाले एवं नदियों की साफ सफाई सुनिश्चित नहीं की औपचारिकता के तौर पर पहले से साफ सुधरे तालाबों पर सफाई अभियान चलाया गया लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है जानकारी के अनुसार शहर के रेडियो कालौनी से गुज़रे नाले को अब तक साफ नहीं किया गया और न ही पावर हाउस के बाजू से निकले नाले को साफ करने की रस्म निभाई गई नागरिकों ने वर्षा पूर्व नालों की साफ-सफाई कराने की मांग की है वहीं दूसरी ओर रेडियो कालौनी के बाजू से निकले नाले पर रेस्टोरेंट संचालक ने अतिक्रमण कर रखा है नाले के ऊपर से लेंटर डाल दिया है जिसमें सफाई कर्मचारी कैसे सफाई करेंगे यह बडा सवाल है वहीं पूरे मामले में वार्ड नंबर 16 के पार्षद प्रतिनिधि दिनेश तिवारी ने नगरपालिका परिषद पर सवाल उठाते हुए शीघ्र ही नाले की सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है सीएमओ माधुरी शर्मा का कहना है कि वर्षा ऋतु के पूर्व नालों की साफ-सफाई कराने के लिए स्वच्छता प्रभारी संजेश नायक को निर्देशित किया गया है शीघ्र ही सफाई अभियान चलाया जाएगा अब देखना होगा कि खबर दिखाए जाने के बाद उपरोक्त गंभीर मामले में नगरीय प्रशासन क्या एक्शन लेता है यह बडा सवाल है।

07 पेटी शराब सहित एक टेवेरा वाहन जब्त

जागरण, मंडला। पुलिस ने शराब का परिवहन करते हुये दो शातिर शराब माफिया को किया गिरफ्तार, पुलिस ने आरोपियों के कबिजे से 07 पेटी (63 लीटर) बिलायती अंग्रेजी शराब सहित एक टवेरा वाहन को किया जप्त । श्रीमान पुलिस अधीक्षक मंडला महोदय श्री रजत सकलेचा के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय मंडला एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महोदय निवास के मार्गदर्शन में थाना बीजाडांडी मे आज दिनांक 06/06/2025 को टीम गठित कर अवैध शराब रेड कार्यवाही कर (1) आरोपी दीपांशु दुबे पिता दयाशंकर दुबे उम्र उम्र 21 साल निवासी ग्राम मेढी मनेरी बीजाडांडी मंडला (2) गणेश बेन पिता गुड्डू बेन उम्र 19 साल निवासी ग्राम मेढी मनेरी बीजाडांडी मंडला के कब्जे घटना में प्रयुक्त आरोपित एक सफेद रंग की टवेरा वाहन क्रमांक स्ब्क20क्4326 कीमती 5,00,000 रूपये जिसमें अवैध अंग्रेजी शराब जिनियस व्हीस्की की 07 पेटी प्रत्येक पेटी में 50 क्वाटर प्रत्येक में 180 एम.एल. शराब कुल मात्रा 63 लीटर कीमती करीबन 47,250 रुपये रूपये कुल जुमला कीमती 5,47,250 रूपये की मशरूका की जप्ती की गई है । उक्त दोनो आरोपीयों के विरूध्द धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबध्द किया गया ।

मुख्य भूमिका - थाना प्रभारी बीजाडांडी निरीक्षक पुष्प करण मुवेल, उनि नीलेश पटैल, उनि पंकज विश्वकर्मा, सउनि छवि लाल सूर्यवंशी, प्र.आऱ.374 चैनसिंह कुलस्ते, प्र.आऱ. 267 जय पाण्डे, प्र.आर.64 रविन्द्र मरावी, आर.11 संदीप मेवाडा, आऱ. 627 रोहित कुशवाहा, आर. 608 महेन्द्र मार्को, आऱ. 643 देवेन्द्र धुर्वे, आर. 248 जय सिंह मेरावी,

आर. 373 प्रतीक रजक, चालक आरक्षक 208 विजय छिरा की विशेष भूमिका रही ।

सूखे कुओं में उतरने से हो सकती है दुर्घटना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी की चेतावनी

डिंडोरी। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा सूखे कुओं में उतरने से होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण चेतावनी पत्र जारी किया गया है। पत्र में बताया गया है कि सूखे कुओं में उतरने से जानलेवा गैसों के संपर्क में आना, ऑक्सीजन की कमी, और शारीरिक संकट जैसे कई खतरनाक परिणाम सामने आ सकते हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि हाईड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और मिथेन जैसी जहरीली गैसें कुओं में मौजूद हो सकती हैं, जो जीवन के लिए घातक हैं। साथ ही सीमित ऑक्सीजन स्तर के कारण सांस लेने में तकलीफ या मौत तक हो सकती है।

बचाव के लिए सुझाव और दिशा-निर्देश: बिना उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपायों के कुएं में उतरने से बचें। आपातकालीन स्थिति में पुलिस, फायर ब्रिगेड या बचाव दल को तुरंत सूचित करें। घटना स्थल को खाली कराएं और किसी को भी कुएं में न उतरने दें। स्थिति का आकलन कर पीड़ित व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा दें और आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल ले जाएं। बचाव कार्य के दौरान ध्यान देने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे हादसों से बचने के लिए प्रशिक्षित बचाव दल द्वारा ही कार्य किया जाना चाहिए और सुरक्षित उपकरणों का उपयोग अनिवार्य है।

पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में बच्चू जी महाराज ने पौधा लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जागरण, डिंडोरी । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड शहपुरा ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव कार्यक्रम एवं पर्यावरण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें भगत गिरीश्री श्री बच्चू जी महाराज, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री राकेश परस्ते, मंडल अध्यक्ष मानिकपुर, श्री हिरेन मरावी, श्री प्रशांत सिंह लोधी, प्रोजेक्ट एसोसिएट एनजीओ, विंध्यवासिनी प्रोड्यूसर कंपनी सुप्रिया राय के मार्गदर्शन में एवं विकास खंड समन्वयक डॉ नीलेशवरी वैश्य द्वारा पातालधारा आश्रम में पाताल कुंड में बावड़ी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पवित्र कुंड का पूजन किया गया तथा अतिथियों का तिलक लगाकर श्रीफल और पुष्प माला पहना कर स्वागत किया गया। ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य वक्ताओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण पौधारोपण जल संरक्षण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, भगत गिरीश्री श्री बच्चू जी महाराज सभी संतो के साथ अशोक के पौधों का रोपण किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। साथ ही श्री राकेश परस्ते द्वारा सभी अवसरों पर स्मृति स्वरूप पौधा रोपण कर जंगल को बचाने, पौधारोपण करने के लिए सभी से आग्रह किया, वहीं मंडल अध्यक्ष द्वारा जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही हर व्यक्ति को पौधा रोपण करना ही चाहिए, ऐसा संकल्प दिलाया। ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती गुड्डी बाई धुर्वे द्वारा ग्राम खितौला की रामायण मंडली द्वारा जल संरक्षण और पौधारोपण हेतु भजन गायन किया। और अतिथियों द्वारा आम और अमरूद के पौधों का रोपण कर शपथ दिलाया गया। इसके उपरांत प्राचीन पातालधारा कुंड के आसपास मलवा हटाकर श्रमदान भी किया गया।

कुण्डप को फूलों की रंगोली बनाकर दीपो से सजाया गया। फिर सभी ग्रामवासियों सहित अतिथियों ने गक्कड़ भर्ता, खिचड़ी का समरसता भोजन किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी रहे सरपंच श्रीमती गुड्डी बाई धुर्वे, सचिव श्री जय सिंह मरावी, रोजगार सहायक, मेट अमित कुमार नवांकुर संस्था से शंभु प्रसाद विश्वकर्मा, डूमारी चक्रवर्ती, मेंटर पूजा साहू, प्रस्फुटन समिति सदस्य कमलेश धुर्वे, छात्रों का सहयोग रहा, सांसे हो रही है कम, आओ पेड़ लगाए हम,।।

मंत्री संपतिया उइके और कलेक्टर ने ग्राम झिरिया में पौधरोपण किया

मंडला । प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने गुरूवार को मंडला जिले के ग्राम झिरिया में स्थित गोंडवानाकालीन प्राचीन बावड़ी प्रांगण में वृक्षारोपण किया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित समस्त अधिकारी, कर्मचारी तथा नागरिकों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षारोपण करना जरूरी है, जिससे हमारी पृथ्वी पुनः हरी-भरी हो सके। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण जरूर करें और लगाए गए वृक्षों की देखभाल व सुरक्षा भी करें। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने ग्राम झिरिया में बावड़ी के समीप सीमेंट के सोफे लगाने और पुराने शासकीय भवनों की जाँच कर डिस्मेंटल करने के निर्देश दिये। बावड़ी के समीप नियमित रूप से साफ-सफाई रखने तथा सुरक्षा के प्रबंध करने को कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांश कूमट, एसडीएम नैनपुर श्री आशुतोष ठाकुर, तहसीलदार सुश्री पूजा राणा, जनपद पंचायत सीईओ श्री विनोद मरावी सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद थे।

बकरीद के मद्देनजर डिंडौरी में जिला शांति समिति की बैठक संपन्न

डिंडोरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में बकरीद पर्व के दृष्टिगत जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला ने की। बैठक में नगर परिषद डिंडौरी की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्यगण, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्री शुक्ला ने उपस्थित सदस्यों से बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, साथ ही संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि साफ-सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रहे। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने सुझाव साझा किए और सभी वर्गों से आपसी समन्वय व भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत प्रशासन या पुलिस से संपर्क करें।

एपीएसयू में छात्र-छात्राओं के लिये सहायता केंद्र का उद्घाटन

दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों को होगी सुविधा

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए एक सहायता केंद्र की स्थापना की गई है। इस केंद्र का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किया गया। सहायता केंद्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम चयन, छात्रवृत्ति, छात्रावास, दस्तावेज सत्यापन तथा अन्य प्रशासनिक व शैक्षणिक जानकारियाँ सरल और सुलभ रूप में उपलब्ध कराना है। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कुलगुरु प्रोफेसर राजेंद्र कुमार कुड़रिया ने फीता काटकर छात्रों के सहायता केंद्र का उद्घाटन करते कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। यह सहायता केंद्र उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस अवसर पर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के महाविद्यालय विकास परिषद के अधिष्ठाता प्रो एन पी पाठक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो अतुल पांडे, प्रो श्रीकांत मिश्रा, डॉ अतुल तिवारी, डॉ नीता पटेल , डॉ शेषपाल नामदेव , डॉ श्रवण पांडे सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी अतिथि शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्रों के इस सहायता केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुमार कुडरिया की पहल पर स्थापित किया गया है, जो विद्यार्थियों को समुचित जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कृषि संकल्प अभियान में विधायक नारायण सिंह पट्टा हुए शामिल

मंडला । जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत बिछिया के ग्राम पंचायत तबलपानी मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिछिया विधानसभा विधायक श्री नारायण सिंह पट्टा ने की। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर फसल लगानी चाहिए। जिससे न सिर्फ अच्छा उत्पादन मिलेगा बल्कि फसल का चक्र भी बना रहेगा। इस दौरान कृषि वैज्ञानिक डॉ. के. के. राणा जी ने किसानो को कृषि कि उन्नत तकनिकी, बीज उपचार, मिट्टी परिक्षण, प्रमाणित बीज, के उपयोग और कीट और रोग प्रबंध पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसी प्रकार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री अशोक भलावी ने कृषि विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं तथा उदयानिकि विभाग, पशुपालन विभाग, मछली पालन विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने भी विस्तृत जानकारी दी। किसानों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को भी साझा किया।

मंत्री संपतिया उइके ने सिंदूर वाटिका में पौधरोपण किया

मंडला । प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने गुरूवार को मंडला जिले के नगरपालिका नैनपुर में थावर नदी के तट पर स्थित सिंदूर वाटिका में वृक्षारोपण किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को यादगार बनाते हुए वृक्षारोपण स्थल का नाम सिंदूर वाटिका के नाम से रखा जायेगा। उन्होंने सिंदूर वाटिका में उपस्थित समस्त अधिकारी, कर्मचारी तथा नागरिकों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण जरूर करें और लगाए गए वृक्षों की देखभाल व सुरक्षा भी करें। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नैनपुर श्रीमती कृष्णा पंजवानी, एसडीएम नैनपुर श्री आशुतोष ठाकुर, तहसीलदार सुश्री पूजा राणा सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद थे।

संस्थापक › गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका के दायित्वों का निर्वहन नहीं

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में शुचिता और पारदर्शिता प्राथमिक शर्त है। मगर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में सरकारों ने सबसे अधिक कमजोर इन्हीं संस्थाओं को किया है। शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची है, जो भ्रष्टाचार और कदाचार की जकड़बंदी से मुक्त हो। देश की न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की साख पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने इस समस्या को स्वीकार किया और इसे दूर करने का संकल्प दोहराया है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से जनता का भरोसा टूटता है। यह बात उन्होंने दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से बरामद जली नगदी नोटों के संदर्भ में कही। प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय और कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के राजनीतिक दबाव में या निजी स्वार्थ साधने के मकसद से फैसले सुनाने को लेकर काफी असंतोष जाहिर किया जाता रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने सेवामुक्त होने के तुरंत बाद सरकारी पद स्वीकार कर लिया, तो कुछ चुनावी मैदान में उतर गए।

> प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं।

हालांकि अब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, न इस्तीफा देकर चुनाव लड़ेंगे। इससे यह उम्मीद तो बनी है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश सत्ता के किसी दबाव में आकर कोई फैसला सुनाने से बच सकेंगे। राजनीतिक लोभ और दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका सही अर्थों में अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। इसलिए प्रधान न्यायाधीश का इस दिशा में प्रयास सराहनीय है। लोकतंत्र में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा इसलिए भी बने रहना बहुत जरूरी है कि यही एक स्तंभ है, जिस पर संविधान की रक्षा का दायित्व और राजनीतिक तथा व्यवस्थागत कदाचार पर नकेल कसने का अकूत अधिकार है। यह भी अनुभव जगजाहिर है कि जब भी न्यायपालिका कमजोर दिखती है, तो सत्ता पक्ष की मनमानियां बढ़ती जाती हैं। कुछ न्यायाधीशों के सुर्खियां बटोरने के लोभ की वजह से न्यायिक सक्रियता का सवाल भी उठना शुरू हुआ था। कालेजियम प्रणाली और न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात आदि के आरोप भी सुगबुगाते रहे हैं। इन पहलुओं पर प्रधान न्यायाधीश ने बड़ी बेबाकी से बात की और उन्हें दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया है।

आतंकवाद, पाकिस्तान और वैश्विक राजनीति की विडंबना

यूएनएससी का दोमुंहापन

अजीत सिंह

गत मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आतंकवाद विरोधी समिति का उपाध्यक्ष और इसके अंतर्गत आने वाली तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष पद पाकिस्तान को सौंपा गया। यह वही समिति है जो वैश्विक आतंकवाद पर अंकुश लगाने, आतंकवादियों पर निगरानी रखने, प्रतिबंध लगाने और आतंकी वित्तपोषण की जाँच करने जैसे गंभीर कार्यों का नेतृत्व करती है। यह नियुक्ति न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि एक गहरी विडंबना को भी जन्म देती है। आखिर, जिस देश पर दशकों से आतंकवाद को शरण देने, उसे प्रशिक्षण देने और वैश्विक आतंकवाद के पनपने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं, उसी को आतंकवाद पर लगाम कसने का जिम्मा दे दिया गया है।

यह कोई साधारण राजनीतिक नियुक्ति नहीं है, बल्कि यह वैश्विक कूटनीति की उस सच्चाई को उजागर करती है जिसमें नैतिकता, ऐतिहासिक तथ्य और सुरक्षा की वास्तविक चिंताएं अक्सर भू-राजनीतिक समीकरणों और शक्तिशाली देशों के हितों के नीचे दबा दी जाती हैं।

दरअसल, पाकिस्तान की भूमिका आतंकवाद के संदर्भ में नई नहीं है। 1980 के दशक से ही पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) पर यह आरोप लगते रहे हैं कि उसने अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ मुजाहिदीन लड़ाकों को अमेरिका और सऊदी अरब के समर्थन से प्रशिक्षण और हथियार मुहैया कराए। इसके बाद जब तालिबान का उदय हुआ, तो पाकिस्तान ने उन्हें राजनीतिक और सैन्य समर्थन देकर अफगानिस्तान पर नियंत्रण दिलाया।

भारत के लिए यह दर्दनाक विडंबना और भी गहरी हो जाती है जब देखा जाए कि पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी वर्षों से खुलेआम घूमते रहे हैं। 26/11 के हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद हो, या मसूद अजहर जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी-इन सबको पाकिस्तान ने लंबे समय तक संरक्षण दिया है। भारत द्वारा सौंपे गए ठोस सबूतों के बावजूद पाकिस्तान की सरकार और न्यायिक व्यवस्था ने इनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की।

> संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष पद किसी भी देश को सौंपा जाना केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं होता; यह एक नैतिक और कूटनीतिक जिम्मेदारी भी है। ऐसे में यह पद पाकिस्तान को सौंपा जाना एक गहरी विडंबना को भी जन्म देता है कि जिस देश पर दशकों से आतंकवाद को शरण देने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं, उसी को आतंकवाद पर लगाम कसने का जिम्मा दे दिया गया है।

ओसामा बिन लादेन की कहानी : इस विडंबना को और गहरा बनाती है वह ऐतिहासिक घटना जब अमेरिका ने 2011 में अपने सैन्य ऑपरेशन 'नेप्च्यून स्पीयर' के तहत अल-कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद शहर में मार गिराया। यह वही शहर है जहां पाकिस्तान की सबसे प्रतिष्ठित सैन्य अकादमी भी स्थित है। इस बात ने दुनिया भर में यह संदेह पैदा कर दिया कि इतने खतरनाक आतंकवादी को पाकि स्तान की जानकारी के बिना वहां वर्षों तक कैसे रखा जा सकता है? तब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने खुद यह स्पष्ट किया था कि उन्होंने पाकिस्तान को इस ऑपरेशन की जानकारी नहीं दी, क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं था कि पाकिस्तान इस मिशन में सहयोग करेगा।

नैतिकता या राजनीति? : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष पद किसी भी देश को सौंपा जाना केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं होता; यह एक नैतिक और कूटनीतिक जिम्मेदारी भी है। जब किसी देश को ऐसी समिति का नेतृत्व सौंपा जाता है, तो यह संकेत जाता है कि वह देश आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्पित है और वैश्विक सुरक्षा में उसकी भूमिका भरोसेमंद है।

ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या पाकिस्तान वास्तव में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भरोसेमंद साझेदार है?

नियुक्ति से उठे गंभीर सवाल

1. क्या संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर कूटनीतिक समीकरण नैतिकता से ऊपर हैं?

कई बार यह देखा गया है कि बड़े देशों के राजनीतिक और कूटनीतिक हित संयुक्त राष्ट्र के निर्णयों पर प्रभाव डालते हैं। पाकिस्तान चीन का घनिष्ठ मित्र है और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य भी है। कई बार चीन ने मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को वैश्विक आतंकी घोषित करने के प्रस्तावों को वीटो किया है। यह वही चीन है जिसने पाकिस्तान के कई आतंकी चेहरों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचाया है।

2. क्या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ प्रतीकात्मक रह गई है?

अगर आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को ही आतंक पर लगाम कसने वाली संस्थाओं में नेतृत्व की जिम्मेदारी दी जाए, तो यह उस वैश्विक लड़ाई को खोखला बना देता है, जो आतंकवाद के खिलाफ चलाई जा रही है।

3. क्या भारत की चिंताएँ अनसुनी की जा रही हैं?

भारत वर्षों से पाकिस्तान के खिलाफ साक्ष्यों के साथ आवाज उठाता रहा है, लेकिन वैश्विक मंचों पर इन चिंताओं को उतनी गंभीरता से नहीं लिया गया, जितनी अपेक्षित थी। संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा कई बार पाकिस्तान को आतंकवाद का केंद्र बताया गया है, लेकिन राजनीतिक समीकरण इन चिंताओं पर भारी पड़े हैं।

यह सिर्फ भारत का मामला नहीं : भारत के अलावा अफगानिस्तान, ईरान और कई मध्य-पूर्वी देशों ने भी पाकिस्तान पर आतंकवाद को प्रश्रय देने के आरोप लगाए हैं। अफगानिस्तान की निर्वासित सरकार के कई नेताओं ने कहा है कि तालिबान को सत्ता दिलाने में पाकिस्तान की अहम भूमिका रही है। इसके बावजूद, पाकिस्तान को तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष बनाए जाना एक बड़ा सवालिया निशान बनकर उभरता है।

समाधान क्या हो?

1. संयुक्त राष्ट्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना आवश्यक है।

यदि किसी देश पर आतंकवाद को संरक्षण देने के आरोप हैं, तो उसे ऐसी समितियों से वंचित रखना चाहिए, जब तक कि वह अपनी भूमिका को स्पष्ट रूप से निष्पक्ष और जिम्मेदार न बना दे।

2. वैश्विक आतंकवाद की परिभाषा में एकरूपता आवश्यक है।

कोई भी देश यदि किसी गुट को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देता है, तो यह दोहरी नीति वैश्विक सुरक्षा के लिए घातक बन जाती है।

3. भारत को अपनी कूटनीति और वैश्विक लॉबिंग को और सशक्त बनाना होगा।

दुनिया में नैरेटिव वही प्रभावी होता है, जो बार-बार, सटीक और प्रमाणिक तरीके से प्रस्तुत किया जाए। भारत को इस दिशा में अपने प्रयास तेज करने होंगे। बहरहाल, यह एक बड़ी विडंबना है कि आतंक के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई उस देश को दी गई है जिस पर आतंकवाद को पालने-पोसने के गंभीर आरोप हैं। यह न केवल भारत जैसे आतंकवाद से पीड़ित राष्ट्र के लिए चिंता का विषय है, बल्कि समस्त वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी एक खतरे की घंटी है। जब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस विरोधाभास को दूर नहीं करता, तब तक आतंक के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई अधूरी और कमजोर ही रहेगी।

अनुसंधान का विषय है कैलाश पर्वत का सामरिक-पारिस्थितिक महत्व

जलवायु परिवर्तन

डा. राकेश कपूर

विश्व के समस्त हिंदू समाज के लिए कैलाश पर्वत और कैलाश मानसरोवर यात्रा का विशेष महत्व है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार इस यात्रा से मानव को मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसीलिए न केवल सामन्य जन अपितु ऋषि मुनि, तपस्वी, साधु संत कालांतर से कैलाश मानसरोवर क्षेत्र में साधना, अनंत की खोज के लिए आकर्षित रहते हैं। कैलाश पर्वत को सृष्टि के रचयिता त्रिदेव में से एक शिव का आवास मान कर इस अति दुर्गम और अगम्य स्थल की यात्रा करते हैं। वैश्विक जलवायु परिवर्तन और मानव निर्मित आपदाओं, अवांछित विकास के चलते इस समस्त क्षेत्र की पर्यावरणीय, पारिस्थितिकी, जैव विविधता पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखला के महत्वपूर्ण अंग होने के साथ साथ, एशिया भूभाग के तीन चौथाई हिस्से के लिए जलापूर्ति का एकमेव साधन होने के कारण इसके समस्त पहलुओं पर चर्चा, चिंता और चिंतन करना आवश्यक हो जाता है। कैलाश पर्वत का सामरिक, पर्यावरणीय और पारिस्थितिक महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुआयामी है।

भूगर्भीय संरचना एवं वैज्ञानिक महत्व : कैलाश पर्वत तिब्बत के दक्षिण-पश्चिम भाग में, गंगोत्री हिमनद से लगभग 1000 किमी दूर है, जिसकी ऊंचाई लगभग 6638 मीटर (21778 फीट) है। इसका निर्माण टेथिस सागर के जमाव और प्लेट टेक्टोनिक क्रियाओं से हुआ। यह पर्वत भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के आपसी टकराव का परिणाम है, जो लगभग 5-10 करोड़ वर्ष पहले आरंभ हुआ।

> वैज्ञानिकों के लिए यह क्षेत्र जलवायु, ग्लेशियोलॉजी और पारिस्थितिक अनुसंधान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां की पारिस्थितिक स्थिति संकेतक के रूप में है। एशिया भूभाग के तीन चौथाई हिस्से के लिए जलापूर्ति का एकमेव साधन होने के कारण इसके समस्त पहलुओं पर चर्चा, चिंता और चिंतन करना आवश्यक हो जाता है।

चूना पत्थर की चट्टानें - कैलाश क्षेत्र में मुख्य रूप से सिडीमेंटरी चट्टानें पाई जाती हैं। इसमें चूना पत्थर और डोलोमाइट प्रमुख हैं। मुख्य पिरामिड आकृति वाली संरचना का आधार काली, गहरी चट्टानें जो आग्नेय प्रकृति की हैं। कैलाश पर्वत की उत्पत्ति गोंडवाना भूभाग और टेथिस महासागर के अवसादन से जुड़ी है। इसका संबंध हिमालय की अपलिफ्ट प्रक्रिया से जुड़ा है, जो आज भी जारी है। यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है, क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित है। यह पर्वत कांगरीनबोके पर्वत के रूप में जाना जाता है, जो गंगदीस पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। कैलाश पर्वत क्षेत्र इंडस-यारलुंग स्यूचर जोन में स्थित है, जो भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर का परिणाम है।

पर्यावरणीय महत्व- हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र का अति संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग होने के कारण इसे हिमालयन क्षेत्र की जीवन रेखा भी कहा जाता है। कैलाश पर्वत हिमालय के अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्र में आता है यह पर्वत चार प्रमुख नदियों- सिंधु, सतलुज, ब्रह्मपुत्र (यारलुंग त्सांगपो) और करनाली (घाघरा) का उद्गम स्थल है जो दक्षिण एशिया के करोड़ों लोगों की जल आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

रहस्यमय ज्यामिति और अद्वितीय भौगोलिक स्थिति - कैलाश पर्वत की आकृति तथा विश्व भर के पवित्र स्थलों के साथ संरेखण ने लंबे समय से वैज्ञानिकों और भूगोलवेत्ताओं को आकर्षित किया है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में स्टोनहेंज से कैलाश पर्वत की दूरी ठीक 6666 किलोमीटर है, जो उत्तरी ध्रुव की दूरी के बराबर है। आश्चर्यजनक रूप से दक्षिणी ध्रुव की दूरी 13332 किलोमीटर है जो स्टोनहेंज या उत्तरी ध्रुव की दूरी से ठीक दोगुनी है। कैलाश पर्वत एशिया की चार प्रमुख नदियों का स्रोत है। सिंधु, ब्रह्मपुत्र, करनाली (गंगा की एक सहायक नदी) और सतलुज। प्रत्येक नदी पारिस्थितिकी प्रणालियों को सहारा देती है । इसके अतरिक्त मानसरोवर झील और राक्षसताल झील, ये झीलें यिन और यांग-प्रकाश और अंधकार, अच्छाई और बुराई की अवधारणा को मूर्त रूप देती हैं।

भारत के लिए सामरिक महत्व - भारत के लिए कैलाश पर्वत का क्षेत्र 'क्लेमड टेरिटरी' है क्योंकि यह प्राचीन काल में भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र में रहा है। भारत की सुरक्षा एजेंसियां और सैन्य बल इस क्षेत्र में लगातार चीन की गतिविधियों पर निगरानी रखते हैं।

पारिस्थितिकी और जैव विविधता - कैलाश क्षेत्र पर विशेष हिमालयी वनस्पतियां और दुर्लभ प्रजातियां (जैसे तिब्बती एंटीलोप, हिम तेंदुआ, ब्लू शीप आदि) पाई जाती हैं। इस क्षेत्र की पारिस्थितिक प्रणाली अन्य पारिस्थितिक तंत्रों से जुड़ी है, एक परिवर्तन दूरगामी प्रभाव डाल सकता है। वैज्ञानिकों के लिए यह क्षेत्र जलवायु, ग्लेशियोलॉजी अनुसंधान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां की पारिस्थितिक स्थिति वैश्विक जलवायु परिवर्तन के संकेतक के रूप में देखी जाती है। बहरहाल इस मसले पर न केवल राष्ट्रीय, अपितु वैश्विक रूप से चिंतन-मनन की आवश्यकता है जिसकी पहल भारत को करनी ही होगी।

प्रसंगवश

कार्बन मुक्त अर्थव्यवस्था में मददगार है भारतीय रेल

अश्विनी वैष्णव

भारतीय रेल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंचामृत लक्ष्य - 2070 तक शून्य उत्सर्जन (नेट ज़ीरो) में अहम भूमिका निभा रही है। हम माल और यात्री परिवहन को सड़क से रेल की पर ले जा रहे हैं। साथ ही स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने में मदद मिल रही है।

सड़क से रेल की ओर

2013-14 में भारतीय रेल ने लगभग 1,055 मिलियन टन माल की ढुलाई की। 2024-25 में यह बढ़कर 1,617 मिलियन टन हो गया है। इससे हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मालवाहक रेलवे बन गए हैं। सड़क की जगह रेल से माल ढुलाई करने से अब तक 143 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोका गया है। यह 121 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। रेल से माल ढुलाई, सड़क से सस्ती है। इससे पिछले 10 सालों में देश को 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। रेल, ट्रकों के मुकाबले 90न्न कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करती है। इससे हवा साफ रहती है। 2,857 करोड़ लीटर डीज़ल की भी बचत हुई है, जो कि लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है।

विद्युतीकरण से आत्मनिर्भरता

भारत बहुत मात्रा में तेल आयात करता है। ऐसे में रेलवे का विद्युतीकरण सामरिक रूप से जरूरी है। 2014 से पहले 60 वर्षों में 21,000 किलोमीटर रेलवे लाइन ही विद्युतीकृत हुई थी। लेकिन पिछले 11 सालों में हमने 47,000 किलोमीटर रेल लाइन को विद्युतीकृत किया है। अब तक 99न्न ब्रॉड गेज नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है। रेलवे अब स्टेशनों, वर्कशॉप और ट्रेनों के लिए भी हरित ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा है। हम राज्यों के साथ मिलकर ट्रेनों को हरित ऊर्जा से चलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

माल ढुलाई का नया मॉडल

डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर भी पूरी तरह से विद्युतीकृत होते हैं। ये कॉरिडोर सिर्फ माल ढुलाई के लिए बनाए गए हैं। वर्तमान में 2,741 किलोमीटर के फ्रंट कॉरिडोर संचालित हैं। इससे सड़कों पर भीड़ घटी है, डीजल की खपत कम हुई है और कार्बन उत्सर्जन भी घटा है। भारत अब हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों को भी अपनाने जा रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच चलेगी। यह दुनिया की सबसे लंबी और ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन होगी।

> जब भी आप सड़क या अन्य साधनों की जगह ट्रेन से यात्रा करते हैं, तो आप सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि एक स्वच्छ और हरित भारत को चुनते हैं। पिछले साल 700 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने भारतीय रेल से सफर किया। यह हमारी जीवनरेखा है और आने वाले कल के लिए एक हरित संकल्प भी।

अर्थव्यवस्था और पर्यावरण

भारत ने दिखाया है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ संभव हैं। 2023 के वर्ल्ड बैंक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में भारत का स्थान 139 देशों में 38वें पर रहा। 2014 की तुलना में यह 16 स्थान ऊपर है। रेलवे के विद्युतीकरण से प्रदूषण और लागत दोनों में कमी आयी है। साथ ही लोजिस्टिक्स की क्षमता और गति दोनों बढ़ी हैं।

2030 तक नेट-शून्य उत्सर्जन

प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे के लिए 2030 तक नेट ज़ीरो का लक्ष्य रखा है। तेजी से हो रहे विद्युतीकरण और सड़क से रेल की ओर शिफ्ट हो रहे यातायात से भारतीय रेल 2025 तक ही स्कोप 1 नेट ज़ीरो का लक्ष्य हासिल कर लेगी। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेल सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है। हर ट्रैक का विद्युतीकरण, हर सोलर पैनल और सड़क से हटाया गया हर कंटेनर, हमारे देश और पर्यावरण के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक कदम है।

(लेखक केन्द्रीय रेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं।)

॥गीता॥

श्लोक : उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

भावार्थ : कोई भी काम कड़ी मेहनत के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है सिर्फ सोचने भर से कार्य नहीं होते है, उनके लिए प्रयत्न भी करना पड़ता है। कभी भी सोते हुए शेर के मुंह में हिरण खुद नहीं आ जाता उसे शिकार करना पड़ता है।

जीवन दर्शन

मन बदलिए – तभी बचेगी पृथ्वी

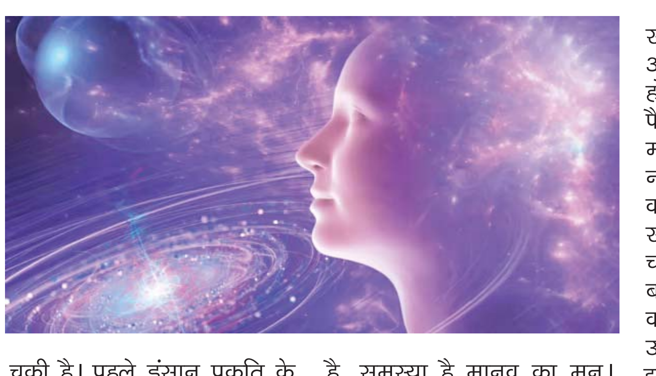

हर साल 5 जून को पर्यावरण दिवस बड़े जोर-शोर से मनाया जाता है। नेता भाषण देते हैं, स्कूलों में रैली निकलती है, सोशल मीडिया पर सेव अर्थ के पोस्ट की भरमार लग जाती है। लेकिन ज़रा पीछे हटकर सोचिए – क्या ये दिखावटी प्रयास धरती को सच में बचा पा रहे हैं? यदि पर्यावरण संकट आज भी गहराता ही जा रहा है, तो क्या यह प्रमाण नहीं कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचे ही नहीं हैं? हम ट्री प्लांटेशन की तस्वीरें खिंचवाकर संतुष्ट हो जाते हैं, पर अपने जीवन में कोई असली परिवर्तन नहीं लाते। क्या आपने कभी अपने जीवन में यह पूछा है कि आप धरती के लिए एक बोझ हैं या एक आशीर्वाद? मनुष्य की लालसा असीमित हो चुकी है। पहले इंसान प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीता था, आज वह प्रकृति को उपभोग की वस्तु मान बैठा है। आज हर इंसान पाँच गुना ज़्यादा संसाधन चाहता है, जितना पृथ्वी दे सकती है। हर साल हम 1.7 पृथ्वी जितने संसाधन खर्च कर रहे हैं। पर्यावरण की कोई समस्या नहीं है, समस्या है मानव का मन। जब तक यह मन लालची है, जब तक जीवन दिखावे और उपभोग का पर्याय बना रहेगा – कोई पर्यावरण सम्मेलन, कोई तकनीकी समाधान धरती को नहीं बचा पाएगा। उपभोग की संस्कृति से अलग हटिए, ज़रूरत और लालच के बीच की रेखा समझें। मौन और ध्यान का अभ्यास कीजिए – शांति अंदर होगी, तो बाहर हिंसा नहीं फैलेगी। प्रकृति को उपासना मानिए, प्रॉपर्टी नहीं। पहाड़, नदियाँ, वन ये कमाई नहीं, करुणा के प्रतीक हैं। यदि हम सच में पर्यावरण को बचाना चाहते हैं, तो हमें भीतर से बदलना होगा। हमें कम जीने की कला सीखनी होगी- कम उपभोग, कम इच्छा, कम प्रचार। हमें एक ऐसा जीवन जीना होगा जो प्राकृतिक, साधारण और संतुलित हो। जब तक जीवन का उद्देश्य केवल आनंद लेना है, तब तक हम इस धरती का अनादर ही करेंगे। पर जब जीवन साधना बन जाए, तब हर सांस से प्रकृति को प्रणाम होगा।

आचार्य प्रशांत

अपने कुनबे को जल्द बढ़ा सकते हैं सीएम

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री दिल्ली में जल्द कर सकते हैं नेतृत्व से चर्चा, दो से तीन मंत्री हो सकते हैं शामिल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा भले ही अपने अगले अध्यक्ष के बारे में फैसला नहीं कर पाई हो, लेकिन उसकी सरकार के मुखिया जल्द ही अपने कुनबे (मंत्रिमंडल) का विस्तार कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो दो से तीन नए मंत्री कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों की मानें तो पचमढ़ी में चिंतन शिविर के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. यादव दिल्ली में संभावित विस्तार को लेकर नेतृत्व से चर्चा कर सकते हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में सरकार से जुड़ी राजनीतिक नियुक्तियों से लेकर सत्ता में बैठी भाजपा अपने संगठन में नए सिरे से नेतृत्व को लेकर प्रक्रियाधीन है। ऐसा माना जा रहा है कि सरकार की व्यस्तता और संगठनात्मक कार्यक्रमों के बीच अब जल्द ही मुख्यमंत्री अपनी टीम को बढ़ा सकते हैं। जिसमें दो तीन नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। इसके साथ ही कुछ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में फेरबदल होने की बात भी सामने आ रही है, तो मुख्यमंत्री स्वयं अपने कुछ विभाग मंत्रियों को सौंप सकते हैं। खबर यह भी है कि कुछ अहम विभाग स्वंतत्र प्रभार के राज्यमंत्रियों से लेकर कैबिनेट मंत्रियों को दिए जा सकते हैं। विधानसभा में सदस्यों की संख्या के आधार पर प्रदेश सरकार में सीएम के अलावा 34 मंत्री हो सकते हैं। मौजूदा समय में 31 मंत्री हैं, ऐसे में 4 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। विधानसभा चुनाव के उपरांत 27 दिसंबर 2023 में डॉ. मोहन यादव ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था, तब उन्होंने 29 विधायकों को शपथ दिलाई थी। इसके लगभग एक साल बाद कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रामनिवास रावत को भी कैबिनेट मंत्री बनाकर वन विभाग सौंपा गया था, लेकिन विधानसभा का उपचुनाव हराने के बाद उन्हें मंत्री परिषद से इस्तीफा देना पड़ा।

मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल की संभावना

सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री अपने कुछ मंत्रियों के कामकाज को लेकर वैसे संतुष्ट नहीं हैं, जिस तरह से उन्हें विभाग सौंपते वक्त उनसे उम्मीद जताई गई थी। ऐसे में सीएम कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल कर सकते हैं। हालांकि विकसित मध्यप्रदेश को लेकर लेकर जिस रोडमैप पर सीएम काम कर रहे हैं, उसे पूरा करने उनके द्वारा व्यक्तिगत तौर पर प्रयास भी किया जा रहा है, लेकिन कुछ विभागीय मंत्रियों की चाल अपेक्षाकृत ढीली होने से उन्हें वैसे परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं, जैसा वे चाहते हैं। ऐसे में इन मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया जा सकता है।

ये बड़े नाम दावेदार

जब भी मंत्रिपरिषद का विस्तार होगा तो निर्णयकर्ताओं के सामने कई बड़े चेहरे सामने आएंगे, जिनके बारे में मंथन किया जाएगा। इनमें नौ बार के विधायक पंडित गोपाल भार्गव, तीन बार के विधायक भूपेन्द्र सिंह, चार बार की विधायक अर्चना चिटनिस और पांच बार के विधायक संजय पाठक जैसे नाम चर्चाओं में लिए जा रहे हैं। हालांकि भाजपा नेतृत्व चौकान्ने वाले निर्णय लेता है। ऐसे में कुछ नए विधायकों की भी लॉटरी लग सकती है।

चार विधायकों को मंत्री पद दे सकते हैं मुख्यमंत्री

ऐसे में अभी भी डॉ. यादव 4 विधायकों को मंत्री पद दे सकते हैं। हालांकि विश्लेषक मान रहे हैं कि नेतृत्व के लिए यह काम आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि जिस तरह से वरिष्ठतम विधायक मंत्री बनने की कतार में हैं उनके दावों को अनदेखा करने और क्षेत्रीय से लेकर जातिगत संतुलन साधने के लिए तीन-चार चेहरों की तलाश में निर्णयकर्ताओं में पसीना ला सकते है। यदि जातिगत समीकरण पर फोकस करें, तो मौजूदा मंत्रि परिषद में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व लगभग 51 फीसदी मतदाता वाले ओबीसी वर्ग से है। इसमें सीएम मोहन यादव सहित कुल 13 मंत्री इस वर्ग से आते हैं। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी अच्छी खासी है और उनके वोट राजनीतिक दलों का भविष्य तय करने की क्षमता रखते हैं। राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के बाद अगर दूसरे किसी समाज की सबसे ज्यादा आबादी है तो वो हैं अनुसूचित जनजाति के लोग जो कुल जनसंख्या का तकरीबन 20 प्रतिशत हैं और इस वर्ग से आने वाले 5 विधायक मंत्री पद पर बैठे हुए है। इतने ही मंत्री अनुसूचित जाति से आते है। सवर्ण मंत्रियों की संख्या भी 8 है। अलग-अलग वर्ग से आने वाली 5 महिला विधायक भी मोहन कैबिनेट का हिस्सा है।

सिर्फ कागजों में उगे पौधे कम हुआ वनक्षेत्र : सिंघार

पौधरोपण अभियान पर खड़े किए सवाल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार द्वारा पिछले एक दशक से किए जा रहे पौधारोपण पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ कागजों पर ही पौधे उग रहे हैं, जबकि हकीकत तो यह है कि पिछले दो साल में सूबे का वन क्षेत्र 371 वर्ग किमी कम हुआ है। कांग्रेस नेता इन इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सरकार पर्यावरण के नाम पर आयोजन करती है,लेकिन स्थिति यह है कि भारत की राज्य वन रिपोर्ट 2023 के अनुसार सिर्फ दो वर्षो में मध्यप्रदेश से 371 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र कम हो गया है। उन्होंने आगे लिखा कि वर्ष 2016-17 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 6 करोड़ पौधे लगाने का दावा किया और विश्व रिकार्ड की बात कही।लेकिन ये पौधे सिर्फ सरकारी कागजों में ही उग पाए हैं। स्थिति यह है कि राज्य के कई शहरों का प्रदूषण स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। पिछले 10 वर्षो से भोपाल की हरियाली में 10 प्रतिशत की कमी आई है। सिंघार ने कहा कि प्रदेश सरकार विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बड़े-बड़े कार्यक्रम कर रही है। इस पर वे जनता को भाजपा सरकार के पिछले 10 साल में पर्यावरण संरक्षण की कुछ उपलब्धियां बता रहे हैं। रिपोर्ट के बाद भी सरकार सचेत नहीं हो रही है और सिर्फ अपने खोखले वादे और दिखावटी कार्यक्रम जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि सरकार को जमीन पर ठोस काम करना चाहिए। क्योंकि सरकार लगातार पर्यावरण को लेकर जिस तरह के वादे कर रही है उन्हें अब तक धरातल पर देखा नहीं गया। इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन सार्थक परिणाम देखने को नहीं मिल रहे हैं।

"ट्वीट ऑफ द डे"

वैभव सूर्यवंशी
क्रिकेटर

आईपीएल में खेलना हर किसी के लिए एक सपने जैसा है और मुझे अपने पहले सत्र से बहुत सारी सकारात्मक चीजें मिलीं और मैंने यह भी सीखा कि मैं अगले सत्र में टीम के लिए क्या कर सकता हूं। अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीखकर और सुधार करूंगा। अगले सीजन में दोगुना प्रदर्शन करने की कोशिश रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

भोपाल में कोरोना के तीन और केस मिले, एमपी में तेजी से बढ़ रही संख्या

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। शहर में कोरोना संक्रमण का प्रसार तेज हो गया है। मंगलवार को पहला मामला सामने आने के बाद गुरुवार को तीन और नए मरीजों में इसकी पुष्टि हुई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी नहीं दी जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को तीन व्यक्तियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसमें दो लोग पहले कोरोना मरीज के संबंधित बताए जा रहे हैं। जबकि एक मरीज की ट्रेवल हिस्ट्री के आधार पर जांच हुई और उसमें कोरोना पाजिटिव पाया गया। भोपाल में इस सीजन में कोरोना के चार केस हो गए हैं। यह अच्छी बात है कि इनमें से कोई भी मरीज गंभीर हालत में नहीं है, सभी की स्थिति सामान्य है और होम आईसोलेशन में हैं। मध्यप्रदेश में कोरोना के 50 केस सामने आ चुके हैं। इससे ज्यादा चिंताजनक स्थिति यह है कि बुधवार और गुरुवार को 17 नए केस सामने आए हैं। अब 36 कोरोना के केस एक्टिव हैं। इनमें से दो मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। अकेले गुरुवार की बात करें तो 9 नए केस मिले हैं। जिसमें सबसे ज्यादा इंदौर के 5 समेत राजधानी भोपाल और ग्वालियर के दो-दो केस शामिल हैं।

आठ से दस तक चलेगा सड़क निरीक्षण अभियान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर मप्र सड़क विकास निगम के मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक निर्माणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीक उपयोग व पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यप्रणाली में प्राथमिकता के रूप में शामिल करेगा। उन्होंने विभाग की पर्यावरणीय सोच और भविष्य की कार्यनीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग है। कार्यशाला में सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव एवं तकनीकी सलाहकार राजेंद्र कुमार मेहरा, प्रमुख अभियंता कृष्णपाल सिंह राणा, प्रमुख अभियंता एसआर बघेल, भवन विकास निगम के प्रमुख अभियंता अनिल श्रीवास्तव, सभी मुख्य अभियंता और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परिक्षेत्र स्तर पर सभी विभागीय इंजीनियर उपस्थित थे। मंत्री सिंह ने आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए 8 से 10 जून तक राज्यव्यापी सड़क निरीक्षण अभियान चलाने की घोषणा की। इसमें सभी अभियंता सड़कों की स्थिति, जलभराव, गड्ढों और रखरखाव की जरूरतों का आंकलन करेंगे।

अपनी बेटी से रेप कराने वाली भाजपा नेत्री अरेस्ट

हरिद्वार, जेएनएन। उत्तराखंड के हरिद्वार में ममता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां पर अपनी ही नाबालिग बेटी का अपने दोस्तों से यौन शोषण कराने का आरोप लगा है। महिला भाजपा में मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुकी है। आरोप है कि उसने 13 साल की बेटी को कई लोगों के पास भेजा। महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके एक दोस्त सुमित को भी गिरफ्तार कर लिया है जबकि महिला के एक अन्य दोस्त की तलाश की जा रही है। वहीं, भाजपा ने आरोपी महिला को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। यह मामला तब खुला जब बेटी को गुमशुम देखकर महिला के पति को शक हुआ। पिता ने बातचीत की तब बेटी ने मां के द्वारा अपने बॉयफ्रेंड सुमित पटवाल समेत अन्य व्यक्तियों से उसका यौन शोषण कराये जाने की बात बताई।

घर से लापता दो भाइयों के शव गांव के कुएं में मिले

जागरण, खंडवा। घर से लापता हुए दो सगे भाइयों का शव गांव के ही कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची और मर्ग कायम कर दोनों शव को पोस्टमार्टम के भिजवा दिया है। दो भाइयों की मौत से जहां गांव में मातम पसरा है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दरअसल घटना खंडवा के ग्राम छाल्पी की है जहां लापता दो सगे भाइयों का शव गांव के ही पास के एक कुएं में तैरता मिला।

एमपी कैडर के 9 ट्रेनी आईएएस को डीजीपी की सलाह

साहब, अहंकार के बजाय चरित्र व कार्यशैली से मिलेगी मंजिल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर में 2024 बैच के लिए चयनित 9 परिवीक्षाधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अफसरों ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) पहुंचकर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा से मुलाकात की। इस अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षु आईएएस अफसरों में आशीष कुमार, अनिकेत शांडिल्य, आकाश अग्रवाल, आशीष अशोक पाटिल, एस. एस. श्रीराम, कुलदीप पटेल, फरहान जामदार, ऋषिकेश ठाकरे और नवकिरण कौर शामिल रहे। डीजीपी ने कहा कि वे अपनी ट्रेनिंग के दौरान पूरी तन्मयता से काम सीखें, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं सही ढंग से आम जनता तक पहुंच सकें। उन्होंने सलाह दी कि अपने अधीनस्थ अमले से भी किसी प्रकार की सीख लेने में संकोच न करें और अहंकार से दूर रहते हुए विनम्रता कायम रखें।

मीडिया और जनता से जीवंत संपर्क जरूरी

डीजीपी ने अफसरों से कहा कि नौकरी में साहबपन दिखाने के बजाय अपने चरित्र और कार्यशैली पर फोकस कर उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें, क्योंकि जनता की निगाह आप पर सदैव बनी रहती है। आज के दौर में मीडिया बेहद सक्रिय है। हर समय सजग रहकर जनता से जीवंत संपर्क के जरिए सफलता पाई जा सकती है। मकवाणा ने अफसरों को उज्वल भविष्य की बधाई देते हुए कहा कि जनता से लगातार बातचीत के जरिए उनकी जरूरतों और अपेक्षाओं को समझने में मदद मिलेगी, जिससे अधिक प्रभावी परिणाम हासिल होंगे। डीजीपी ने इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की अहमियत बताते हुए कहा कि इसके जरिए काम में पारदर्शिता और दक्षता लाई जा सकती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम करने योगदान दें : सीएम

पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सबको स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में योगदान देना होगा। वायु की गुणवत्ता में सुधार, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत जवाबदेही और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण अनुकूल उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय पौराणिक कथाओं में वृक्षों, नदियों, पहाड़ों के साथ-साथ वन्यजीवों की पूजा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी गई है, हमें इनसे प्रेरणा लेनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस है और गंगा दशहरा भी आज है। दोनों भारतीय संस्कृति के लिए विशेष महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ जोड़ा है। राज्य सरकार आज से इस अभियान की शुरुआत कर रही है। हमारी संस्कृति में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के बराबर माना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार संस्कृति को संरक्षित करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। पर्यावरण दिवस पर सभी पुरस्कार विजेता बधाई के पात्र हैं। बदलते दौर में प्लास्टिक के उपयोग को लेकर री-यूज, रि-साइकिल की बात कही जा रही है, यह प्रक्रियाएं भारतीय जीवनशैली में पहले से ही विद्यमान हैं। हमने नेट जीरो एमीशन का लक्ष्य रखा है।

इसी आधार पर 2030 तक प्रदेश की ऊर्जा क्षमता को 500 गीगा वॉट तक बढ़ाने की योजना बनाई गई है। जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अब तक 60 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध 75 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। तीन महीने के इस अभियान में 95 हजार 500 कुओं को रीचार्ज किया गया है और 1225 अमृत सरोवरों का जीर्णोद्धार हुआ है। सीएम ने कहा कि जब नदियों पर बांध बनाए जाते हैं तो किसानों को भी लाभ मिलता है और सिंचाई का रकबा बढ़ता है।

अब 55 लाख हेक्टेयर तक भूमि हुई सिंचित

सूत्रों 2002-03 तक प्रदेश की सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित थी, जो अब 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई है। विश्व का पहला नदी जोड़ो अभियान प्रदेश में चल रहा है, जिसके अंतर्गत दो नदियों को जोड़कर जल भंडारण क्षमता और उपयोगिता बढ़ाई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केन-बेतवा लिंक परियोजना का भी भूमि-पूजन किया है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्थान के साथ वर्षों से लंबित जल बंटवारे का समाधान निकाला। प्रदेश की जलराशियां पड़ोसी राज्यों को भी समृद्धि प्रदान करती हैं। किसी राज्य को ज्यादा पानी भी मिल जाए तो कोई बुराई नहीं। भारतीय संस्कृति में उदारता का भाव समाया हुआ है। महाराष्ट्र सरकार के साथ तापी मेगा रिचार्ज परियोजना पर सहमति बन चुकी है। इस पर बांध बनाकर प्राकृतिक रूप से ग्राउंड वाटर को रिचार्ज किया जाएगा। जल भंडारण क्षेत्र में यह दुनिया का सबसे अनोखा प्रयोग होगा।

जातिगत समीकरण के आधार पर बनेंगे कांग्रेस के जिलाध्यक्ष

प्रदेश के कई बड़े नेता बनाए गए पीसीसी पर्यवेक्षक, केन्द्रीय पर्यवेक्षकों के निर्देश पर करेंगे काम

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में अपनी जमीन मजबूत बनाने के लिए 61 पर्यवेक्षकों की मदद करने 165 सहयोगियों की नियुक्ति कर दी है, जिनके हाथ में एक फोल्डर थमाया गया जिसमें हर जिले का पूरा जातिगत डेटा और समीकरण बताए गए हैं। कहा जा रहा है कि जिलाध्यक्ष के चयन के वक्त पर्यवेक्षक इस बात का ध्यान देंगे कि उनके द्वारा चिन्हित चेहरे वहां के जातिगत समीकरण को पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। गौरतलब है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भोपाल में संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ कर केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा तय पर्यवेक्षकों और पीसीसी के सह पर्यवेक्षकों को जमीनी स्तर संगठन को मजबूत बनाने और जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करने की जवाबदारी सौंपी है। बताया गया है कि इस पर्यवेक्षकों को एक फोल्डर दिया गया है। जिसमें उन्हें सौंपे गए जिले के बारे में जातिगत और वहां के राजनीतिक समीकरण की विस्तृत जानकारी दी गई है। साथ ही उन्हें संबंधित जिले के बारे में लिखित तौर पर बताया गया है। जानकारों की माने तो ऑब्जर्वर जब अपने जिलों में संबंधित जिलाध्यक्षों की तलाश करेंगे,तो उन्हें इस बात का ध्यान देना होगा कि चेहरे वहां के राजनीतिक और जातिगत समीकरण

पर पूरी तरह से फिट बैठ रहे है या नहीं। इसके बाद ही उनकी पार्टी में सक्रियता और दूसरे पैरामीटर देखे जाएंगे। बताया गया है कि प्रथम चरण में ये पर्यवेक्षक अपने-अपने जिलों में कम से कम 6 दिन रहेंगे। इस दौरान उन्हें जिले में आने वाली हर विधानसभा क्षेत्र की आम सहमति से जिलाध्यक्षों के दावेदारों के नाम खोजने होंगे। पर्यवेक्षकों को काम 20 दिन में करना होगा। इसके बाद उन्हें दूसरे बिन्दुओं पर फोकस होकर अपने टास्क को पूरा करना पड़ेगा। जानकारों की माने तो कांग्रेस 30 जून तक अपने जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों के नामों का चयन कर लेंगी। पर्यवेक्षक अपने जिलों के प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे.जिसमें उन्हें संगठन सृजन अभियान के बारे में जानकारी दी जाएगी। उनके द्वारा कार्यकर्ताओं से संवाद भी किया जाएगा और फिर जिला स्तर पर फ्रंटल आर्गेनाइजेशन विभागों,प्रकोष्ठों की जिला कमेटी से भी चर्चा करनी होगी। इसके उपरांत पर्यवेक्षक सभी ब्लॉक कमेटियों के साथ बैठकें करेंगे,जिसमें स्थानीय निर्वाचित जनप्रतिनिधि या पूर्व विधायक.सासंद व अन्य पदाधिकारियों के साथ उनका संवाद होगा। इसके उपरांत उनके द्वारा कार्यकर्ताओं के माध्यम से जिलाध्यक्ष के लिए लिए गए नामों का पैनल बनाया जाएगा।

ग्राम पंचायत कमेटी का होगा गठन

जानकारों की माने तो पर्यवेक्षकों द्वारा जिलाध्यक्षों के नामों का जो पैनल तैयार किया जाएगा,उसकी समीक्षा20 जून को की जाएगी। इसके उपरांत केन्द्रीय ऑब्जर्वर अपने आवंटित जिले में अपनी ओर से हर विधानसभा में एक प्रतिनिधि भेजेंगे,जो वहां जाकर पंचायत स्तर व एक शहरी क्षेत्र में वार्ड कमेटी के लिए कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर उनके साथ बैठक करेंगे। इसी तरह ग्राम पंचायत कमेटी का भी गठन किया जाएगा।

सत्य के प्रवक्ता बनकर समाज में जाएं मोर्चा कार्यकर्ता: शर्मा

पार्टी दफ्तर में प्रदेश स्तरीय बैठक को किया संबोधित

विसं भोपाल । प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा है कि बाबा साहब अंबेडकर को कांग्रेस ने किस तरह अपमानित किया था और भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सम्मान में क्या-क्या कदम उठा रहे हैं, इस सत्य के प्रवक्ता बनकर मोर्चा के कार्यकर्ता समाज में जाएं। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोर्चा पार्टी में एक बड़ी ताकत है और उसकी भूमिका सर्वव्यापी है। कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम किया और जो रचना बनाई, उसका परिणाम हमें लोकसभा और विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक सफलता के रूप में दिखाई दिया। सभी जानते हैं कि कांग्रेस की सरकारों ने बाबा साहेब अंबेडकर के साथ कैसा व्यवहार किया। प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी ने उनकी जयंती से डॉ. अंबेडकर सम्मान अभियान शुरू किया है। इस अभियान के दौरान हमने समाज के प्रबुद्धजनों तक पहुंचकर बाबा साहब के प्रति कांग्रेस के व्यवहार और भाजपा सरकारों द्वारा उनके सम्मान के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी देना है। मोर्चा के कार्यकर्ता इस कार्य को समयसीमा में पूरा करें। अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने कहा कि मोर्चा पदाधिकारी प्रत्येक जिले में 25 लोगों को चुनाव करें। ये सभी 25 लोग पांच-पांच घरों में जाकर यह बताएं कि बाबा साहब अंबेडकर जी के सम्मान के लिए भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों ने क्या काम किए हैं।

योजना | प्रदेश में केवल 20 लाख तक की ई-कार टैक्स फ्री, लग्जरी ई-कार खरीदना हुआ मुश्किल

दो विभागों में उलझकर रह गई सरकार की नई ई व्हीकल पॉलिसी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने हाल ही में अपनी नई ई-व्हीकल पॉलिसी जारी की है। इस नीति में बैटरी से चलने वाली ई-बाइक, थ्री-व्हीलर, कार, बस, ट्रक, ट्रैक्टर और एम्बुलेंस को रजिस्ट्रेशन टैक्स में छूट देने का प्रावधान है। हालांकि, सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से ई-कारों के लिए 20 लाख रुपए की मूल्य सीमा तय कर दी है, जबकि अन्य सभी सेगमेंट के वाहनों को बिना किसी मूल्य सीमा के टैक्स से पूरी तरह मुक्त रखा है। इस नीति का खामियाजा उन लोगों के एक बड़े वर्ग को उठाना पड़ रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अपनी डीजल और पेट्रोल से चलने वाली लग्जरी कारों को ई-कारों से बदलना चाहते हैं। हकीकत यह है कि 20 लाख रुपए में कोई भी लग्जरी ई-कार उपलब्ध नहीं है और इससे अधिक कीमत वाली ई-कार खरीदने पर दो लाख रुपए तक का टैक्स लग रहा है। इसकी वजह से खरीदार अपनी सुविधाओं के अनुसार महंगी ई-कार खरीदने से परहेज कर रहे हैं और डीजल,पेट्रोल, सीएनजी वाले वाहन ही खरीद रहे हैं, जिससे भोपाल समेत पूरे मध्य प्रदेश में लग्जरी ई-कारों की बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

दो विभागों में उलझा है मामला

इस बारे में प्रदेश के परिवहन विभाग का दावा है कि सभी ई-व्हीकल को टैक्स में छूट के लिए नियमों का निर्माण नगरीय प्रशासन विभाग ने किया था और इसके पालन के लिए परिवहन विभाग को अधिकृत किया गया है। प्रदेश के परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा के अनुसार, इस नियम में किसी भी तरह के बदलाव की जिम्मेदारी नगरीय प्रशासन विभाग के ही पास है। हालांकि, नगरीय प्रशासन विभाग को बाडा ने ई-कार पर टैक्स में 20 लाख तक छूट की सीमा को खत्म किए जाने के कई ज्ञापन दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव के अनुसार, ज्ञापन में जिन बिंदुओं पर संशोधन की मांग बाडा द्वारा की गई है, वे सीधे तौर पर परिवहन विभाग से जुड़े हैं। इस कारण परिवहन विभाग को इन बिंदुओं पर विचार कर निर्णय लेने को कहा गया है।

फिलहाल ई-व्हीकल में टैक्स से छूट के ये हैं प्रावधान

वाहन का प्रकार	मोटरयान कर में छूट
ई-दोपहिया वाहन	26/03/2026 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत
ई-तीन पहिया वाहन	26/03/2026 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत
ई-कार	20 लाख तक कीमत वाली 26/03/2026 तक पंजीकृत ई-कारों पर 100 प्रतिशत
ई-एलसीवी	26/03/2026 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत
ई-बस	26/03/2027 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत
ई-ट्रक	26/03/2027 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत
ई-ट्रैक्टर	26/03/2027 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत
ई-एम्बुलेंस	26/03/2027 तक पंजीकृत वाहनों पर 100 प्रतिशत

प्रथम पृष्ठ के शेष

कर्जदारों को बड़ी राहत......

कटौती के बारे में जानकारी देते हुए आरबीआई गनर्वर संजय मल्होत्रा ने बताया कि बैठक में एसडीएफ (स्टैंडिंग डिपोजिट सुविधा) रेट 5.75 से घटाकर 5.25 प्रतिशत किया गया है, जबकि एमएसएफ (मार्जिनल स्टैंडिंग सुविधा) रेट को भी 6.25 से घटाकर 5.75 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता बरकरार रहने की बात कहते हुए वित्त वर्ष 25-26 में महंगाई अनुमान भी जाहिर किया और ये 3.7 प्रतिशत पर रखा गया है। इससे पहले ये 4 फीसदी जताया गया था। कैश रिजर्व रेशियो (सीआरआर) को भी 4 फीसदी से 100 बेसिस पॉइंट घटाकर 3 फीसदी करने का फैसला किया गया है। रेपो रेट का सीधा कनेक्शन बैंक लोन लेने वाले ग्राहकों से होता है। इसके कम होने से लोन की ईएमआई घट जाती है और इसमें इजाफा होने से यह बढ़ जाती है। दरअसल, रेपो रेट वह दर है, जिस पर किसी देश का केंद्रीय बैंक धन की किसी भी कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसा उधार देता है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वे अकसर इसका फायदा ग्राहकों को देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

आर्थिक वृद्धि को मिलेगा सपोर्ट : रिजर्व बैंक के गवर्नर ने रेपो रेट कट का ऐलान करते हुए इस कदम को आर्थिक वृद्धि को सपोर्ट करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि भारत लगातार निवेश के लिए फेवरेट डेस्टिनेशन बन रहा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार बढ़ रहा है और ये फिलहाल 691.5 अरब डॉलर पर पहुंच चुका है।

प्रधानमंत्री ने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण ...

चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है। पीएम मोदी सबसे आखिर में कटरा पहुंचे। यहां के रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कश्मीर को जोड़ने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। नॉर्दर्न रेलवे 7 जून से कटरा-श्रीनगर रूट पर वंदे भारत ट्रेन सर्विस शुरू कर देगी। आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर टिकट बुकिंग की जा सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

यून दंपति के खिलाफ विशेष जांच विधेयक पारित

सोल, जेएनएन। दक्षिण कोरिया की संसद ने गुरुवार को भारी बहुमत से तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित किया, जिनके तहत पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा दिसंबर 2024 में थोपे गए संक्षिप्त मार्शल लॉ, उनकी पत्नी पर लगे आपराधिक आरोपों और 2023 में एक मरीन की बाढ़ बचाव अभियान के दौरान हुई मौत की स्वतंत्र जांच शुरू की जाएगी। इन विधेयकों को यून के कार्यकाल और कार्यवाहक सरकार ने पहले वीटो कर दिया था। लेकिन अब राष्ट्रपति ली जे-म्यंग, जिन्होंने हाल ही में यूं के महाभियोग के बाद हुए मध्यावधि चुनाव में जीत दर्ज की है, इन विधेयकों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं। ली ने एकता और ध्रुवीकरण समाप्त करने का वादा करते हुए चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्होंने यूं की सत्ता दुरुपयोग की जांच को भी जरूरी बताया है।

कासिम और आसिम की रिमांड 7 दिन बढ़ी

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कासिम और आसिम की पुलिस रिमांड की अवधि की पटियाला हाउस कोर्ट ने सात दिन के लिए बढ़ा दिया है। कोर्ट ने 12 जून को दोनों को पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में दोनों का हर 48 घंटे में मेडिकल चेकअप कराने को कहा है। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की ओर से पेश वकील ने सात दिन की रिमांड की अवधि बढ़ाने की मांग की। कहा कि बरामद मोबाइल से कई सारी जानकारियां हासिल हुई हैं। उससे संबंधित पूछताछ करनी है और इसमें संलिप्त बाकी की तलाश करनी है। लिहाजा रिमांड की अवधि को सात दिन के लिए बढ़ा दिया जाए. जिसके बाद कोर्ट ने यह आदेश दिया है।

ट्रंप-पुतिन की बातचीत के बाद यूक्रेन पर हमला

कीव, जेएनएन। रूस ने यूक्रेन के प्रिलुकी शहर पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। हमले में बच्चे की मां और दादी की भी मौत हो गई। इसके अलावा, ड्रोन हमले से शहर में छह लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ। अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब 5:30 बजे प्रिलुकी के एक रिहायशी इलाके में छह ड्रोनों ने हमला किया। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि ड्रोन हमले में जिस बच्चे की मौत हुई है, वह एक आपातकालीन कर्मचारी का पोता था।

बीजापुर में 40 लाख का इनामी नक्सली ढेर

रायपुर, जेएनएन। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। डीआरजी और एसटीएफ के संयुक्त ऑपरेशन में नक्सली संगठन की सेंट्रल कमेटी का सदस्य सुधाकर मारा गया. सुधाकर पर 40 लाख का इनाम था। मुठभेड़ बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में हुई। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है और मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। हालांकि सुधाकर को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जवान अभी भी इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि लगातार तलाशी ली जा रही है।

यूएनएससी में वैश्विक सहमति के बावजूद पारित नहीं हो सका बिना शर्त, स्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव

गाजा में युद्धविराम पर यूएस का वीटो

नई दिल्ली, जेएनएन। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग वाले प्रस्ताव पर वोटिंग हुई, इसमें अमेरिका ने अकेले वीटो लगाकर इस प्रस्ताव को रोक दिया। यह प्रस्ताव गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए लाया गया था और इसे अन्य 14 सदस्य देशों का समर्थन मिला, जबकि प्रस्ताव के खिलाफ एकमात्र अमेरिका ने वोट डाला। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शिया ने वोटिंग से पहले कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका किसी ऐसे प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा, जिसमें हमास की निंदा न की गई हो और जिसमें हमास के गाजा छोड़ने की मांग न हो।

उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिका के नेतृत्व में चल रही युद्धविराम की कोशिशों को भी कमजोर करेगा। यह वीटो इस बात को दोहराता है कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपने सबसे करीबी सहयोगी और सबसे बड़े सैन्य सहायता प्राप्तकर्ता इजरायल के साथ खड़ा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध रोकने के लिए दबाव लगातार बढ़ रहा है।

यूएनएससी में प्रस्ताव पर वोटिंग ऐसे समय हुई है, जब इजरायल ने मार्च में 2 महीने के युद्धविराम को समाप्त करते हुए गाजा में फिर सैन्य अभियान शुरू कर दिया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक बुधवार को इजरायली हमलों में 45 लोगों की मौत हुई, जबकि इजरायल ने कहा कि उसका एक सैनिक भी मारा गया। गाजा में 20 लाख से अधिक लोग फंसे हुए हैं, जहां अकाल की स्थिति बन रही है और जरूरी सामान की भारी कमी है, भले ही इजरायल ने 11 सप्ताह से जारी नाकेबंदी को हाल ही में खत्म किया हो, लेकिन वहां हालात सामान्य नहीं हुए हैं। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शिया ने कहा कि हम शांति चाहते हैं, लेकिन शांति का मतलब हमास को फिर से मजबूत होने देना नहीं हो सकता।

> *अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शिया ने वोटिंग से पहले कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका किसी ऐसे प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा, जिसमें हमास की निंदा न की गई हो और जिसमें हमास के गाजा छोड़ने की मांग न हो। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिका के नेतृत्व में चल रही युद्धविराम की कोशिशों को भी कमजोर करेगा।*

हमास ने अमेरिका के वीटो की निंदा की: हमास ने अमेरिकी वीटो की निंदा करते हुए कहा कि यह अमेरिका के अंध समर्थन को दर्शाता है. प्रस्ताव में हमास और अन्य संगठनों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की तुरंत और बिना शर्त रिहाई की मांग भी शामिल थी।

समर्थन देने वालों को इजरायल ने घेरा: इजरायल ने स्थायी युद्धविराम की मांग को खारिज कर दी है। इजरायल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डैनी डैनन ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट करने वाले सदस्यों पर निशाना साधा और कहा कि आपने तुष्टीकरण, समर्पण को चुना है, यह रास्ता शांति की ओर नहीं आतंक की ओर ले जाता है।

थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

बोले- जो मानता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना पार्टी विरोधी गतिविधि, वह खुद से सवाल करे

वॉशिंगटन, जेएनएन। सांसद शशि थरूर ने अपने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में गुरुवार को कहा कि जो कोई भी यह मानता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना कोई पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे खुद से सवाल करने की जरूरत है। थरूर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भारत के रुख से अवगत कराने के लिए एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और वह इस समय अमेरिका में हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद सरकार के रुख का समर्थन करने के लिए थरूर की आलोचना की है। कांग्रेस नेता को उनकी पार्टी के एक सहयोगी ने तो 'भाजपा का महाप्रवक्ता' तक कह दिया। इसके बाद थरूर ने कहा, 'सच कहूं तो, जब कोई देश की सेवा कर रहा हो, तो मुझे नहीं लगता कि उसे इन चीजों के बारे में बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत है।' आलोचकों को संदेश के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जो कोई भी यह समझता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना किसी प्रकार की पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे हमसे नहीं, बल्कि खुद से सवाल करने की जरूरत है।'

यूएस का 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 देशों के लोगों के अमेरिका में दाखिल होने पर बैन लगा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन के लोगों के अमेरिका में जाने पर बैन लगाया है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप ने कई देशों पर ट्रेवल बैन लगाया था। हालांकि, बाद में इसे हटा दिया गया था। ट्रंप ने अमेरिका की सुरक्षा का हवाला देते हुए सात अन्य देशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इनमें बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले लोगों पर कड़े प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। ट्रेवल बैन सोमवार दोपहर 12 बजे से लागू होगा।

सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजद नेता पिनाकी संग रचाया ब्याह

नई दिल्ली, जेएनएन। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जर्मनी में शादी कर ली है। उन्होंने एक निजी समारोह में बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी की है। महुआ ने तीन मई को पिनाकी संग शादी की। महुआ ने यह तस्वीर अपने एक्स पोस्ट में शेयर की और लिखा- `आप सबकी शुभकामनाओं और प्यार के लिए शुक्रिया' इससे पहले महुआ और पिनाकी की शादी की वायरल तस्वीर में दोनों को एक-दूसरे का हाथ पकड़े देखा गया। 12 अक्टूबर 1974 को असम में जन्मी महुआ ने इन्वेस्टमेंट बैंकर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2010 में टीएमसी में शामिल हुईं। मोइत्रा पहली बार 2019 में फिर 2024 में सांसद चुनी गईं। पिनाकी मिश्रा का जन्म 1959 में हुआ था। पिनाकी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। पिनाकी बीजद से चार बार सांसद रह चुके हैं। उनकी पहली शादी से एक बेटा और एक बेटी हैं। पिनाकी के बेटे की शादी अटल बिहारी वाजपेयी के दत्तक दामाद रंजन भट्टाचार्य की बेटी से हुई है।

'ठग लाइफ' पर बंटे दर्शक: कमल हासन के प्रशंसकों का उत्सव

चेन्नई, जेएनएन। फिल्म 'ठग लाइफ' ने एक ओर कमल हासन के प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया है, वहीं दूसरी ओर यह विवादों और आलोचनाओं के घेरे में भी आ गई है। खासकर कर्नाटक में यह फिल्म विवादों का केंद्र बन गई है। दरअसल, कमल हासन के कन्नड़ के तमिल से पैदा होने संबंधी बयान दिया था। इससे कर्नाटक के कुछ स्थानीय संगठन नाराज हैं। इसके बाद राज्य में फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इस विवाद के चलते 'ठग लाइफ' कर्नाटक में रिलीज नहीं हो पाई। हालांकि, सीमा से सटे होसूर शहर में कमल हासन के प्रशंसकों ने पटाखे फोड़कर और पोस्टर लगाकर फिल्म की रिलीज का जोरदार स्वागत किया। कर्नाटक के बाहर, फिल्म ने काफी चर्चा बटोरी है। कमल हासन और सिलंबरासन टीआर के प्रशंसक सोशल मीडिया पर फिल्म की सराहना करते नजर आए, जबकि कुछ समीक्षकों और दर्शकों ने इसकी पटकथा और निर्देशन पर सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर भी यूजर्स की प्रतिक्रियाएं बंटी हुई हैं।

प्रदर्शन: पटना पहुंची डोमिसाइल नीति की आग

छात्रों की मांग

सरकारी नौकरियों में नियुक्ति नीति तत्काल लागू करने, स्थानीय अभ्यर्थियों को प्राथमिकता, बेरोजगारी पर अंकुश और पलायन पर ठोस कार्रवाई की है मांग।

पटना, जेएनएन। बिहार की सरकारी भर्ती प्रक्रिया में अधिवास नीति लागू करने की मांग को लेकर सैकड़ों छात्रों ने गुरुवार को राज्य की राजधानी में विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि बिहार झारखंड, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे अन्य राज्यों से पीछे है, जहां पहले से ही ऐसी नीतियां लागू हैं, जो सरकारी नौकरियों में स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता सुनिश्चित करती हैं। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि बिहार में ऐसी नीति का अभाव बेरोजगारी बढ़ाने और राज्य से युवाओं के बड़े पैमाने पर पलायन में योगदान दे रहा है। बड़े पैमाने पर छात्र समूह सुबह-सुबह एकत्र हुए और नारे लगाते हुए तथा सड़कें जाम करते हुए मध्य पटना में मार्च किया। पुलिस ने जब छात्रों को मुख्यमंत्री आवास के निकट प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने का प्रयास किया तो छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हल्की झड़प हो गई। संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेरिकेड्स लगाए गए हैं।

जन्मदिन पर योगी ने लगाई श्रीराम दरबार में हाजिरी

रामलला के दर्शन-पूजन के बाद, रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए सीएम

अयोध्या, जेएनएन। गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने 53वें जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को पवित्र नगरी अयोध्या पहुंचे। इस विशेष दिन पर उन्होंने श्रीरामलला मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और भगवान श्रीराम की आरती उतारी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा हेलीपैड पर उतरने के बाद सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बजरंगबली की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। हनुमानगढ़ी में पूजा के बाद वे श्रीरामलला मंदिर की ओर रवाना हुए। श्रीरामलला मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा की और उनकी आरती उतारी। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। मुख्यमंत्री ने भक्तों के साथ संवाद किया और उनकी शुभकामनाएं स्वीकारीं।

रामदरबार में आरती उतारते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गंगा दशहरा के अभिजित मुहूर्त में श्रीराम दरबार के साथ मन्दिर परिसर के सभी देवालयों में एक साथ सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा हुई।

पान सिंह तोमर की पोती के खिलाफ केस दर्ज

लखनऊ, जेएनएन। चंबल के पूर्व बागी पान सिंह तोमर की पोती बताई जाने वाली एक किशोरी ने झांसी में बिजली मीटर बदलने के विवाद में एक कनिष्ठ अभियंता पर कथित तौर पर हमला किया। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। ग्रामीण विद्युत वितरण खंड के कनिष्ठ अभियंता वैभव रावत अपनी टीम के साथ पंजाबी कॉलोनी में स्मार्ट मीटर लगा रहे थे। टीम ने पूर्व सैनिक शिवराम सिंह तोमर के घर पर मीटर बदलने की कोशिश की तो उनकी बेटी सपना तोमर ने विरोध किया और इंजीनियर से हाथापाई की। इसके बाद मामला दर्ज किया गया है।

सॉल्वर को बैठाकर परीक्षा पास करने वाले चार आरक्षकों पर केस

जागरण, मुरैना। आधार कार्ड अपडेट कराकर सॉल्वर के जरिए पुलिस भर्ती परीक्षा पास करने वाले आरक्षकों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है। गुरुवार को मुरैना में चार और ऐसे पुलिस आरक्षकों पर केस दर्ज किया है, जिन्होंने धोखाधड़ी कर परीक्षा पास की है। जानकारी के मुताबिक ये चारों आधार कार्ड की जांच में पकड़ में आ गए। चारों को पांचवी बटालियन में ज्वाइनिंग से पहले पकड़ा है। मुरैना में अब तक सात आरक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। फर्जीवाड़ा कर परीक्षा पास करने वालों की संख्या 50 के करीब हो सकती है। मालूम हो कि आरक्षक भर्ती परीक्षा साल 2023 में हुई थी, जिसे कर्मचारी चयन मंडल ने आयोजित किया था। इस मामले में अभी तक सॉल्वर, अभ्यर्थी और कियोस्क संचालक सहित 23 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने इस मामले में फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम भी रखा है। दरअसल परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों ने अपने आधार कार्ड पर सॉल्वर का फोटो और उसके फिंगरप्रिंट अपडेट करा लिए। परीक्षा के बाद अभ्यर्थियों ने वापस खुद के फोटो और बायोमैट्रिक से आधार कार्ड को वापस अपडेट करा लिया। पूरा मामला सामने आने के बाद अब उन सभी की जांच की जा रही है।

मुश्किल | भारत के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स में लंबी अवधि तक नहीं रुक रहे कर्मचारी

जीसीसी की सबसे बड़ी चुनौती बना टैलेंट रिटेंशन

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में काम कर रहे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की सबसे बड़ी चिंता अब कर्मचारियों को बनाए रखना बन चुकी है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में मौजूद 1,700 से अधिक जीसीसी में से 51 प्रतिशत ने टैलेंट रिटेंशन को सबसे गंभीर चुनौती के रूप में पहचाना है। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि भारत में प्रतिभा की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना कंपनियों के लिए दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है।

यह रिपोर्ट प्रतिष्ठित एचआर समाधान प्रदाता सीआईईएल एचआर ने प्रकाशित की है, जिसका नाम है 'सीआईईएल वर्क्स: जीसीसी- टैलेंट ट्रेंड्स एंड इनसाइट्स'। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीसीसी सेक्टर में उच्च टैलेंट मोबिलिटी, यानी कर्मचारियों का जल्दी-जल्दी नौकरी बदलना, अब एक आम प्रवृत्ति बन चुकी है। इसका मुख्य कारण सीमित करियर ग्रोथ, वेतन में असमानता और वर्क-लाइफ बैलेंस की कमी है। भारत में 76,000 जीसीसी प्रोफेशनल्स और 5,111 जॉब पोस्टिंग्स के डेटा पर आधारित इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि आज का पेशेवर माहौल बेहद प्रतिस्पर्धात्मक और अस्थिर होता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के जीसीसी में कार्यरत 52 प्रतिशत कर्मचारी वर्तमान में नई नौकरी की तलाश में हैं, जो कंपनियों के लिए चिंता का विषय है। इसके अलावा, 23 प्रतिशत जीसीसी ने नियामक अनुपालन को बड़ी चुनौती बताया, जबकि 18 प्रतिशत ने सांस्कृतिक अंतर को समस्या माना। वहीं, 8 प्रतिशत ने इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को भी एक उभरती हुई चुनौती के रूप में स्वीकार किया।

किन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा टैलेंट मोबिलिटी?

रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि यह ट्रेंड हर विभाग में एक जैसा नहीं है। 55 प्रतिशत प्रोडक्ट डेवेलपमेंट प्रोफेशनल्स और 45 प्रतिशत आईटी प्रोफेशनल्स ने बताया कि वे नई नौकरियों के लिए खुले हैं। यह इस ओर संकेत करता है कि तकनीकी और नवाचार-प्रधान भूमिकाओं में कर्मचारियों की अदला-बदली सबसे तेज है। इसके अलावा, बीते एक वर्ष में जिन कर्मचारियों ने नौकरी बदली, उनमें से 23 प्रतिशत 'प्रोडक्ट' श्रेणी से जुड़े थे, जो बताता है कि इस सेक्टर में मांग और गतिशीलता दोनों बहुत अधिक हैं।

युवा पेशेवरों में अस्थिरता सबसे अधिक: रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 0-5 साल के अनुभव वाले युवा प्रोफेशनल्स में 47.6 प्रतिशत की उच्चतम मोबिलिटी दर्ज की गई है। ये युवा विविध अनुभव, तेजी से करियर ग्रोथ और स्किल विकास के अवसरों की तलाश में बार-बार नौकरी बदलते हैं। 6-15 वर्षों के अनुभव वाले मिड-लेवल पेशेवरों में यह आंकड़ा 42.9 प्रतिशत है, जो नेतृत्व और अधिक जिम्मेदारी की आकांक्षा रखते हैं। वहीं, 16 से अधिक साल काम कर चुके वरिष्ठ पेशेवरों में मोबिलिटी सबसे कम (केवल 9.4 प्रतिशत) पाई गई, जो स्थायित्व और दीर्घकालिक प्रभाव को प्राथमिकता देते हैं।

पहनावे को लेकर मंत्री का बयान

कम कपड़े वाली लड़कियां अच्छी नहीं लगतीं: कैलाश

जागरण, इंदौर। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक बार फिर लड़कियों के पहनावे को लेकर सार्वजनिक बयान दिया है। इंदौर के नेहरू पार्क में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण करते हुए मंत्री विजयवर्गीय ने कहाकि विदेशों में कम कपड़े पहनने वाली लड़कियों को अच्छा मानते हैं। यह उनकी सोच है, लेकिन मैं इसको बिल्कुल नहीं मानता। मैं तो मानता हूं हमारे यहां महिलाएं देवी का स्वरूप है, खूब अच्छे कपड़े पहनें, अच्छा श्रृंगार करें, खूब अच्छे गहने पहनें। मेरे पास जब लड़कियां सेल्फी लेने आती हैं तो कहता हूं, बेटा पहले अच्छे कपड़े पहनकर तो आओ। मंत्री विजयवर्गीय ने छोटे भाषण से तुलना करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव व भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा भी मौजूद थे। विजयवर्गीय ने कहाकि एक पाश्चात्य कहावत है, जो अच्छी नहीं है।

नेताओं व अफसरों पर भी चुटकी ली : मंत्री विजयवर्गीय ने चेहरा दिखाने वाले नेताओं को लेकर मसखरे अंदाज में चुटकी ली। उन्होंने कहा कि हमारे सुमित मिश्रा, महेंद्र हार्डिया इन सब से कुछ न कुछ सीखता हूं। महेंद्र हार्डिया से भी सीखा। चेहरा दिखाया, 11 बजे बराबर प्रोग्राम में पहुंच जाएंगे। अगली जगह 12 बजे कार्यक्रम है तो चुपचाप फोन पर बात करते हुए सटक लेंगे और 12 बजे वहां। मैंने 3-3 बजे तक खूब शादी अटेंड की, लेकिन अब सोच लिया है कि 12 बजे तक ही शादी अटेंड करूंगा।

नीट यूजी मामले में 9 को अंतिम बहस

जागरण, इंदौर। नीट यूजी परीक्षा में बिजली गुल होने के मामले में गुरुवार (5 जून) को हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सुनवाई हुई। इसमें ज्यादा बहस नहीं हो सकी। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख सोमवार 9 जून तय की है। इसमें दोनों पक्षों में आखिरी बहस होगी। इसके साथ ही फैसला भी संभावित है। रि-एग्जाम का मौका मिलेगा या नहीं इसे लेकर फाइनल सुनवाई पर 2000 से अधिक प्रभावित छात्रों की नजर है। इससे पहले, याचिकाकर्ता छात्रों के वकील मृदुल भटनागर ने हाईकोर्ट में आवेदन लगाकर नीट यूजी के रिजल्ट की तारीख आगे बढ़ाने और तेज आंधी, बारिश के कारण बिजली गुल होने के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की थी। 29 मई की सुनवाई में इन आवेदनों पर भी बहस होना थी लेकिन नहीं हो सकी थी। इसके पहले 26 मई को सुनवाई हुई थी, जिसमें एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वर्चुअल उपस्थित हुए थे।

संकल्प से सिद्धि तक के 11 वर्ष के कार्य को जन-जन तक पहुंचाएगी बीजेपी

पन्ना। नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष के सफलतम कार्यकाल को जन जन तक पहुंचाने का कार्य भारतीय जनता पार्टी करने जा रही है। मोदी सरकार के सफलतम 11 साल पूर्ण होने के बाद आज जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई जिसमें 8 जून को मीडिया संवाद के साथ अभियान का शुभारंभ किया जाएगा 9 जून को डिजिटल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी 10 और 11 जून को जिला प्रेस वार्ता 12 से 17 जून तक विभिन्न स्थानीय कार्यक्रम के साथ अभियान आयोजित किया जायेगा, 21 जून योग दिवस, 23 जून बलिदान दिवस, 25 जून संविधान हत्या दिवस का आयोजन किया जाना है। जिला स्तरीय बैठक में मुख्य अतिथि रामबिहारी चैरसिया अध्यक्षता, जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा, विशिष्ट अतिथि उषा सोनी, मीना राजे परमार रही। अलग अलग कार्यक्रम मंडल से बूथ स्तर तक आयोजित किये जाएंगे। संकल्प से सिद्धि तक 11 साल कार्यक्रम के प्रभारी जिला महामंत्री दीपेंद्र सिंह परमार, विश्व पर्यावरण दिवस के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष रविराज यादव, योग दिवस के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अंकुर त्रिवेदी, बलिदान दिवस के प्रभारी प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा श्रीमती आशा गुप्ता, संविधान हत्या दिवस के प्रभारी बीजेपी जिला उपाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी को बनाया गया है। कार्यक्रम का संचालन बीजेपी उपाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने किया आभार जिला मंत्री कमल लालवानी ने किया जिसमें मुख्य रूप से संतोष यादव, आशा गुप्ता, शशि परमार, अंकुर त्रिवेदी, दीपेंद्र सिंह परमार, संजय सुल्लेरे, जागेश्वर शुक्ला, रामायण लोधी, कविता रैकवार, पूनम यादव, जलसी बाई, गीता कोरी, कैलाश गुप्ता, धीरू बाजपेई, विष्णु प्रताप सिंह बॉबी, सुरेश यादव, विजय पटेल, धीरेन्द्र लोधी, प्रीति पटेल, भूपेंद्र राजपूत, प्रशांत चतुर्वेदी, हरेंद्र त्रिपाठी, अरविंद राजपूत, लोकेंद्र प्रताप सिंह लकी राजा, अरुण चैरसिया, सुखराम लोधी, मनभरन सिंह, सुलभ उरमालिया, निधि पटेरिया, रत्नेश पटेरिया,दीपेश व्यास, अजय पाठक, रणजीत सिंह सोनू राजा, उदय मिश्रा, राकेश चैबे सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एनसीसी ने किया सीएम राइज विद्यालय में पौधरोपण

विद्यालय मे उपस्थित छात्रों को पेड़ लगाने का दिया गया सन्देश

पवई। शाहनगर सी.एम. राइज विद्यालय शाहनगर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आज एनसीसी इकाई द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य भरत लाल पाण्डेय एवं मुख्य अतिथि सुलभ उरमालिया एबं विशिष्ट अतिथि बृजेश त्रिपाठी, विनोद पाठक द्वारा पौधारोपण कर किया गया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में नीम, पीपल, आम, अशोक जैसे छायादार एवं औषधीय वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य ने कहा कि, वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। उनका संरक्षण हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। एनसीसी अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने भी छात्रों को पर्यावरण की महत्ता समझाते हुए नियमित रूप से वृक्षों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने %हरित भारत, स्वच्छ भारत% का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर योगदान देने का वादा किया।

आयोजित इस कार्यक्रम में खेल शिक्षक समीम खान, शिवांश चौबे, ज्ञान सिंह, राम किशुन सरावगी, शिक्षिका नेहा तिवारी,केतकी जैन,अंजू सिंह,जीतेन्द्र सिंह, नरेंद्र सिंह,नारायण गौतम उपस्तिथ रहे।

तहसील मार्ग की हालत बद से बद्तर, राहगीर हो रहे परेशान

पवई ।करीब दो वर्ष पूर्व नगरीय प्रशासन भोपाल से सड़क की मरम्मत एवं निर्णय के लिए 50 लाख रूपये की राशि नगर परिषद पवई को प्राप्त हुई थी जिसमे नगर की सड़क की मरम्मत कार्य किया जाना था ।इसके लिए नगर परिषद द्वारा बडे ही तामझाम के साथ झंडाबाजार मे कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ बाबजूद इसके कुछ मार्ग मे सी सी के ऊपर डामरीकरण करवाकर बाकी अन्य मार्ग की मरम्मत आज तक नही हो पाई गांधी से तहसील कार्यालय मार्ग की हालत सालों से बत्तर स्थिति मे जरा सी वारिस होने पर मार्ग मे जगह- जगह पानी तथा कीचड से सड़क सन जाती है लोगो को आने जाने मे परेशानी का सामना करना पडता है इसी तरह झंडाबाजार से लटोरिया मोहल्ला एवं खटीक मोहल्ला से झंडाबाजार मार्ग ऊबडखाड हो चुके है।

शाहनगर की ग्राम पंचायत रेगुआ में मनरेगा में बड़ा घोटाला : जेसीबी से काम, फर्जी मस्टर से भुगतान

पवई। शाहनगर जनपद शाहनगर की ग्राम पंचायत रेगुआ में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा के अंतर्गत एक बड़ा घोटाला सामने आया है। योजना के तहत जहां हाथ से मजदूरी कर रोजगार देने का प्रावधान है, वहीं यहां खुलेआम जेसीबी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। ग्राम पंचायत रेगुआ में मनरेगा के तहत सन्यासी बाबा के स्थान पर खेत तालाब निर्माण कार्य कराया गया एवं बुधरोड़ रोड मे पुलिया के पास खेत तालाब निर्माण कार्य कराया गया है। एवं अन्य कई निर्माण कार्य दर्शाए गए हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है। मजदूरों के नाम पर मस्टर रोल भरे गए हैं, जबकि काम मशीनों से करवाया जा रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि उन्हें कोई काम नहीं मिला, फिर भी उनके नाम पर भुगतान किया गया।

स्थानीय ग्रामीण का कहना है कि हमने तो कोई काम नहीं किया, पर हमारा नाम मस्टर में है। मशीन से खुदाई हो रही है। पैसा कौन निकाल रहा है, हमें नहीं पता। मनरेगा में मशीनों का उपयोग करना स्पष्ट रूप से नियमों के खिलाफ है। यह योजना ग्रामीणों को रोज़गार देने के लिए बनी थी, लेकिन ग्राम पंचायत स्तर पर यह अब भ्रष्टाचार का ज़रिया बनती जा रही है।

सामाजिक लोगों का कहना है की

यह गरीबों के हक का पैसा है। फर्जी मस्टर बना कर लाखों रुपये निकाल लिए जाते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए।अब सवाल यह उठता है कि जिम्मेदार अधिकारी आखिर कब तक आंख मूंदे रहेंगे? क्या प्रशासन इस घोटाले की जांच करेगा? और क्या दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी? हमारे साथ बने रहिए, हम इस खबर पर नज़र बनाए हुए हैं।

बीजेपी पन्ना ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर विधायक पन्ना ने किया वृक्षारोपण

पन्ना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पन्ना द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय के बगल में परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना पांडे नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती आशा गुप्ता पूर्व जिला महामंत्री विनोद तिवारी, कैलाश गुप्ता सहित जिला पदाधिकारी महिला मोर्चा पर्यावरण प्रेमी एवं ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया इस मौके पर विधायक श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में आज से 15 अगस्त तक लगातार पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा इस दौरान प्रत्येक संगठन आत्मक कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण से की जाएगी और लगाए पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सिंह ने इस अवसर पर सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी सिंह ने कहा कि एक पेड़ मां के नामअभियान में एक पेड़ लगाकर पर्यावरण और मातृत्व दोनों का सम्मान करना चाहिए इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के लिए के लिए यह अभियान मात्र एक प्रतीक नहीं बल्कि जन आंदोलन है एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल एक पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं बल्कि भावना जिम्मेदारी का संगम है। हमें इस अभियान को जन जन तक पहुंचना है ताकि हर नागरिक पर्यावरण सुरक्षा में भागीदार बने।

अवैध निर्माण पर चला प्रशासन का बुल्डोजर बंडा नहर का होगा विकास

टीकमगढ़। टीकमगढ़ की बंडा नहर पर टीकमगढ़ कलेक्टर की नजर पड़ते ही विकास कार्य करने का मन बना लिया गया है। शुक्रवार को महेंद्र सागर तालाब से वृंदावन तालाब को जोड़ने वाली ऐतिहासिक बंडा नहर से अतिक्रमण हटाया गया है। कलेक्टर विवेक श्रोतिय के निर्देश पर 15 दिन पहले नहर की सफाई का अभियान शुरू किया गया और वहीं तहसीलदार अरविंद यादव ने नहर पर अतिक्रमण करने वाले 33 लोगों को नोटिस जारी किए थे। लेकिन नोटिस की नाफरमानी की गई।नोटिस की समय सीमा समाप्त होने के बाद शुक्रवार को प्रशासन ने जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। नगर पालिका क्षेत्र में स्थित इस नहर पर बने कच्चे और पक्के निर्माण को गिराया जा रहा है। यह नहर राजशाही काल में महेंद्र सागर तालाब से वृंदावन तालाब को भरने के लिए बनाई गई थी। प्रशासन की यह कार्रवाई नहर के संरक्षण और पानी के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है। इसके पहले 33 लोगों के अतिक्रमण में भाजपा के पूर्व विधायक केके श्रीवास्तव और तहसील कार्यालय में बाबू बलिराम अहिरवार के अतिक्रमण को भी चिन्हित किया गया था। पूर्व विधायक ने स्वयं तोड़ा अपना अतिक्रमण, सहियोग की कि अपील पूर्व विधायक और बाबू ने स्वयं अपना अतिक्रमण तोड़कर नहर से कब्जा हटा लिया था। जिन लोगों ने नोटिस मिलने के बाद भी अवैध कब्जा नहीं हटाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ अब प्रशासन ने जेसीबी मशीन से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

`एक महिला के खोए हुए 37,000 एवं एक मोबाइल वापस लौटाया

टीकमगढ़। महिला द्वारा एक मोबाइल की राशि ?37,000/- गलती से गिरा दी गई थी। उक्त राशि एक ईमानदार युवक को मिली, जिसने बिना कोई विलंब किए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ श्री सीताराम जी से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक कार्यालय में महिला को बुलाकर संबंधित राशि उन्हें ससम्मान वापिस की गई। महिला ने युवक के प्रति आभार व्यक्त किया एवं टीकमगढ़ पुलिस प्रशासन की तत्परता की भी सराहना की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम ने युवक के इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देने वाले होते हैं और अन्य लोगों को भी ईमानदारी व नैतिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। टीकमगढ़ पुलिस प्रशासन युवक के इस सराहनीय कार्य की सराहना करता है और आशा करता है कि समाज में ऐसे उदाहरण और भी देखने को मिलें।

सीएम राइज विद्यालय में समर कैंप का भव्य समापन, प्रतिभागी बच्चों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

पवई ।शाहनगर शाहनगर के सीएम राइज विद्यालय में विगत 1 मई से आयोजित समर कैंप का विगत 31 मई को समापन हो गया था। आज आयोजित समापन समारोह कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस समर कैंप में बच्चों ने शिक्षा के साथ-साथ कला, संगीत, नृत्य, खेल, योग, तथा कंप्यूटर जैसी विविध गतिविधियों में भाग लिया। समापन कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बी एल पाण्डेय सहित शिक्षकगण एवं अभिभावकों की भी उपस्थिति रही।समर कैंप में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को उनके उत्साह और सहभागिता के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्य महोदय ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सीएम राइज विद्यालय का समर कैंप समापन समारोह मे बच्चों ने सीखा, खेला और चमकाया अपना हुनर।

पवई में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

पवई ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर पवई मंडल द्वारा एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गायत्री सत्संग भवन परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण व मातृ सम्मान का संदेश दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष निधि पटेरिया, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मंकू श्रीवास्तव, मंडल महामंत्री प्रतीक ताम्रकार, प्रह्लाद बेहरे, जमुना खटीक, शिवपाल सिंह बुंदेला, वनरक्षक राम जी गर्ग सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की देखभाल वे स्वयं करेंगे तथा आमजन को भी इस अभियान से जोड़कर वृक्षारोपण को जन-आंदोलन का रूप देंगे।

संयुक्त पुलिस टीम ने की जंगल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु सघन गश्त

पन्ना ।जिले की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा बाहरी अपराधियों की संभावित गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से, पुलिस अधीक्षक पन्ना साईं कृष्ण एस. थोटा के कुशल निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा जंगल एवं ग्रामीण क्षेत्रो में सघन कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में थाना धरमपुर, थाना बृजपुर एवं पुलिस लाईन की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा सुबह 06 बजे से शाम 04.30 बजे तक जंगलों में सघन गश्त की गई एवं ग्राम छतैनी, नवस्ता, सिद्धपुर, पंचमपुर, पिपराही, रमखिरिया,जमुन्हाई, मदारटुंगा, रहुनिया गुजार के ग्रामीण लोगो से संदिग्ध गतिविधियो एवं बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली गई ।गश्त के दौरान 20 पुलिस बल द्वारा जंगल की सर्चिंग एवं ग्रामीण लोगो से संवाद किया गया ।गश्त के दौरान घने जंगलो एवं पहाड़ी क्षेत्रो में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी हेतु पुलिस द्वारा ड्रोन कैमरो की मदद ली गई ।अभियान का मुख्य उद्देश्य जंगलों में छिपे संभावित अपराधियों की खोजबीन करना, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना, तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। पुलिस टीम द्वारा गहराई से सर्चिंग कर संभावित मूवमेंट क्षेत्रों की जाँच की गई। सर्चिंग के दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर वहाँ के नागरिकों से संवाद स्थापित किया और उनसे अपील की कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। ग्रामीणों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया कि पन्ना पुलिस सदैव उनके साथ है।

स्वयंसेवक संघ ने महाविद्यालय में पौधरोपण कर बढ़ाई जागरुकता

टीकमगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाविद्यालीन इकाई द्वारा शासकीय अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया गया। इस दौरान छात्रावास परिसर में पौध लगाए गए एवं पौधों की देखभाल के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार अरविंद यादव, जिला कार्यवाह जानकी अहिरवार, जिला सहकार्यवाह शैलेश मोदी, नगर कार्यवाह दीपक तिवारी, विभाग महाविद्यालयीन प्रमुख ऋषि अवस्थी, यश मिश्रा, हिमांशु सोनकिया, अर्पित संगी, संकल्प जैन, सर्वज्ञ अवस्थी, अर्पित तिवारी, शुभ, संयम जैन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रथयात्रा महोत्सव के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई तैयारी बैठक

जनसहयोग से प्राप्त राशि बैंक खाते में ऑनलाईन जमा करवाने का लिया निर्णय

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आगामी 11 जून से प्रारंभ होने वाले श्री जगदीश स्वामी रथयात्रा महोत्सव के संबंध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक हुई। इसमें आयोजन समिति से जुड़े विभागों के अधिकारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रतिदिन के कार्यक्रम आयोजन की कार्ययोजना एवं रूपरेखा पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री कुमार ने प्रतिवर्ष की भांति रथ यात्रा महोत्सव के संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। साथ ही उपस्थितजनों से आवश्यक सुझाव प्राप्त कर श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति रथयात्रा महोत्सव के आयोजन में संबंधितजन आवश्यक सहयोग प्रदान कर इसे गरिमामय बनाने में अपना योगदान दें। इस मौके पर मंदिर समिति के बैंक खाते में जनसहयोग से प्राप्त दान राशि को ऑनलाइन सीधे खाते में जमा कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा टाऊन हॉल में विभिन्न कार्यक्रमों से प्राप्त राशि का निर्धारित अंश भी खाते में जमा कराने के निर्देश तहसीलदार और सीएमओ को दिए। जिला कलेक्टर ने रथयात्रा महोत्सव के दौरान पन्ना नगर से जनकपुर मार्ग, मेला परिसर, रथों के विश्राम स्थल इत्यादि में पेयजल, साफ-सफाई, चलित शौचालय, सीसीटीव्ही कैमरा व प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने सहित सड़क मरम्मत तथा यात्रायात व्यवस्था सुगम बनाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा पार्किंग, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की तैनाती, निर्बाध विद्युत आपूर्ति सहित अन्य व्यवस्थाओं के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में मुख्य मार्ग पर दुकानों का संचालन नहीं हो। इसके अलावा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों के नियमित निरीक्षण के लिए भी कहा। बताया गया कि 11 जून को स्नान यात्रा से महोत्सव के शुभारंभ उपरांत 26 जून को रात्रि 7:30 बजे मंदिर के पट खुलेंगे, जबकि 27 जून को शाम 06:30 बजे जगदीश स्वामी मंदिर बड़ा दिवाला से रथयात्रा प्रारंभ होगी। पांच जुलाई को रथ यात्रा वापसी उपरांत अगले दिवस सुबह 8 बजे जगदीश स्वामी मंदिर में यात्रा के प्रवेश और मूर्ति दर्शन के साथ यात्रा का समापन होगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नाट्य मंचन के माध्यम से दिया पर्यावरणीय संरक्षण का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस. 25 पर पर्यावरण गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु रेडियो ऊर्जा ने आयोजित किया श्रृंगार

जागरण, विन्ध्यनगर

विश्व पर्यावरण दिवस.25 के अवसर पर रेडियो ऊर्जा एफ एम 89.6 द्वारा आयोजित श्रृंगार.ए.सिंगरौली् कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी और जागरूकता को नई दिशा दी। सिंगरौली की आवाज पर्यावरण पर कुछ ख़ास थीम के तहत नवजीवन भवन में आयोजित यह आयोजन सिंगरौलीवासियों के लिए एक प्रेरणादायी और रचनात्मक मंच बना। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों विशेषज्ञ संवाद प्रदर्शनी और पुरस्कार वितरण जैसे आयोजन इसकी मुख्य विशेषताएँ रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों द्वारा किफीप प्रज्वलन कर गणेश वंदना की प्रस्तुत के साथ की गई तत्पश्चात अतिथियों का पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ बुक्के भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी मुख्य महाप्रबंधक चिकित्सा एनटीपीसी विन्ध्याचल तथा डॉ.सुमित गुप्ता अध्यक्ष शारदा डेवेलपमेंट एंड एनवायरनमेंट कोआर्डिनेशन कमिटी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की! साथ ही कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आर.एस बघेल प्रबंध निदेशक बीआईपीएल एनटीपीसी सिंगरौली से महाप्रबंधक ईएमजी नीरज यादव प्रबंधक ईएमजी दीपिका सिंह एनटीपीसी विंध्याचल से दिनेश कुमार मीणा उप महाप्रबंधक ईएमजी राहुल वर्मा सहायक महाप्रबंधक और शंकर सुब्रमण्यम उप प्रबंधक कॉरपोरेट कम्युनिकेशन उर्मिला जायसवाल एनटीपीसी रिहंद से राघवेंद्र नारायण उप महाप्रबंधक ईएमजी राजीव कुमार मित्तल सहायक महाप्रबंधक ईएमजी अमित धीमान उप महाप्रबंधक ईएमजी रिलायंस पावर से जितेंद्र प्रसाद वाइस प्रेसिडेंट प्रमुख ईएचएस एवं उद्यानकी सौरव अग्निहोत्री प्रबंधन पर्यावरण एवं वन उपस्थित रहे। रेडियो ऊर्जा की आरजे टीम आरजे रिया आशीष विराट शालिनी और अवधेश ने प्रभावी मंच संचालन किया।

प्लास्टिक मुक्त आयोजन एक अनुकरणीय पहल

कार्यक्रम में विशेष रूप से यह उल्लेखनीय रहा कि संपूर्ण तैयारी एवं आयोजन के दौरान एक भी बार सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया। इस पहल ने यह संदेश दिया कि हम सभी यदि ठान लें तो हर छोटे.बड़े आयोजन को श्नो प्लास्टिकश् सिद्धांत के साथ सफ़लतापूर्वक संपन्न कर सकते हैं।

एकजुटता और संकल्प का प्रतीक

श्रृंगार.ए.सिंगरौली् ने सिंगरौली की जनता विशेषज्ञों और संस्थानों को एक मंच पर लाकर यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उक्त तारतम्य में तमाम अद्योगित इकाईयों से शामिल विशेष्यज्ञों नें पर्यावरण से सम्बंधित पूछे गए सवालों का जवाब देकर लोगों को जागरूक किया ! रेडियो ऊर्जा एफ़एम 89.6 की ओर से एस.डी. गर्ग डायरेक्टर आदर्श सिंह जीएम एवं सोनू कुमार सोनी स्टेशन हेड ने इस आयोजन को सफ़ल बनाने हेतु सभी प्रायोजकों एनटीपीसी सिंगरौली विन्ध्याचल रिहंद रिलायंस सासन पावर एवं बघेल इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा कार्यक्रम में शामिल अन्य सभी का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यावरण जागरुकता रैली एनटीपीसी रिहंद में विश्व पर्यावरण दिवस 25 का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस 25 के अवसर पर एनटीपीसी रिहंद में विविध जागरूकता गतिविधियों और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जो लेक पार्क से प्रारंभ होकर शिवालिक गेस्ट हाउस तक निकाली गई। इस रैली में एनटीपीसी के अधिकारी कर्मचारी यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि महिलाएं बच्चे और स्थानीय निवासी भारी संख्या में सम्मिलित हुए। रैली उपरांत रिहंद आवासीय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गयाए जिसमें परियोजना प्रमुख अनील श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने पौधारोपण को नियमित आदत बनाने और प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने की अपील की। कार्यक्रम में बालिका सशक्तिकरण अभियान 25 की बालिकाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। बालिकाओं ने न केवल रैली और वृक्षारोपण में हिस्सा लिया बल्कि एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों पर जनजागरूकता भी फैलाई। एनटीपीसी रिहंद द्वारा आयोजित यह आयोजन पर्यावरण के प्रति संस्था की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समाज के सभी वर्गों की भागीदारी ने यह संदेश स्पष्ट किया कि स्वस्थ पर्यावरण ही सुरक्षित और स्थायी भविष्य की कुंजी है।

दैनिक जीवन से एकल प्रयोग प्लास्टिक सामग्रियों के उन्मूलन की शपथ

विश्व पर्यावरण दिवस पर खड़िया क्षेत्र में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

जागरण, सिंगरौली। खड़िया क्षेत्र में अपने दैनिक जीवन से एकल प्रयोग प्लास्टिक सामग्रियों के उन्मूलन के शपथ के साथ विश्व पर्यावरण दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खड़िया क्षेत्र में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत खड़िया शहीद स्मारक में ध्वजारोहण से हुई जिसके पश्चात शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन का संदेश स्टाफ अधिकारी खनन अमरनाथ मालवीय तथा एनसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश प्रबंधक प्रभारी स्टाफ अधिकारी मानव संसाधन राजकुमार द्वारा वाचन किया गया। इस अवसर पर डीएवी खड़िया में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं स्लोगन लेखन निबंध लेखन व चित्रकला में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता खड़िया परियोजना अधिकारी ने की और इस दौरान समस्त विभागाध्यक्ष डीएवी विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्रगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जीसीसी मेंबर्स के द्वारा प्लास्टिक उन्मूलन के संबंध में अपने.अपने विचार रखे गए तथा पर्यावरण के उचित रखरखाव हेतु प्रबंधन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परियोजना अधिकारी राकेश कुमार अवस्थी द्वारा अपने संबोधन में व्यावहारिक रूप से पर्यावरण के विकास हेतु नवाचार को आत्मसात करने का आह्वान किया गया । श्री अवस्थी ने बिजली के कब से कम प्रयोग कर प्रदूषण नियंत्रण में अपनी सहभागिता देने हेतु गुजारिश की। उन्होंने खदान में तकनीकी कार्यों में कुशलता अपना कर ईंधन तथा बिजली कर कम खर्च करने वाली आदतों को अपने कार्यशैली में शुमार करने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। इसी उपलक्ष्य में आज खड़िया आवासीय परिसर के अभिनंदन पार्क में 50 नग छायादार वृक्षों के मद्देनजर पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में खड़िया आवासीय परिसर स्थित अभिनंदन पार्क में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। संपूर्ण आयोजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सतत विकास की दिशा में योगदान देने की प्रेरणा देखने को मिली। इस कार्यक्रम का सफ्ल संचालन अमरेंद्र कुमार प्रबंधक सामुदायिक विकास द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन वेदांत द्विवेदी सहायक प्रबंधक पर्यावरण एवं वानिकी द्वारा किया गया।

मझिगँवा के आदिवासियों को मिले उन्नत किस्म के आम के पौधे

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सीएसआर की पहल

जागरण, बैढ़न। पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिंडालको महान के सीएसआर विभाग द्वारा मझिगँवा गांव में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्थानीय आदिवासी समुदाय को उन्नत किस्म के आम के पौधे वितरित किए गए। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है बल्कि इससे ग्रामीणों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान सीएसआर प्रमुख संजय सिंह साथ ही विभाग से धीरेन्द्र तिवारी तथा बीरेंद्र पाण्डेय की उपस्थिति रही। उन्होंने पौध वितरण के साथ ही आदिवासी समुदाय को पर्यावरण रक्षण में उनकी पारंपरिक भूमिका के लिए सम्मानित किया और उन्हें पर्यावरण प्रेमी जनजाति् की संज्ञा दी। इस अवसर पर संजय सिंह ने कहा हमारा उद्देश्य सिर्फ पौधे देना नहीं है बल्कि समुदाय को आत्मनिर्भर बनाना भी है। आम के ये पौधे आने वाले वर्षों में उन्हें न केवल पर्यावरणीय लाभ देंगे बल्कि फल उत्पादन से उनकी आजीविका में भी सहारा बनेगा ़ कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित ग्रामीण जनों ने दिए गए पौधों का अपने घरों में रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के महत्व को निभाया। हिंडालको महान का यह कदम स्थानीय विकास और हरित भविष्य की ओर एक प्रेरणादायक प्रयास है।

अदाणी समूह द्वारा पर्यावरण दिवस के मौके पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

पौधरोपण चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताओं के जरिये पर्यावरण को स्वस्थ रखने के सन्देश

स्वच्छता अभियान के माध्यम से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए शपथ

जागरण, बैढ़न। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश देने के उद्देश्य से अदाणी समूह द्वारा विशाल पौधारोपण सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में जिले के सुलियारी धिरौली एवं गोंडबहेरा उज्जैनी खदान क्षेत्र में इस मौके पर अदाणी समूह द्वारा 5000 से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तरफ एक कदम और आगे बढ़ाया है। कार्यक्रम के दौरान सिंगरौली के चीफ ऑफ क्लस्टर केहर सिंह के नेतृत्व में तमाम अधिकारियों और पर्यावरण विभाग की टीम ने पौधारोपण कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए इस वर्ष के पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हटाओ् पर ध्यान केन्द्रित किया।

खदान के आसपास लगाए गए 5000 से ज्यादा फलदार पौधे : लगाए गए पेड़ों में ज्यादातर नीम अमलतास महुआ जामुन आम अर्जुन और साल के पौधे हैं। नीम बहुतायत में पाया जाने वाला वृक्ष है। यह औषधीय गुणों से भरपूर होता है इसलिए आम जीवन में इसका खूब प्रयोग होता है। अमलतास के पेड़ भी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। मध्य एवं पश्चिमी भारत के दूरदराज वनअंचलों में बसे ग्रामीण आदिवासी जनजातियों के लिए रोजगार के साधन एवं खाद्य रूप में महुआ वृक्ष का महत्व बहुत अधिक है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण के महत्व के मद्देनजर पिछले 2 वर्षों में सुलियरी खदान के आसपास 1 लाख से ज्यादा पेड़ लगाए जा चुके हैं।

रंगोली और पोस्टर बनाकर विद्यार्थियों ने समझाया पर्यावरण का महत्व : प्रदूषण की समस्या भारत समेत कई दूसरे देशों में भी देखने को मिल रही है। लगातार बढ़ता प्रदूषण सिर्फ मनुष्यों के लिए ही नहीं बल्कि हमारी प्रकृति के लिए भी खतरनाक है। स्वस्थ और स्वच्छ प्रकृति मानव जीवन का आधार है। प्रकृति हमें जीवन जीने के लिए सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराती है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर अदाणी समूह का पर्यावरण विभाग एवं अदाणी फाउंडेशन की टीम के द्वारा खनुआ गांव स्थित डीएवी स्कूल में ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गईए जहां विभिन्न कक्षाओं के लगभग 50 बच्चों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। छात्र.छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग के माध्यम से पर्यावरण का महत्व बताया। उन्होंने पर्यावरण को स्वस्थ और हरा.भरा रखने की प्रतिज्ञा पर जोर दिया।

सार्वजनिक स्थानों को कूड़े-कचरे और मलबे से मुक्त करने के लिए स्वच्छता अभियान

हरियाली को बढ़ावा देने और सार्वजनिक स्थानों को कूड़े.कचरे और मलबे से मुक्त करने के लिए वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाए गए। धिरौली एवं बजौड़ी के पंचायत भवन प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफजागरूकता कार्यक्रम में प्लास्टिक के दुष्प्रभाव जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संरक्षण पर चर्चा की गई। इस मौके पर बजौड़ी की सरपंच दुलमन्ती सिंह उपसरपंच राकेश वर्मा धिरौली के उपसरपंच शिशुपाल सिंह एवं बजौड़ी के पूर्व सरपंच भगवान सिंह की उपस्थिति में स्वयं सहायता समूह की करीब 60 महिलाओं ने हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफ्ल बनाया। इस मौके अदाणी समूह के तरफसे उनके बीच फ्लदार की गयी पौधे वितरित और लोगों को एक.एक पौधा लगाने एवं देखभाल की जिम्मेदारी के लिए प्रेरित किया गया। पिछले कुछ महीने में अदाणी ग्रुप की पर्यावरण एवं सीएसआर टीम के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता के ऐसे कई आयोजन कराए गए हैं जिससे लोग पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार करने के लिए प्रेरित हो सकें। जागरूकता को बढ़ावा देने और एक स्थायी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम पूरे वर्ष स्थानीय विद्यालयों पंचायती संस्थानों स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों एवं ग्रामीण बाजारों जैसे सार्वजानिक स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मायाराम महाविद्यालय मेंढ़ौली मे किया गया पौधरोपण

जागरण, सिंगरौली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मायाराम महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बद्री नारायण बैस के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर कई फ्लदार वृक्ष लगाए गए अपने संदेश में अध्यक्ष ने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए वृक्ष लगाते रहना चाहिए जिससे हमें शुद्ध हवा मिलती है जिससे हमारा स्वास्थ्य बेहतर होता है पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य सुश्री जतिंदर कौर प्रवेश प्रभारी विक्रांत सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

देवरी पंचायत परसौना में हुआ विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

जागरण, बैढ़न। गौ बोधि वृक्ष संविधान बचाओ डॉ भीमराव अंबेडकर मोहल्ला समिति के तत्वाधान में रीता वर्मा जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ अहिरवार समाज संघ कांग्रेस नेत्री के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया गया महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष रीता वर्मा ने जिले में 15000 बोधि वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है यह संकल्प बुद्ध पूर्णिमा 2024 में लिया गया है उसी दिन से शुरूआत किया गया है इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सोनवती पनाडिया सरपंच ग्राम पंचायत क्षेत्र देवरी ने कहा कि बोधिबृक्ष से हमारा मुहल्ला ग्राम जिला प्रदेश देश मे खुशहाली आती है आज जो कोरोना का प्रभाव है वह जंगलो के अंधाधुंध के कटाई के कारण हुआ है विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र कुमार साकेत जिला अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग सिंगरौली ने कहा कि गौ बोधिबृक्ष संविधान बचाएंगे तो हम पुनः से मुहल्ला के लोगो को रोजगार दिला पाएंगे प्रवीण गोस्वामी पंच एवं सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि स्कूल बचाना है तो अपने अपने मुहल्ले की जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी नीरज कुमार दुबे पंच एवं सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि हम सभी को एकजुट होकर मुहल्ला के विकास एवं रोजगार के लिये कार्य करना है विकेश कुमार पनिका सामाजिक कार्यकर्ता के कहा कि लोगो मे जागरूकता फैलाना है मानिकचंद प्रजापति सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि हम मुहल्ले वासी बेरोजगार है सरकार रोजगार देने में असफ्ल हैं इसके लिये एकजुट होना होगा सच्चिदानंद गुप्ता सीतालु साकेत संतोष कुमार प्रजापति श्यामलाल साकेत मनीष विश्वकर्मा सत्यम नाई मधु साकेत नंदनी सहित गौ बोधिवृक्ष संविधान बचाओ डॉ भीमराव अंबेडकर मोहल्ला समिति के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

साइकिल दौड़, स्वच्छता अभियान, चित्रकला, पौधरोपण, बेस्ट आउट ऑफवेस्ट/ई-वेस्ट कलेक्शन कार्यक्रम आयोजित

जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

बैढ़न। जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 से 7 जून विश्व पर्यावरण दिवस् अवसर मे वृह्द कार्यक्रम किया गया जिसमें साइकिल दौड़, स्वच्छता अभियान, चित्रकला, वृक्षारोपण, बेस्ट आउट ऑफवेस्ट/ई-वेस्ट कलेक्शन इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढकर भाग लिया। जिसमें बेस्ट आउट ऑफवेस्ट के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अन्तर्गत जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड, अमिलिया नार्थ कोल माइन में मनाया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता अभियान के तहत परियोजना के कर्मचारियों एवं कामगारों ने भी बढ़-चढ़ कर कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायी। पर्यावरण दिवस के अवसर पर यूनिट हेड मेजर जनरल संजय थापा पी.वी.एस.एम. सेवानिवृत ने विश्व पर्यावरण दिवस के बारे में लोगो को जागरूक किया। और सभी लोगो को शपथ दिलाया साथ ही दैनिक जीवन में प्लास्टिक उपयोग न करने के लिए जागरूक किया। और साथ ही पर्यावरण के महत्व को बताया एवं समझाया कि जलवायु परिवर्तन का संकट सिर उठाने लगा है। हमें पर्यावरण व प्रकृति कि रक्षा-सुरक्षा के लिए सचेत रहना होगा। जल संरक्षण के साथ पौधे लगाकर उनकी देखभाल करके बड़ा करना है जिससे पर्यावरण सुरक्षित हो सके। इस मौके पर सभी विभागाध्यक्षों ने भी पर्यावरण के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी और पौधा रोपण किया। इसी कड़ी में आज जूट बैग वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम का संचालन नितेश कुशवाहा अधिकारी पर्यावरण ने किया और सभी का आभार व्यक्त किया। उपरोक्त जानकारी नीरज श्रीवास्तव, मुख्य प्रबंधक मानव संसाधन एवं जनसम्पर्क ने दी है।

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP
Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम
(कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत)
कौशल भवन, 5वाँ एवं 6वाँ मंज़िल, न्यू मोती बाग, नई दिल्ली-110024

सीईओ की नियुक्ति

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) भारत और विश्व में बड़े पैमाने पर कौशल विकास को बढ़ावा देने वाली एक अग्रणी सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) है।

भारत को **विश्व की कौशल राजधानी** बनाने और **विकसित भारत@2047** के लक्ष्यों में योगदान देने के अपने विजन के तहत, एनएसडीसी स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग के माध्यम से भारत के युवाओं को एक गतिशील और भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था हेतु तैयार करने में सबसे आगे है।

एनएसडीसी एक जुनूनी, परिणामोन्मुख सीईओ की तलाश में है, जो बोर्ड ऑफ डायरेक्टर/चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे और उनके पास इस राष्ट्र-निर्माण मिशन का नेतृत्व करने का अनूठा अवसर होगा। वह विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, सेक्टर्स और जनसांख्यिकी में भारत के कार्यबल की समग्र कौशल पहल का संचालन कर सकें।

उपयुक्त उम्मीदवार की आवश्यक योग्यताएँ:

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग हितधारकों, संगठनात्मक नेतृत्व और शासन के साथ मजबूत संबंध बनाने में प्रमाणित अनुभव।
- संस्थागत और ऑपरेशनल कैपेसिटी बनाने की मजबूत क्षमता के साथ सरकारी योजनाओं को लागू करने में विशेषज्ञता, कार्यक्रमों और लाभों की अंतिम छोर तक प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करना।

यह **नई दिल्ली स्थित एक पूर्णकालिक नेतृत्वकारी पद** है।

विस्तृत जॉब विवरण और आवेदन के लिए, एनएसडीसी की वेबसाइट ***www.nsdcindia.org*** *पर करियर पेज पर जाएं*

आवेदन करने की तिथि: 24 जून, 2025
CBC 63101/11/0003/2526

CBC 01101/13/0012/2526

मैदान से हटकर

काम अधूरा है, अगले साल जरूर पूरा करेंगे: प्रीति जिंटा

आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स की टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस हार के तीन दिन बाद टीम की को-ओनर और बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी टीम, सपोर्ट स्टाफ और फैंस का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया है और वादा किया है कि अगली बार उनकी टीम ट्रॉफी जीतने के लिए जरूर लौटेगी। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर टीम की एक

फोटो शेयर करते हुए लिखा, जैसा हम चाहते थे वैसा अंत नहीं हुआ, लेकिन सफर बेहद शानदार रहा। ये एक रोमांचक, प्रेरणादायक और मनोरंजक सीजन था। मुझे हमारी यंग टीम पर गर्व है। हमारे शेरों ने पूरे टूर्नामेंट में जिस जज्बे और हिम्मत के साथ खेला, वो काबिले तारीफ है। उन्होंने अपनी टीम के कप्तान को सरपंच कहते हुए उनकी अगुआई की तारीफ की। प्रीति ने सीजन के दौरान आईं मुश्किलों को भी याद किया, जिसमें खिलाड़ियों को चोट लगना, भारत पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध की वजह से आईपीएल का रद्द होना, टूर्नामेंट में अचानक ब्रेक आना, होम ग्राउंड का बदलना और स्टेडियम को खाली करवाना शामिल था। उन्होंने कहा, हमने हर चुनौती का डटकर सामना किया, और एक दशक बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप किया। फाइनल तक पहुंचना किसी जीत से कम नहीं। अंत में प्रीति ने पंजाब के फैंस को 'Sher Squad' कहकर धन्यवाद कहा और लिखा, जो कुछ भी हैं, जहां तक भी पहुंचे हैं, वो सब आपके प्यार और सपोर्ट की वजह से है। अगली बार हम काम पूरा करने लौटेंगे, क्योंकि इस बार काम अधूरा रह गया। तब तक सुरक्षित रहिए, प्यार भेजती हूं आप सभी को।

(जेएनएन)

इंग्लैंड में चला राहुल का बल्ला, लायंस के खिलाफ जड़ा शतक

भारत-ए ने पांच विकेट खोकर बनाए 259 रन, वोक्स ने लिए तीन विकेट

जेएनएन, नॉर्थम्पटन

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (116) के शतक और ध्रुव जुरेल (52)के अर्धशतक की बदौलत भारत-ए ने इंग्लैंड लायंस (ए टीम) के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को खबर लिखे जाने तक 64 ओवर में पांच विकेट खोकर 259 रन बना लिए। खबर लिख जाने तक नीतिश कुमार रेड्डी (2) और शार्दुल ठाकुर (5)क्रीज पर मौजूद थे।

राहुल और जुरेल ने चौथे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी हुई। पहले सत्र में बारिश के कारण गंवाए गए ओवरों की भरपाई के लिए खेले गए लंबे दूसरे सत्र में भारतीय बल्लेबाजों ने अनुकूल पिच पर अच्छा प्रदर्शन किया। क्रिस वोक्स (30 रन पर तीन विकेट) के अलावा जॉर्ज हिल ने दो विकेट झटके। भारत ने दूसरे सत्र में करुण नायर के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया। नायर 40 रन पर वोक्स की गेंद पर पगबाधा हुए। राहुल ने 168 गेंद में 15 चौके और एक छक्के की मदद से 116 रन बनाए। उन्होंने नायर के साथ तीसरे विकेट के लिए 89 रन की मजबूत साझेदारी की। नायर के आउट होने के बाद और खासकर अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद राहुल ने आक्रामक रुख अपनाया और तेजी से शतक के करीब पहुंच गए। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी वोक्स भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरुआती मैच के लिए टेस्ट टीम में चुने जाने के बाद अपनी फिटनेस साबित करने के साथ मैच अभ्यास के लिए इस मुकाबले में खेल रहे हैं। ऐसा लग रहा था कि वे अपनी लय में आ गए हैं।

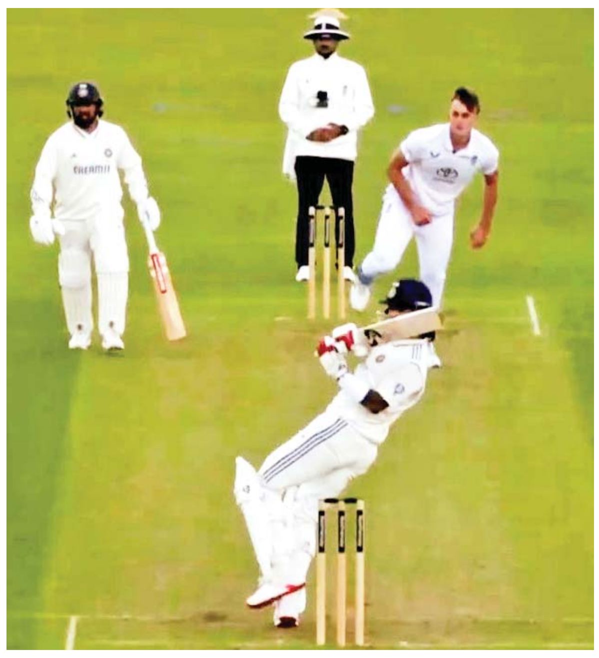

वोक्स ने गेंद को दोनों ओर स्विंग करा भारतीय बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती देते हुए काउंटी ग्राउंड पर तीनों विकेट चटकाए। यशस्वी जायसवाल (17) और अभिमन्यु ईश्वरन (11) पहले सत्र में आउट हुए। नायर ने 71 गेंदों पर 40 रन की पारी के दौरान चार चौके लगाए। वह बड़ा स्कोर बनाने की ओर अग्रसर दिख रहे थे, लेकिन वोक्स और जॉर्ज हिल ने उन्हें परेशान किया। भारतीय पारी के 34वें ओवर में वोक्स की गेंद नायर के बल्ले से किनारा लेकर गली क्षेत्र के पास से चौके के लिए चली गयी। वह हालांकि अगली अंदर आती अगली गेंद पर समय पर अपना बल्ला नीचे नहीं रख पाये और पगबाधा करार दिये गये। इंग्लैंड टीम के एक और गेंदबाज जोश टंग ने हालांकि लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे।

अभी तय नहीं बुमराह कौन से तीन टेस्ट खेलेंगे : गंभीर

भारत ने अभी यह तय नहीं किया है कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की आगामी सीरीज में कौन से मुकाबले खेलेंगे, लेकिन कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर को भरोसा है कि टीम के पास इतनी गहराई है कि उनकी संभावित अनुपस्थिति की भरपाई की जा सकती है। गंभीर ने मुंबई में भारत के इंग्लैंड रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने अभी यह तय नहीं किया है कि वह कौन से तीन टेस्ट खेलेंगे। यह हम उनके साथ बातचीत कर तय करेंगे और सीरीज की स्थिति पर भी निर्भर करेगा। सीरीज किस दिशा में जा रही है, यह मायने रखेगा। मुझे यकीन है कि वह खुद भी इस बात को समझते हैं और यह अहम है। पिछले महीने भारत की टेस्ट टीम की घोषणा के वक्त मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर ने कहा था कि बुमराह को मेडिकल टीम की सलाह पर लगातार पांचों टेस्ट खेलने से रोका गया है, ताकि उनकी फिटनेस का ध्यान रखा जा सके। बुमराह को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन हुआ था और वह मुंबई इंडियंस के शुरुआती चार आईपीएल मैचों के बाद ही मैदान पर लौट पाए थे। भारत की 18 सदस्यीय टीम में मोहम्मद

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह जैसे अन्य विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं, जबकि नितीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर ऑलराउंडर की भूमिका में होंगे। गिल ने कहा, मुझे लगता है कि हमने काफी तेज गेंदबाज चुने हैं और हमारी पेस बैट्री में गहराई है। कई गेंदबाज बेहतरीन लय में हैं और किसी भी परिस्थिति से हमें टेस्ट मैच जिताने में सक्षम हैं। जाहिर है जब हमारे पास बुमराह जैसे खिलाड़ी होंगे, तो वह जिस भी मैच में खेलेंगे, वह हमारे लिए खास होगा। लेकिन हमारे पास गेंदबाजों का अच्छा मिश्रण है, जो टीम के लिए काम पूरा कर सकते हैं। गंभीर ने कहा, मैंने पहले भी चैंपियंस ट्रॉफी के समय कहा था, जब बुमराह नहीं खेले थे और भारत ने ट्रॉफी जीती थी, कि यह दूसरों के लिए मौका होता है खुद को साबित करने का। हमारे पास पर्याप्त टैलेंट है।

स्वियातेक को हराकर विश्व नंबर एक सबालेंका फ्रेंच ओपन के फाइनल में

पेरिस, जेएनएन। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने इगा स्वियातेक के फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में 26 मैच में जीत के अभियान को विराम लगाते हुए गुरुवार को महिला एकल फाइनल में जगह बनाई। शनिवार को होने वाले फाइनल में उनका सामना अमेरिका की कोको गॉफ से होगा। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी गॉफ ने 361वीं रैंकिंग वाली वाइल्ड कार्ड धारक लोइस बोइसन को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। सबालेंका ने स्वियातेक को रोलां गैरो पर हुए सेमीफाइनल मुकाबले में तीन सेट में 7-6, 4-6, 6-0 से हराकर पेरिस में पहली बार फाइनल में प्रवेश किया। सबालेंका की जीत ने स्वियातेक को 1968 में प्रतियोगिता में पेशेवर खिलाड़ियों को प्रवेश की स्वीकृति दिए जाने के बाद से इस क्ले-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से रोक दिया। इससे सबालेंका को अपना चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का मौका भी मिलेगा। सबालेंका ने अब तक अपने तीनों ग्रैंडस्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं, जिसमें दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और एक अमेरिकी ओपन खिताब शामिल है।

चीन बाहर, उज्बेकिस्तान-जॉर्डन पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई

सियोल, जेएनएन। चीन का 2002 के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने का सपना गुरुवार को इंडोनेशिया के हाथों हार के साथ टूट गया, जबकि उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने पहली बार इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया। चीन को जहां करारा झटका लगा, वहीं दक्षिण कोरिया ने लगातार 11वीं बार विश्व कप में अपनी जगह पक्की की। विश्व कप फुटबॉल अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ उज्बेकिस्तान के लिए ग्रुप-ए में ईरान के बाद दूसरा स्वतः क्वालिफिकेशन स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त था। ग्रुप-बी में दक्षिण कोरिया ने इराक को 2-0 से हराकर विश्व कप में स्थान पक्का किया। दक्षिण कोरिया की दो गोल के अंतर से जीत जॉर्डन के लिए पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थी। उसने इससे पहले ओमान को 3-0 से हराकर शीर्ष दो में जगह बनाई थी। जॉर्डन की तरफ से तीनों गोल अली ओलवान ने किए। ग्रुप-सी में चीन को जकार्ता में इंडोनेशिया के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। चीन इस तरह से विश्व कप में क्वालिफाई करने की दौड़ से बाहर हो गया है। वह 2002 में आखिरी बार विश्व कप में खेला था।

हमारा फोकस सिर्फ पुजारा पर होता था, उसे कैसे आउट करें: रोहित शर्मा

जेएनएन, मुंबई

चेतेश्वर पुजारा को कैसे आउट किया जाए? यह एक ऐसा सवाल था, जिस पर रोहित शर्मा और मुंबई के उनके साथी जूनियर क्रिकेट के दिनों में अक्सर चर्चा करते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि सौराष्ट्र का यह बल्लेबाज लगातार दो या तीन दिन बल्लेबाजी करके उनकी उम्मीदों पर सकता है। रोहित ने खुलासा किया कि पुजारा का विकेट अक्सर आयु वर्ग के मैचों में उनकी टीम के लिए जीत या हार का अंतर होता था। यह इस दिग्गज बल्लेबाज के शुरुआती लक्षण थे, जिन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत तथा 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,195 रन बनाए। रोहित ने गुरुवार को पुजारा की पत्नी पूजा की किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ' के विमोचन के अवसर पर कहा, 'मुझे अब भी याद है कि टीम बैठकें सिर्फ इसी पर केंद्रित होती थीं कि उसे कैसे आउट किया जाए और अगर हम उसे आउट नहीं कर पाते हैं तो हम मैच हार सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने मजाक में कहा कि पुजारा के खिलाफ खेलने से उनका चेहरा इतना बदल जाता था कि उनकी मां भी थोड़ी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे बस इतना याद है कि जब मैं 14 साल का था और मैदान से शाम को जब

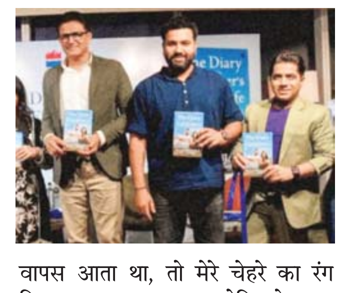

वापस आता था, तो मेरे चेहरे का रंग बिल्कुल बदल जाता था। रोहित ने कहा, क्योंकि वह पूरे दिन बल्लेबाजी करता था और हमें दो-तीन दिन तक धूप में फील्डिंग करनी पड़ती थी। मुझे अब भी याद है कि मेरी मां ने मुझसे कई बार पूछा था कि जब तुम घर से खेलने जाते हो, तो तुम अलग दिखते हो और जब तुम एक हफ्ते या 10 दिन बाद घर आते हो, तो तुम अलग दिखते हो।

दोनों घुटनों एसीएल के बाद भी 100 से अधिक टेस्ट खेले : रोहित ने कहा कि करियर की शुरुआत में दोनों घुटनों में एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) की चोट के बावजूद 100 से अधिक टेस्ट खेलने का श्रेय पुजारा को दिया। उन्होंने कहा, (यह) बहुत बड़ी और बहुत बुरी चोट थी। उसकी दोनों एसीएल चली गई थीं। किसी भी क्रिकेटर, एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत मुश्किल होता है जब वह अपनी दोनों एसीएल गंवा देता है।

खेल एक नजर

स्टीड की जगह वाल्टर बने न्यूजीलैंड के मुख्य कोच

वेलिंगटन, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने गैरी स्टीड के स्थान पर रॉब वाल्टर को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वाल्टर जनवरी 2023 से इस साल अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की वनडे और टी-20 टीमों के कोच रहे। इससे पहले वह न्यूजीलैंड के ओटागो प्रांत और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स एसोसिएशन में पांच साल तक कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वनडे विश्व कप 2023 और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यही नहीं उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। स्टीड 2018 से तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के मुख्य कोच थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस सप्ताह के शुरू में घोषणा की कि वह उनके स्थान पर नए कोच की तलाश कर रहा है।

सात्विक-चिराग 43 मिनट में इंडोनेशिया ओपन से बाहर

जकार्ता, जेएनएन। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल टीम शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन से हारकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यहां 2023 में खिताब जीतने वाली भारतीय जोड़ी को मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 43 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। मलेशिया की टीम की पांच मुकाबलों में भारतीय जोड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मैन और वुन ने पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था। पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मैन और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली।

स्पेन नेशंस लीग के फाइनल में खिताबी मुकाबला पुर्तगाल से

स्टटगार्ट, जेएनएन। युवा खिलाड़ी लेमिन यामल के दो गोल की मदद से स्पेन ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस को 5-4 से हरा दिया। 17 साल के यामल ने गुरुवार को फ्रांस के डिजायर डू और ओसमान डेम्बेले जैसे युवा खिलाड़ियों के सामने खुद को बेहतर साबित किया, जिससे स्पेन ने डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम के खिलाफ शुरू में दबदबा बनाते हुए रविवार को पुर्तगाल के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने बुधवार को मेजबान देश जर्मनी को 2-1 से हराया था। यह नेशंस लीग के इतिहास में सर्वाधिक स्कोर वाला मैच था। फ्रांस ने चार में से तीन गोल तब किए जब यामल ने स्कोर 5-1 कर दिया था और स्पेन के खिलाड़ी अपनी जीत को पक्की मान चुके थे।

गुकेश ने चीन के वेई यी को हराया कार्लसन के साथ खिताब के दावेदार

स्टावेंजर (नॉर्वे), जेएनएन। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में चीन के वेई यी को हराकर तीन अंक हासिल किए और नॉर्वे के स्टार मैग्नस कार्लसन के साथ खिताब के लिए शीर्ष दावेदार बन गए। अब जबकि केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है तब गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, वहीं पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में उनसे केवल आधा अंक आगे हैं। कार्लसन ने हारने की स्थिति से वापसी करते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया और पूरे अंक हासिल किए। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा। दोनों ही खिताब और 69,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहेंगे। अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के 13 अंक हैं और उनके पास भी खिताब जीतने का मौका है। नाकामुरा ने एरिगैसी को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराया। भारतीय खिलाड़ी के 11.5 अंक हैं।

दानवीर-दिशांत की घातक गेंदबाजी से जीती अकीरा अकादमी

भोपाल, खेप्र। दानवीर और दिशांत की घातक गेन्दबाजी से अकीरा क्रिकेट अकादमी ने पहले जीएस पठानिया मेमोरियल अंडर-15 बॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट में वीएस क्रिकेट अकादमी को 12 रन से हराया। अकीरा क्रिकेट अकादमी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 21 ओवर 109 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। तानिश ने 43 रन, दिशांत ने 26 रन जबकि दानवीर ने नाबाद 8 रन का योगदान दिया। वी एस क्रिकेट अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए पार्थ ने 12 रन देकर 3 विकेट, अनमोल ने 22 रन देकर 2 विकेट लिए कृष्णा ने 30 रन देकर 2 विकेट, केविन 38 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि लक्ष्य ने 1 विकेट लिया। जवाबी पारी खेलने उतरी वी एस क्रिकेट अकादमी की टीम 20.5 ओवर में 97 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वेदांत ने 22 रन, पार्थ ने 11 रन बनाए जबकि अनमोल ने 10 रन का योगदान दिया। अकीरा क्रिकेट अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए दानवीर ने 19 रन देकर 4 विकेट, दिशांत ने 36 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि मनीष और समर्थ ने 1-1 विकेट लिया।

अरेरा ग्रीन बना क्रिकेट चैंपियन

भोपाल, खेप्र। अरेरा ग्रीन ने अरेरा प्रीमियर इण्टर हाउस सीनियर क्रिकेट लीग में रेड को 70 रन से हराकर खिताब जीता। ग्रीन ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 179 रन बनाए। आर्यन सिंह ने 65, कार्तिक दुबे ने 52 और अर्जुन शुक्ला ने 21 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में नीरज ग्रोवर ने 5, विराज चतुर्वेदी ने 2, प्रतीक शुक्ला, ओम शुभ मिश्रा और आशुतोष गिरी ने 1-1 विकेट लिए। जवाबी पारी में द्रोण श्रीवास्तव की घातक गेंदबाजी से अरेरा रेड 30 ओवर में 109 रन बना सकी। ओम शुभ मिश्रा ने 26, पीयूष सिंह ने 22 और प्रतीक शुक्ला ने 18 रन बनाए। द्रोण श्रीवास्तव ने 10 ओवर में 17 रन देकर 5 विकेट लेते हुए मैच का पासा पलट दिया। केतन रेवाड़ीकर ने 2, सुमित शर्मा और अमित सिंह ने 1-1 विकेट लिए। सेंट्रल जोन प्लेयर रहे ज्योतिरादित्य सिंह ने द्रोण श्रीवास्तव को मेन आफ द मैच से पुरस्कृत किया।

लोकमान्य, अल्फा और गॉड लाइक फुटबॉल क्लब जीते

भोपाल, खेप्र। लोकमान्य, अल्फा और गॉड लाइक फुटबॉल क्लब ने भोपाल समर कैंप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने-अपने मुकाबले में जीत दर्ज की। टीटी नगर स्टेडियम में खेली जा रही प्रतियोगिता में अंडर-15 आयुवर्ग में लोकमान्य ने भगत सिंह फुटबॉल क्लब को 4-0 से हराया। लोकमान्य के पार्थ, सारांश, मयूर और आदर्श ने एक-एक गोल किया। अंडर-18 वर्ग में अल्फा फुटबॉल क्लब ने थंडर स्ट्राइकर को 2-1 पराजित किया। अल्फा फुटबॉल क्लब के अब्दुल्ला और दाऊद ने गोल दागे। थंडर स्ट्राइकर के लिए मृदुल ने गोल किया। वहीं गॉड लाइक फुटबॉल क्लब ने सिंदूर फुटबॉल क्लब को 4-1 से हराया। गॉड लाइक के आयुष, महमूद, बाबू और निष्कर्ष ने अपनी टीम के लिए एक-एक गोल बनाया। सिंदूर फुटबॉल क्लब की तरफ से एकमात्र गोल जयेश ने किया।

उप संचालक कृषि ने भेजी उर्वरकों की डिमाण्ड

सतना। सतना जिले में आगामी खरीफसीजन में किसानों को उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता बनाये रखने कृषि उप संचालक मनोज कश्यप ने संचालक कृषि भोपाल को आवश्यकतानुसार माहवार उर्वरकों की डिमाण्ड भेजी है। इसके अनुसार खरीफवर्ष 2024 में मई से सितम्बर 5 माह में 41 हजार 832 मे. टन यूरिया वितरित की गई थी। इस वर्ष के लिए 36 हजार मे. टन की डिमाण्ड की गई है।

स्थानांतरण पर प्रतिबंध से छूट की अवधि को 10 तक बढ़ाया

सतना। राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों/कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति द्वारा 1 मई से 30 मई 2025 तक की अवधि के लिये स्थानांतरण पर प्रतिबंध शिथिल किया गया था। राज्य शासन ने स्थानांतरण पर प्रतिबंध से शिथिलता अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। स्थानांतरण पर प्रतिबंध से शिथिलता अवधि को बढ़ाकर 10 जून 2025 किया गया है।

चाकू से प्राणघातक हमला व शराब के लिए पैसा मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

न्यायालय ने भेजा जेल

जागरण सतना

चाकू से प्राणघातक हमला करने व शराब पीने के लिए पैसे मांगने वाले आरोपी को कोलगवां टीआई सुदीप सोनी ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश एएसपी शिवेश सिंह एवं सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में की गई है।

ये है विवरण

पुलिस ने बताया कि फरियादी शिवा गुप्ता पिता बब्लू गुप्ता उम्र 18 साल निवासी पीएम आवास कालोनी उतैली ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 4 जून को तकरीबन साढे 8 बजे दिन कृष्णनगर से सेमरिया चौराहा मैत्रीपार्क होकर अपने घर उतैली जा रहा था जैसे ही मैत्री पार्क के पास पहुचा तभी दो लडके बाइक से आये व मेरी बाइक में टच कर दिया। तकरीबन पौने 9 बजे दो व्यक्ति बिना नम्बर की बाइक से मेरे पीछे आये तथा अपनी बाइक में मेरे आंगे लगा दी और उतर कर मारपीट करने लगे। गोपाल वंशकार ने जानसे मारने के नियत से चाकू निकालकर मेरे पेट में मारदिया पुलिस ने गोपालवंशकार एवं विनय वंशकार के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। इतना ही नही फरियादी सईसद जलालुद्दीन निवासी नजीराबाद ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पुत्र अफसर आलम चार जून को रात 3 बजे अपनी दुकान यादव धर्मकांटा के सामने बंद कर स्कूटी से घर जा रहा था टिकुरिया टोला बाइपास शराब दुकान के आगे पहुचा तो लाल रंग की टीवीएस गाडी से तीन लडके आये और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे नही देने पर गाली गलौच व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अपराधदर्ज कर आरोपी गोपाल उर्फ राधेवंशकार पिता विश्वनाथ वंसकार उम्र 19 साल निवासी नारायण तालाब थाना कोलगवां को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नीले काले रंग की हीरो बाइक जप्त की गई है।

उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाओं की कालाबाजारी को गठित दल करेगा नियंत्रित

सतना। खरीफ वर्ष 2025 के लिए जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त एवं उचित मूल्य पर उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवा की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए समस्त निजी व सहकारी, व्यवसायिक परिसरों, भण्डारण केन्द्रों,, निर्माण इकाईयों एवं अन्य संदेहास्पद स्थलों/परिवहन में कालाबाजारी व जमाखोरी के नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय निरीक्षण दल गठित किया गया है। यह निरीक्षण दल उर्वरक, बीज एवं दवाओं की कालाबाजारी और जमाखोरी को नियंत्रित करने जिले की सहकारी एवं निजी आदान विक्रेताओं के विक्रय और भंडारण प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करेंगे। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेशानुसार सहायक संचालक कृषि आरएस बागरी, संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं संबंधित तहसीलदार को जिला स्तरीय निरीक्षण दल में दल प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अशोक कुमार निगम, तकनीकी सहायक गणेश मिश्रा, तकनीकी सहायक पुष्पेन्द्र पाल एवं संबंधित विकासखंडों के उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी निरीक्षकों को सहायक दल प्रभारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिला स्तरीय निरीक्षण दल के अधिकारियों को प्रति सप्ताह न्यूनतम दो विकासखंडों का भ्रमण कर निरीक्षण रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय का उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 17 जून को

सतना। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में 17 जून 2025 को दोपहर 1 बजे से कलेक्टर सभाकक्ष मैहर में आयोजित गई है। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण ने बताया कि बैठक में अधिनियम 1989 के अंतर्गत नियम 1995 संशोधित 2016 के तहत विभिन्न उपबंधों के तहत विभिन्न श्रेणी के प्रकरण स्वीकृत और भुगतान राशि, विभिन्न श्रेणी के पीड़ितो को स्वीकृत एवं भुगतान राशि, अधिनियम के उपबंधो के क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार अधिकारियों एवं अभिकरणों की भूमिका के संबंध में, विशेष न्यायालय में अधिनियम के अंतर्गत विचाराधीन एवं निराकृत मामलों एवं पुलिस में दर्ज प्रकरण और अनुसंधान में लंबित मामलों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से सोने चांदी के जेवरात बरामद

जागरण सतना। पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी अमरपाटन निरीक्षक केपी त्रिपाठी एवं उनकी टीम के द्वारा चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

ये है विवरण

28 जनवरी को फरियादी अनिल कुमार पटेल पिता सूर्यदीन पटेल उम्र 58 साल निवासी मझगवाँ थाना अमरपाटन जिला मैहर ने रिपोर्ट किया कि उसके घर के अंदर से अज्ञात व्यक्ति के द्वारा घर में रखे सोना चादी के जेवरात व नगद 40 हजार रुपये चोरी कर लिया गया है फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अमरपाटन मे बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया । विवेचना प्रकरण के आरोपी अर्जुन कुशवाहा पिता गणेश कुशवाहा उम्र 38 वर्ष निवासी वंशीपुर थाना कोतवाली मैहर एवं मदन जायसवाल पिता स्व सुर्दशन जायसवाल उम्र 66 वर्ष निवासी शिवाजीनगर बस स्टैण्ड के पास कटनी को गिरफ्तार किया गया था। फरार आरोपी विष्णु कोलेकर पिता आपाशो कोलेकर उम्र 33 वर्ष निवासी देविन टेला उचेहरा को विधि अनुसार कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कियागया।

ये आरोपी गिरफ्तार

आरोपी विष्णु कोलेकर पिता आपाशो कोलेकर उम्र 33 वर्ष निण् कोलेकर बंस्ती ग्राम निजामपुर थाना सांगोला जिला सोलापुर महाराष्ट्र हाल निण् लालजी सरावगी के यहां किराये का कमरा देविन टोला उचेहरा को गिरफ्तार किया गया। 7 नग सोने की लाकेट एवं 5 जोड़ी चांदी की पायल जब्त करने में टीआई केपी त्रिपाठी ने सफलता पाई है।

60 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

सिटी कोतवाली पुलिस ने दो मोबाइल व 40 हजार नगद जब्त किया

सतना। सिटी कोतवाली पुलिस ने आन लाइन फ्राड के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो मोबाइल एवं 40 हजार की नगदी जप्त की है।उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डा शिवेन्द्र सिंह बघेल के दिशा निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में की गई।

ये है मामला

सिटी कोतवाली अंतर्गत रेलवे स्टेशन रोड मे त्रिवेणी प्रसाद वर्मा स्टेशन रोड मे एमपी आनलाईन की दुकान में विगत 24 मई की दोपहर एक युवक अंदर आया और एक बाहर खड़ा रहा । अंदर आए युवक ने उससे ऑन लाइन फ्राड करते हुए 60 हजार रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए व फरार हो गए थे।इसी प्रकार की शिकायत कुछ और कियोस्क संचालकों के द्वारा थाना सिटी कोतवाली मे दर्ज कराई गई । मामले को गंभीरता से लेते हुए एक टीम गठित कर उक्त अज्ञात व्यक्ति के संबंध मे विभिन्न स्त्रोतों से जानकारी एकत्रित की गई। मुखबिर से प्राप्त सूचना एवं जांच के दौरान आए तथ्यो के आधार पर पुलिस ने दो व्यक्तियों को पकडकर उनसे पूछताछ की गई। जिनके द्वारा घटना घटित करना स्वीकार किया गया। पुलिस द्वारा विधिवत कार्यवाही करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियो को गिरफ्तार किया गया व घटना मे प्रयुक्त मोबाईल फोन तथा नगदी जप्त की गई है।

इन्हें पकड़ा गया

इस मामले में पुलिस ने आरोपी पवन कुमार सिंह पिता हरिवक्श सिंह उम्र 34 वर्ष निवासी बांसगांव थाना टिकैतनगर जिला बाराबंकी उप्र एवं अंकुर सिंह पिता रामअधार सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम दुरौनी थाना परसपुर जिला गोंडा उप्र को पकड़ा है।जिनके पास से एक ओप्पो तथा एक विवो कंपनी का एंड्रायड मोबाईल तथा 40 हजार रुपये नगद जप्त किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्यवाही में निरीक्षक रावेन्द्र द्विवेदी उनि प्रीति कुशवाहा उनि सुभाषचन्द्र वर्मा प्रआर विकास सिह प्रआर नीरज सिंह आरक्षक सुरेश मिश्रा आरक्षक आकाश द्विवेदी थाना सिटी कोतवाली सतना उनि अजीत सिंह सायवर सेल प्रभारी सतना प्रआर अशलेन्द्र सिंह सायवर सेल सतना आरक्षक संदीप परिहार आरक्षक सुशील द्विवेदी सायवर सेल मैहर एवं अन्य पुलिसकर्मियों की मुख्य भूमिका रही।

किसानों की संगोष्ठी में शामिल हुए कलेक्टर

जागरण सतना। भारत सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन 29 मई 2025 से 12 जून 2025 तक जिले में विभिन्न विकासखंडों में किया जा रहा है। जिसके तहत किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी तथा उन्नत फसलों के उत्पादन से लाभ लेने और कृषि से संबंधित समस्याओं के निदान के लिए जानकारी दी जा रही है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस शुक्रवार को विकासखण्ड मझगवां के ग्राम पंचायत हिरौंदी पहुंचकर विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित किसानों की संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने किसानों का मार्गदर्शन करते हुए खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में जानकारी दी। कलेक्टर ने खेतों में जाकर ड्रोन प्रदर्शन भी देखा। इसके बाद कलेक्टर ने एफपीओ और स्व-सहायता समूह द्वारा की जा रही कृषि गतिविधियों का अवलोकन किया तथा एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौध रोपण भी किया। इस अवसर पर कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 एवं जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा विकासखण्ड मझगवां के ग्राम पंचायत हिरौंदी में सहभागिता कर कृषकों को ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण एवं जल संरचनायें तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया एवं शासन स्तर से शत-प्रतिशत सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत हिरौंदी के प्रगतिशील कृषक दीपक जायसवाल द्वारा जैविक खेती पर किये जा रहे प्रकल्पों का अवलोकन किया। कलेक्टर सतना द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार शर्मा, डॉ. अजय चौरसिया एवं हेमराज द्विवेदी के द्वारा भी कृषकों को समसामयिक सलाह दी गई।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com